



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 42] नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 21, 1978 (आश्विन 29, 1900)

No. 42] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 21, 1978 (ASVIN 29, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च स्थायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक सितम्बर 1978

सं. ए० 12019/2/78-प्रा० II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थायी अनुसन्धान सहायक (अनु० एव सा०) तथा अनुसन्धान अन्वेषक श्री राम मिह को, श्रीमती राजकुमारी आनन्द, कनिष्ठ अनुसन्धान अधिकारी (अनु० एव सा०) को अवकाश स्वीकृत किए जाने के कारण उनके स्थान पर 27-9-1978 से 30-11-1978 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में कनिष्ठ अनुसन्धान अधिकारी (अनु० एव सा०) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

पी० सी० माधुर
अवर सचिव,
कृते महिला
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 14 अगस्त 1978

सं. पी० 2188/प्रा० III—भारतीय प्रशासनिक सेवा आदि परीक्षा 1977 के परीक्षा परिणाम के आधार पर उनकी केन्द्रीय सेवा क्लास I/भारतीय पुलिस सेवा में चयन होने के परिणाम स्वरूप, संघ लोक सेवा आयोग के सर्वग्रंथ में केन्द्रीय मन्त्रिवालय सेवा के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री के० के० शा, ने 11 जुलाई, 1978 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी के पद से कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 16 सितम्बर 1978

सं. पा० 32013/1/77-प्रा० I—संघ लोक सेवा आयोग की ममसंब्यक अधिसूचना दिनांक 29-7-1978 के अनुक्रम में मध्य लोक सेवा आयोग में बे० सं. से० सर्वग्रंथ के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री एन० बी० मिनाटे को राष्ट्रपति द्वारा 17-9-1978 से आगामी आदेश तक, मध्य लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के पद पर नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32013/1/77 प्रश्ना०—I—संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 29-7-1978 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में के० स० से० संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री प्रीतमलाल को, राष्ट्रपति द्वारा 1-9-1978 से आगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के पद पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 21 सितम्बर 1978

सं० पी०/1864-प्रश्ना० I—संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद पर प्रतिनियुक्ति पर भारतीय रक्षा लेखा सेवा की अधिकारी श्रीमती लक्ष्मी राजा राम भण्डारी की सेवाएँ 21-9-1978 (अपराह्न) से महानियन्दक, रक्षा लेखा को पुनः सौंपी जाती है।

सं० ए० 32014/1/78 प्रश्ना० III(i)—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के निम्नलिखित स्थायी सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा, प्रत्येक के नाम के सामने दर्शायी गई अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्थ रूप से, तदर्थ आधार पर, कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

| क्र० | नाम | अवधि जिसके लिए | जिसके लिए |
|------|-----------------------------|--|-----------|
| सं० | | अनुभाग अधिकारी नियुक्ति | किया गया |
| 1. | श्री एन० के० डींगरा | 17-8-78 से 31-8-78 की अतिरिक्त अवधि के लिए | |
| 2. | श्री कैलाश चन्द्र | 1-8-78 से 16-9-78 की अवधि के लिए | |
| 3. | श्री एन० एम० एल० भट्टाचार्य | 1-8-78 से 15-9-78 की अवधि के लिए | |
| 4. | श्री के० पी० आय्यर | 2-8-78 से 16-9-78 की अवधि के लिए | |
| 5. | श्री एम० एन० अरोड़ा | 7-8-78 से 22-9-78 की अवधि के लिए। | |

सं० ए० 32014/1/78प्रश्ना०III(ii)—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री आर० एल० क्षिगन को, राष्ट्रपति द्वारा 7-8-78 से 22-9-78 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, डेस्क अधिकारी के कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

2. श्री क्षिगन, का० और प्र० सु० विभाग के का० जा० म० 12/1/74-सी० एस० (1) दिनांक 11-12-75

के अनुसार, अनुभाग अधिकारी के वेतन के अतिरिक्त रूप विशेष वेतन लेंगे।

सं० ए० 32014/1/78प्रा०III(iii)—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के निम्नलिखित स्थायी सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा, प्रत्येक के नाम के सामने दर्शायी गई अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्थ रूप से, तदर्थ आधार पर, कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

| क्र० | नाम | अवधि जिसके लिए अनुभाग अधिकारी नियुक्त किया गया |
|------|---------------------|---|
| 1. | श्री आर० के० जसुसजा | श्री एम० एस० छावड़ा जिन्हें वरिष्ठ विशेषक नियुक्त किया गया के स्थान पर 29-8-78 से 31-10-78 की अतिरिक्त अवधि के लिए। |
| 2. | श्री एस० के० अरोड़ा | श्री के० के० झा जिन्हें कार्यभार से मुक्त कर दिया गया के स्थान पर 2-9-78 से 31-10-78 की अतिरिक्त अवधि के लिए। |
| 3. | श्री एस० एन० शर्मा | श्री एल० बी० सिनाटे जिन्हें अवर सचिव नियुक्त किया गया के स्थान पर 29-8-78 से 31-10-78 की अतिरिक्त अवधि के लिए। |
| 4. | श्री जय नारायण | श्री डी० पी० राय जिन्हें डेस्क अधिकारी नियुक्त किया गया के स्थान पर 2-9-78 से 31-10-78 की अतिरिक्त अवधि के लिए। |
| 5. | श्री आर० के० गोयल | श्री आर० एन० शर्मा छुट्टी पर होने के कारण के स्थान पर 4-9-78 अपराह्न से 21-10-78 तक। |

प्रभात नाथ मुखर्जी
अवर सचिव,
(प्रशासन प्रभारी)
संघ लोक सेवा आयोग

प्रवर्तन निदेशालय

विदेशी मुद्रा विनियम अधिनियम

नई दिल्ली, दिनांक 6 अक्टूबर 1977

सं० ए०-११/४८/७३—श्री एम० एल० वधवा, प्रवर्तन अधिकारी, मुद्रालय कार्यालय को प्रवर्तन निदेशालय के मुद्रालय कार्यालय में दिनांक 30-९-७७ (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक के लिए मुद्रा प्रवर्तन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

एस० बी० जैन
निदेशक

गृह मंत्रालय

का० एवं प्र० स० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 30 सितम्बर 1978

सं० पी० एफ०/एस०-२०१/७०-प्रशा० (I)—निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो/आधिकारी अपराध स्कंध, कलकत्ता शाखा में प्रतिनियुक्त पश्चिम बंगाल के अधिकारी श्री सची भूषण चक्रवर्ती, पुलिस निरीक्षक ने दिनांक 31-७-१९७८ (अपराह्न) से पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, आर्थिक अपराध स्कंध, कलकत्ता के कार्यालय में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० ए०-२००१४/६४/७६-प्रशासन —पुलिस उप-महानिरीक्षक केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, एतव्वारा, श्री के० एन० झा, पुलिस निरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सामान्य अपराध स्कंध बन्वर्ड शाखा का

त्याग-पत्र दिनांक 25-८-१९७८ के अपराह्न से स्वीकार करते हैं।

जरनैल सिह
प्रशासन अधिकारी (स्था०),
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

केन्द्रीय न्याय-वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला

नई दिल्ली-110022, दिनांक 23 सितम्बर 1978

सं० १-१०/७८-सी० एफ० एस० एल०/७२८६—राष्ट्रपति केन्द्रीय न्याय-वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला के वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी श्री पी० एस० नायर (अंगुल छाप) को 26 अगस्त, 1978 (पूर्वाह्न) से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली की केन्द्रीय न्याय-वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला में सहायक निदेशक (अंगुल छाप) के पक्का तदर्थाधार पर एक वर्ष या पद के स्थाई रूप से भरने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

के० के० पुरी
उप निदेशक (प्रशासन),
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 27 सितम्बर 1978

सं० एफ० २/२३/७८-स्थापना (सी० आर० पी० एफ०)—राष्ट्रपति श्री हरबंस सिह सेठी, स्थानापन्न जन सम्पर्क अधिकारी, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, को उसी ग्रेड में दिनांक 19-८-७८ से स्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० एफ० २/३/७७-स्थापना (सी० आर० पी० एफ०)—राष्ट्रपति श्री टी० एस० बहद, स्थानापन्न कमांडेंट, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, को उसी ग्रेड में दिनांक 19-८-७८ से स्थाई रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 3 अक्टूबर 1978

सं० पी० सात० २/७८-स्थापना—निम्नलिखित अनुभाग अधिकारी/कार्यालय अधीक्षक को महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में उनके नाम के सामने लिखे गए पदों पर स्पष्टतया तदर्थ रूप में दिनांक 15-९-१९७८ (पूर्वाह्न) से पदोन्नत किया जाता है।

1. श्री गंदा लाल शर्मा

अनुभाग अधिकारी संयुक्त सहायक निदेशक (लेखा)

2. श्री रूप नारायण अग्रवाल

कार्यालय अधीक्षक अनुभाग अधिकारी

ए० के० बन्द्योपाध्याय
सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 27 सितम्बर 1978

सं० ई०-38013 (1)/1/78-कार्मिक—कलकत्ता से स्थानान्तरित होने पर, श्री मार्कंडेय सिंह आई० सी० एस० (संघ शासित थेब-1956) ने दिनांक 22 सितम्बर 1978 के पूर्वाह्न से के० औ० सु० ब० मुख्यालय के सहायक महानिरीक्षक (भरती व प्रशिक्षण) के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 28 सितम्बर 1978

सं० ई०-38013(3)/1/78-कार्मिक—रांची से स्थानान्तरण होने पर श्री जोन चौहान ने श्री ए० एस० खतुरिया, सहायक कमांडेंट के स्थान पर 26 सितम्बर, 1978 के अपराह्न से के० औ० सु० ब० मुख्यालय नई दिल्ली के सहायक कमांडेंट (कार्मिक) के पद का कार्यभार सम्भाल लिया। श्री खतुरिया ने, जो पिस्परी को स्थानान्तरण पर है उक्त पद का कार्यभार उसी तारीख से छोड़ दिया।

महा निरीक्षक, के० औ० सु० ब०

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 3 अक्टूबर 1978

सं० 10/17/78-प्रशा०-१—राष्ट्रपति, कृषि विभाग में वरिष्ठ भूत्यांकन अधिकारी (तथु सिचाई) के पद पर कार्यरत भारतीय सांखिकीय सेवा के ग्रेड 4 के अधिकारी श्री एस० के० सिंहा को भारत के महापंजीकार के कार्यालय में वरिष्ठ अनुसन्धान अधिकारी के पद पर तारीख 1 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक सहर्ष नियुक्त करते हैं। उनका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

पी० पद्मनाभ

भारत के महापंजीकार

प्रतिभूति कागज कारबाना

होशंगाबाद (म० प्र०), दिनांक 29 सितम्बर 1978

सं० पी० एफ० सं० पी० डी०/3/5092—श्री एस० के० आनंद, फोरमेन (उत्पादन) को स्थानापन्न रूप से सहायक कार्यप्रबंधक के पद पर बेतनमान रु० 840-40-1000 रु० 40-40-1200 में दिनांक 28-9-78 से तदर्थे आधार पर पदोन्नत किया जाता है। यह सहायक कार्यप्रबंधक का रिक्त स्थान श्री ए० के० घोष के मुख्य रसायनज्ञ के पद पर नियुक्त होने के कारण हुई है।

एस० आर० पाठक

महाप्रबंधक

भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक-महालेखा परीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर, 1978

सं० 1333-सी० ए०-१/126-78—अपर उप नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (वा०) ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों (वा०) को सहर्ष पदोन्नत किया है और उनकी नियुक्ति लेखा परीक्षा अधिकारी (वा०) के रूप में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए की है और नीचे कालम 4 में उल्लिखित तिथियों से प्रत्येक नाम के सामने कालम 3 में दिये गए कार्यालयों में अन्य आदेश होने तक इसी रूप में तैनात किया है:—

| क्रम | लेखापरीक्षा अधिकारी (वा०) का नाम | पदोन्नति से पहले जिस कार्यालय में कार्यरत थे | पदोन्नति के पश्चात जिस कार्यालय में लेखा परीक्षा अधिकारी (वा०) के रूप में नियुक्त हुई | स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी (वा०) के रूप में तैनाती की तारीख |
|------|----------------------------------|--|---|--|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |

सर्वश्री

1. सतीश चन्द्र खन्ना सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड महालेखाकार हिमाचल 31-8-1978 (पूर्वाह्न) एवं पदेन निदेशक वाणि- प्रदेश एवं चण्डीगढ़ शिमला ज्यक लेखा परीक्षा नई दिल्ली
2. हरचरण सिंह भारत के नियंत्रक महालेखा- महालेखाकार हिमाचल 31-8-1978 (पूर्वाह्न) परीक्षक का कार्यालय प्रदेश एवं चण्डीगढ़ शिमला
3. एस० नागराजन महालेखाकार-II तमिलनाडू महालेखाकार उडीसा 28-8-1978 (पूर्वाह्न) मद्रास

| (1) | (2) | (3) | (4) |
|----------------------------|--|--|------------------------|
| सर्वेश्वरी | | | |
| 4. एस० शिवराम कृष्णन | सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा मद्रास | सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा रांची | 29-8-1978 (पूर्वाह्नि) |
| 5. दीलीप कुमार मुखोपाध्याय | महालेखाकार-II बंगाल, कलकत्ता | सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा (कोयला) कलकत्ता | 14-8-1978 (पूर्वाह्नि) |
| 6. सरदिन्दु नारायण चौधरी | महालेखाकार-II बंगाल, कलकत्ता | सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा कलकत्ता | 11-8-1978 (पूर्वाह्नि) |
| 7. एच० जी० सिन्धवानी | भारत के नियन्त्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय | सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, देहरादून | 31-8-1978 (पूर्वाह्नि) |
| 8. विनोद कुमार चावला | महालेखाकार-II ग्रालियर | सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा बम्बई | 29-8-1978 (पूर्वाह्नि) |
| 9. आर० एन० मंगलवेद कर | महालेखाकार-II मद्रास | महालेखाकार-II बिहार पटना | 31-8-1978 (पूर्वाह्नि) |
| 10. सुरज चन्द्र चक्रवर्ती | सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा कलकत्ता | सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा कलकत्ता | 9-8-1978 (पूर्वाह्नि) |
| 11. के० रामा कृष्णन | महालेखाकार-II मद्रास | महालेखाकार-II उड़ीसा | 31-8-1978 (पूर्वाह्नि) |

सुशील देव भट्टाचार्य
संयुक्त निदेशक (वा०)

कार्यालय महालेखाकार, उत्तर प्रदेश-प्रथम

इलाहाबाद, दिनांक 20 जुलाई 1978

सं० प्रशासन/11-144/ /94—महालेखाकार उत्तर प्रदेश-प्रथम-इलाहाबाद ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों के उनके नामों के आगे अक्रित तिथि से आगामी आदेश पर्यन्त इस कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारी नियुक्त किया है।

- श्री राम सेवक श्रीवास्तव 4-7-78 (पूर्वाह्नि)
- श्री ओम प्रकाश श्रीवास्तव 3-7-78 (अपराह्नि)
- श्री रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव 5-7-78 (पूर्वाह्नि)

उ० रामचन्द्र राव
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार महाराष्ट्र-1 का कार्यालय
बम्बई-400020, दिनांक 28 अगस्त 1978
सं० प्रशासन-1/आई० ए० डी०/31-खण्ड/III (i)/7—
महालेखाकार महाराष्ट्र-1 बम्बई, अधिनस्थ लेखा सेवा के निम्नलिखित सदस्यों को उनके नाम के सन्मुख निर्दिष्ट किये गये दिनांक से आगामी आदेश तक स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

| क्र० | नाम | दिनांक |
|------|------------------------|--------------------|
| 1. | श्री पी० के० क्षीरसागर | 24-8-78 पूर्वाह्नि |
| 2. | श्री एम० आर० किलपेतवार | 24-8-78 पूर्वाह्नि |

रजनी कू० कुट्ठी
वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय, महालेखाकार, दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 26 सितम्बर 1978

सं० प्रशासन-5/239/23 (ए) (2) अधिसूचनाएँ—मुख्य लेखा परीक्षक डाक-न्तार ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों की पदोन्नति कर उनको स्थानापन्न लेखा परीक्षाधिकारियों के पद पर नियुक्त किया है तथा उन्हें प्रत्येक के सामने उल्लिखित डाक-न्तार शाखा लेखा परीक्षा कार्यालयों में अगले आदेशों तक तैनात किया गया है। उनकी पदोन्नतियाँ तदर्थे आधार पर हैं और संघो-धनाधीन हैं।

| क्रम सं० | नाम | डा० ता० शा० ले० परीक्षा का० जिससे अनुभागाधिकारी सम्बन्धित है | डा० ता० शा० ले० परीक्षा कार्यालय जिसमें नियुक्त किया गया है | | |
|-----------------------------|----------|--|---|--------------|--|
| 1. श्री वी० एस० सुद्धामन्त् | हैदराबाद | नागपुर | 2-6-1978 | (पूर्वाह्नि) | |
| 2. श्री चरणदास कालिया | कपूरथला | लखनऊ | 23-6-1978 | (पूर्वाह्नि) | |
| 3. श्री एम० के० चौपाणा | —वही— | पटना | 7-7-1978 | (पूर्वाह्नि) | |

एस० कृष्णन
वरिष्ठ उप मुख्य लेखा परीक्षक

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियंत्रक,

नई दिल्ली-110022, दिनांक 29 सितम्बर 1978

सं० 86016(15)/77/प्रशा०-II—राष्ट्रपति भारतीय रक्षा लेखा सेवा के एक अधिकारी श्री आर० वैफटरत्नम को उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (रूपये 2250-125/2 2500) के स्तर II में, स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए, दिनांक 15 सितम्बर, 1978 (पूर्वाह्नि) से आगामी आदेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

आर० एल बर्थशी
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक

उद्योग मंत्रालय

(श्रीद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 सितम्बर 1978

सं० ए-19018 (360)/78-प्रशा० (राजपत्रित)—विकास आयुक्त लघु उद्योग, श्री नाहर सिंह वर्मा, हिन्दी अनुवादक को 22 अगस्त, 1978 (पूर्वाह्नि) से, अगले आदेश दिए जाने तक, विकास आयुक्त लघु उद्योग नई दिल्ली के कार्यालय में तदर्थे आधार पर स्थानापन्न रूप में हिन्दी अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

महेन्द्र गुप्त
उपनिदेशक प्रशासन

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 18 सितम्बर 1978

सं० सी-18011/1/78-प्र०-6—राष्ट्रपति, श्री एस० सी० आनन्द, उप निदेशक (निरीक्षण) (भारतीय निरीक्षण

सेवा, ग्रुप 'ए' के ग्रेड II) को उनके विफल चल रही अनु-शासनिक कार्रवाई पर प्रतिकूल प्रभाष डाले थिए। 1 मई, 1969 से भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप 'ए' के ग्रेड III की इंजीनियरी शाखा में सहायक निदेशक निरीक्षण/निरीक्षण अधिकारी के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 सितम्बर 1978

सं० ए-17011/(139)/78-प्र०-6—राष्ट्रपति संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिशों पर श्री गी० जयकुमारन नायर को दिनों 31-8-1978 (पूर्वाह्नि) से और आगामी आदेशों के जारी होने तक भारतीय निरीक्षण सेवा (ग्रुप ए) के ग्रेड III की इंजीनियरी शाखा में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री नायर ने दिनांक 31-8-78 के पूर्वाह्नि को निरीक्षण निदेशक बन्वाई के कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी (इंजी-नियरी) का पदभार सम्माल लिया।

दिनांक 30 सितम्बर 1978

सं० प्र०-122 (69)—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में स्थाई उप महानिदेशक और स्थानापन्न अपर महानिदेशक श्री एस० सी० अग्रवाल दिनांक 30-9-78 के अपराह्न से नियर्तमान श्रायु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सूर्य प्रकाश
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 सितम्बर 1978

सं० 4(15)/76-स्टाफ-1—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री एम० सी० मोहन्ती, सहायक केन्द्र निदेशक, आकाशवाणी को मूल रूप से कार्यक्रम निष्पादक के संवर्ग

में आकाशवाणी में 1 अप्रैल, 1960 से नियुक्त करते हैं। श्री मोहन्ती की, कार्यक्रम निषादक के पद पर पुष्टि आकाशवाणी, धारवाड़ में स्थायी पद पर की गई है।

2. श्री मोहन्ती की पुष्टि इस शर्त पर है कि सार्वजनिक निगम में उनका किसी भी समय स्थानांतरण किया जा सकता है, और उन पर, उस निगम के कर्मचारियों के लिए निर्धारित सेवा नियम लागू होंगे।

दिनांक 28 सितम्बर 1978

सं० 6(7)/62-स्थाफ- वात्यू० —वादधक्षम आयु के प्राप्त हो जाने पर, श्री पृच० सी० दत्ता चौधुरी, कार्यक्रम निषादक, विज्ञापन प्रसारण सेथा, आकाशवाणी, कलकत्ता को दिनांक 31 अगस्त, 1978 अपराह्न से सेवा निवृत्त किया जाता है।

ए० के० बोम
प्रशासन उपनिदेशक
हृते महानिदेशक

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 28 सितम्बर 1978

सं० ए० 24013/39/78-सिवन्दी० I—फिल्म प्रभाग के मुख्य नियमित ने फिल्म प्रभाग हैदराबाद के स्थानापन्थ शास्त्रा प्रबन्धक श्री पी० छही राव, को छाउटी मंजूर करने के बजह, उस कार्यालय के स्थानापन्थ विश्रेता श्री ए० ए० नाईक को दि० 16-9-1978 के दुपहर से समान कार्यालय में शास्त्रा प्रबन्धक के पद पर नियुक्त किया है।

म० कु० जैन
सहाय प्रशासकीय अधिकारी
हृते मुख्य नियमिता

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 25 सितम्बर 1978

सं० ए० 32014/2/77-एस०-I —स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने सरकारी मेडिकल स्टोर डीपू, मद्रास के स्टोर अधीक्षकों सर्व श्री ए० रामचन्द्रदु तथा ए० कहैया राजू को 23 जून, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी डीपू में सहायक डीपू प्रबन्धक (प्रूप बी० राजपत्रित) के पद पर नियुक्त किया है।

के० सी० मिश्र
उप निदेशक, प्रशासन

कृषि एवं भित्ताई मंत्रालय

कृषि विभाग

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 सितम्बर 1978

सं० 2-11/77-स्था० (I)—सहायक प्रदर्शनी अधिकारी (कोटि प्रथम) के पद पर श्री के० बी० नायर की तदर्थी

नियुक्ति दिनांक 31 अगस्त, 1978 से आगे और 28 फरवरी, 1979 तक बनी रहेगी।

दिनांक 28 सितम्बर 1978

सं० 2-11/77-स्था० (I)—सहायक प्रशासन अधिकारी के पद पर श्री वृष्णि कुमार शर्मा की नियुक्ति दिनांक 31-8-1978 से आगे और दिनांक 28-2-1979 तक बनी रहेगी।

सं० 2-11/77-स्था० (I)—सहायक प्रदर्शनी अधिकारी (दृष्ट्य) के पद पर श्री पी० बी० दत्त की तदर्थ नियुक्ति दिनांक 31 अगस्त, 1978 से आगे और 28 फरवरी 1979 तक बनी रहेगी।

दर्शन सिंह
निदेशक प्रशासन

ग्रामीण विकास विभाग

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 29 सितम्बर 1978

सं० ए० 19023/65/78 प्र० III—श्री आर० बी० कुरुप, सहायक विपणन अधिकारी को फरीदाबाद में दिनांक 11-8-78 (पूर्वाह्न) से तीन माह की अवधि के लिए पूर्णतया अत्यकालीन आधार पर या जब तक नियमित प्रबंध किए जाते हैं, स्थानापन्थ रूप में विपणन अधिकारी (वर्ग I) नियुक्त किया जाता है।

2. विपणन अधिकारी के रूप में पदोन्नति होने पर श्री कुरुप ने दिनांक 11-7-78 के अपराह्न में एलजी में सहायक विपणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 19023/70/78 प्र० III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री ही० एन० तिवारी को इस निदेशालय में फरीदाबाद में दिनांक 21-9-78 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्थ रूप में विपणन अधिकारी (वर्ग I) नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 19023/73/78 प्र० III—संघ लोक सेवा आयोग श्री संस्तुतियों के अनुसार श्री जी० एच० धनकर, सहायक विपणन अधिकारी को इस निदेशालय में नागपुर में दिनांक 8-9-78 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्थ रूप में विपणन अधिकारी (वर्ग-I) नियुक्त किया जाता है।

2. विपणन अधिकारी के रूप में नियुक्त होने पर श्री धनकर ने दिनांक 4-9-78 के अपराह्न में ओगल में सहायक विपणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 19025/95/78 प्रशा० —संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री सांति कुमार राय को इस निदेशालय में नागपुर में दिनांक 11-9-78 (पूर्वाह्न)

से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप में सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-III), नियुक्त किया गया है।

बी० एल० मनिहार,
निदेशक, प्रशासन

कृत कृषि विपणन सलाहकार

परमाणु उर्जा विभाग

क्र्य एवं भंडार निदेशालय

बम्बई 400001, दिनांक 26 सितम्बर 1978

सं० क्र० भ० नि०/२/१(१९)/७७ प्रशासन—निदेशक, क्र्य एवं भंडार, परमाणु उर्जा विभाग, श्री बी० एस० शर्मा, अस्थाई भंडारी को प्रभारी रूप में सहायक भंडार अधिकारी पद पर रु० ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० रो०-३५-८८०-४०-१०००-८० रो०-१२०० के वेतन ऋम में १२-६-७८ से ३०-८-७८ तक नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी
सहायक कार्मिक अधिकारी

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद 500016, दिनांक 12 सितम्बर 1978

सं० प० ख० प्र०-१/२४/७६-प्रशासन—परमाणु उर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एदद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी सहायक एवं स्थानापन्न लेखापाल श्री आर० सी० सूब को दिनांक १९-८-७८ (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक के लिए इसी प्रभाग में स्थानापन्न रूप में सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 सितम्बर 1978

सं० प० ख० प्र०/२/२७९७/७८-प्रशासन—परमाणु खनिज प्रभाग के एक अस्थायी वैज्ञानिक अधिकारी/एस० बी०, श्री आर० आर० बन्द्योपाध्याय को सैन्ट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड को प्रस्तावित हो जाने के कारण दिनांक ८ सितम्बर, 1978 की अपराह्न को कार्यभार मुक्त कर दिया गया।

एस० रंगनाथन
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400008, दिनांक 26 सितम्बर, 1978

सं० भापाप/स्था०/१/म०/४२७६—भारी पानी परियोजना, के विशेष-कार्य, अधिकारी श्री अंगाराय नटेगा अथव भुक्तु-स्वामी, स्थायी लेखाकार, राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना तथा भारी पानी परियोजना (तूतीकोरिन) को, उसी परियोजना में १५ अप्रैल, 1978 (पूर्वाह्न) से २० मई, 1978 (अपराह्न) तक, श्री के० के० गोपालकृष्ण, लेखा अधिकारी, भारी पानी परियोजना (तूतीकोरिन) जो छुट्टी पर है, के स्थान पर तदर्थे आधार पर अस्थायी स्थानापन्न लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० ०५००००/प-१६४/४२७७—भारी पानी परियोजना के विशेष-कार्य अधिकारी, श्री गोपालकृष्ण पदमनाभन, स्थायी वरण श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी, भारी पानी परियोजना (तूतीकोरिन) को उसी परियोजना में १० अप्रैल, 1978 (पूर्वाह्न) से २० मई, 1978 (अपराह्न) तक श्री एस० पदमनाभन, प्रशासन अधिकारी, भापाप (तूतीकोरिन) जो छुट्टी पर है, के स्थान पर तदर्थे आधार पर अस्थायी रूप से स्थानापन्न प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 सितम्बर, 1978

आदेश

सं० भापाप/स्था०/५(७०)/४३७६—क्योंकि यह आरोप था कि,

श्री हरजीत सिंह जब भारी पानी परियोजना (कोटा) में चासक (प्रेड-II) नियुक्त था तो उसने, सर्वेश्वी इंजीनियरिंग परियोजना (इंडिया) सोमित मोसा (प्रसम) में १२ जनवरी, १९७७ से नियोजन ग्रहण किया और इस प्रकार उसने केन्द्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियम १९६४ के नियम ३(1)(I) तथा (III) और नियम १५ का उल्लंघन किया है;

और क्योंकि उक्त श्री हरजीत सिंह को ज्ञापन सं० भापाप/स्था०/५(७०)/७६/२९७७ दिनांक २/६/१९७७ के अन्तर्गत उन्हें आरोप की सूचना दी गई थी और केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) के नियम १४ के अन्तर्गत उनके विरुद्ध कार्यवाही प्रस्तावित की गई थी,

और क्योंकि २५ अप्रैल, १९७८, २० मई, १९७८ और २७ मई, १९७८ को कोटा में, उक्त श्री हरजीत सिंह के विरुद्ध केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम १९६५ के नियम १४ के प्रावधान के अन्तर्गत एक पक्षीय जांच की गई थी, जांच अधिकारी ने पाया कि श्री हरजीत सिंह के विरुद्ध लगाया गया आरोप सिद्ध होता है,

और क्योंकि निम्नहस्ताक्षरी ने उपरोक्त जांच प्रतिवेदन को सावधानी पूर्वक मनन किया है और जांच अधिकारी के निष्कर्ष से सहमत है कि श्री हरजीत सिंह के विरुद्ध आरोप प्रमाणित होता है,

और क्योंकि निम्नहस्ताक्षरी अनन्तिम रूप से इस निर्णय पर पहुंचा है कि हरजीत सिंह सेवा में रखने योग्य व्यक्ति नहीं है और उस पर सेवा से निकासित करने का दंड प्रस्तावित किया है,

और क्योंकि जब दूसरी सूचना कारण बताइये, श्री हरजीत सिंह को उनके स्थायी पते पर भेजी गई तो वह श्रवितरित हो बापिस आ गई,

और क्योंकि उपरोक्त परिस्थिति को दृष्टिगत करते हुए यह प्रेषित किया गया है कि श्री हरजीत सिंह के मामले में डाकीय सेवा सम्प्रेषण सम्भव नहीं है,

और क्योंकि निम्न हस्ताक्षरी अन्तिम निर्णय पर पड़ुचा है कि उक्त श्री हरजीत सिंह को सेवा से निकाल देना चाहिए।

अतः अब निम्न हस्ताक्षरी, केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील), नियम 1965 के नियम 12 के उपनियम 2 (बी) तथा प० उ० वि० के आदेश सं० 22 (1)/68 प्रशासन, दिनांक 20 सितम्बर, 1974 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए उक्त श्री हरजीत सिंह को इसके साथ सेवा से निकालने का दण्ड देते हैं।

सं० भापाप/स्था०/1/रा०/4381—भारी पानी परियोजना के, विशेष कार्य अधिकारी, श्री कड़ामाट्टु पञ्चपिलहई राधाकृष्णन्, स्थानापन्न सहायक लेखाकार भारी पानी परियोजना (तत्काल) को, उसी परियोजना में 29 मई, 1978 (पुर्वाह्न) से 1 जुलाई, 1978 (अपराह्न) तक के लिए, श्री डॉ चट्टोपाध्याय, सहायक लेखा अधिकारी जो उसी परियोजना में स्थानापन्न लेखा अधिकारी नियुक्त हुए हैं, के स्थान पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० शंकरनारायणन,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन

अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र

श्रीहमदाबाद-380053, दिनांक 19 सितम्बर 1978

सं० अं० उ० के०/स्था०/टिस्क/47/78—अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र के निदेशक ने श्री हिमांशु जयन्तीलाल झाला को इंजीनियर एस० बी० के पद पर अस्थायी रूप में अन्तरिक्ष विभाग, भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन के अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र में 10 अप्रैल, 1978 (पुर्वाह्न) से 31 अगस्त, 1979 तक नियुक्त किया है।

दिनांक 29 सितम्बर 1978

सं० अं० उ० के०/स्था०/3/ 19/78—अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र के निदेशक ने श्री बी० के० गोपल को वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० के पद पर स्थानापन्न रूप में अन्तरिक्ष विभाग, भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन के अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र में 8 सितम्बर, 1978 से आगामी आदेश तक नियुक्त किया है।

एस० जी० नायर,
प्रधान, कार्मिक और सामान्य प्रशासन

इसरो उपग्रह केन्द्र

पीघ्या, 562140-बंगलौर, दिनांक 16 सितम्बर, 1978

सं० 020/3(061)/78—इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक, अन्तरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बंगलौर में निम्नलिखित अधिकारियों का उनके नामों के सामने दिये गये पदों से प्रत्येक के सामने दी गई तारीखों से सेवा से त्यागपत्र स्वीकार करते हैं:—

| क्रम | संख्या | नाम | पदनाम | तारीख |
|------|-------------------------|-----|------------------|-------------------|
| 1. | श्री मोहम्मद गौस | . | इंजीनियर एस० बी० | 12-4-1978 अपराह्न |
| 2. | श्री एच० श्रीनिवासैय्या | . | इंजीनियर एस० बी० | 4-8-1978 अपराह्न |

एस० के० बासु,
प्रशासन अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 सितम्बर 1978

सं० ए० 32013/16/76-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री आर० के० मुखर्जी, सहायक संचार अधिकारी, जो वैज्ञानिक संचार केन्द्र कलकत्ता में तदर्थ आधार पर संचार अधिकारी के रूप में कार्यरत है, को दिनांक 22-6-78 (पुर्वाह्न) से और अन्य आदेश होने तक नियमित आधार पर संचार अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है और उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

सत्य देव शर्मा,
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर 1978

सं० ए० 32013/7/78-ई० I—राष्ट्रपति ने श्री एस० सी० मजूमदार, उपनिदेशक को दिनांक 31 अगस्त, 1978 (पुर्वाह्न) से 25-10-1978 तक श्री के० आर० के० एस० आर० अंजनेयुल के स्थान पर, रेडियो निर्माण तथा विकास एकक में तदर्थ आधार पर निदेशक के रूप में नियुक्त किया है।

प्रेम चन्द जैन,
सहा० निद० प्रशासन

विवेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 26 सितम्बर 1978

सं० 1/311/78—स्थान—विवेश संचार सेवा के महानिवेशक एतव्यद्वारा बम्बई शास्त्रा के पर्यवेक्षक श्री ए० एस० पायस को अल्प काल के लिये खाली जगह पर 20-7-78 से 31-8-78 (दोनों दिन मिलाकर) की अवधि के लिये उसी शास्त्रा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

पी० के० जी० नायर, निदें० (प्र०)
कृते महानिवेशक

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 27 सितम्बर 1978

सं० 16/306/68—स्थान—प्रध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री मानष रे को दिनांक 22 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक सहर्ष सहायक सम्पर्क व प्रचार अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून में नियुक्त करते हैं।

गुरुदयाल मोहन,
कुल सचिव

समाहर्ता कार्यालय, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क विभाग

गुन्टुर-4 दिनांक 29 सितम्बर 1978

सं० 1/78—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वरीय ग्रेड के निम्नलिखित स्थायी निरीक्षकों को अगला आदेश होने तक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय गुन्टुर में स्थानापन्न तौर पर कार्य करने के लिए अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ग्रुप-ब्ब (राजपत्रित) के पद पर नियुक्त किया गया है। उन्होंने अपने-अपने नाम के सामने दिखाई गई तिथि से अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ग्रुप 'ब्ब' (राजपत्रित) के रूप में कार्यभार संभाल लिया है।

क्रम सं० अधिकारी का नाम

स्टेशन

अधीक्षक, के० उ० श००,
श्रेणी-II के पद का कार्यभार
संभालने की तिथि

| (1) | (2) | (3) | (4) |
|----------------------------|-----|---|----------------------|
| सर्वश्री | | | |
| 1. के० सूर्यनारायण | . | . श्राई० डी०ओ०-I, विशाखापट्टनम | 20-10-1977 |
| 2. डी० लक्ष्मणराव | . | . ए० पी० पी० मिल्स, राजमुन्द्री | 14-10-1977 (अपराह्न) |
| 3. वी० जनार्दनराव | . | . एम० ओ० आर०-IV, विशाखापट्टनम | 2-12-1977 |
| 4. टी० सुब्बाराव | . | . मुज़विद, एम० ओ० आर० | 2-12-1977 (अपराह्न) |
| 5. एन० तुलसीराम | . | . अनकापल्ली, एम० ओ० आर० | 10-1-1978 |
| 6. पी० राममोहन राव | . | . एम० ओ० आर०-II | 16-1-1978 |
| 7. भगत श्री राममूर्ति | . | . राजमुन्द्री आ० ले० प., पाटी मुख्यायल | 16-1-1978 |
| 8. एम० माधव राव | . | . गुन्टुर आ० बी० सी० (रि० आ० 16-1-1978 नि०), एम० ओ० आर०-IV, | |
| 9. जी० रामेया गुप्ता | . | . विशाखापट्टनम | |
| 10. मोहम्मद मोवजाफ हुसैन | . | . आ० बी० सी० (रि० आ० 16-1-1978 नि०) एम० ओ० आर०, भगलागिरी | 16-1-78 |
| 11. के० पाला कृष्णमूर्ति | . | . आ० बी० सी०, एम० ओ० आर०-II, विशाखापट्टनम | 16-1-78 |
| 12. एस० सत्यनारायण पन्दुलु | . | . एम० ओ० आर०-III, एलुर० | 16-1-78 |
| | | . एस० आ० पी० निवारक, श्राई० डी० ओ०, विजयवाडा | |
| | | | 16-1-78 |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|-----|-----------------------|---|---------|
| 13. | डी० विजयगोपाल | ए०म श्रो० आर०-I, विजयनगरम | 16-1-73 |
| 14. | मोहम्मद अली | ए० श्रो० आर०-II, श्रीकाशुलम | 19-1-78 |
| 15. | आर० कृष्णमूर्ति | (स्व० नि�० पर नि�०प्र०) एस० आर० पी०, निवारक, मुख्य कार्यालय, गुन्टूर स्व० नि�० परनि० प्र० | 15-1-78 |
| 16. | पी० मिशेश्वर राव | एस० आर० पी०, निवारक आई० डी० श्रो०-I, गुन्टूर (स्व० नि�० परनि० प्र०), एस० आर० पी० निवारक, | 16-1-78 |
| 17. | डी० कृष्णराव | मुख्य कार्यालय, गुन्टूर आन्तरिक लेखा परीक्षा पार्टी आई० डी० श्रो०, राजमुंद्री | 16-1-78 |
| 18. | एस० कोटेश्वर राव | (स्व० नि�० परनि० प्र०), एस० आर० पी० निवारक, आई० डी० श्रो०-I, विशाखापट्टनम। | 19-1-78 |
| 19. | बी० सुव्वारेड्डी | आर० बी० सी० (रि० पर आ० नि�०) | 16-1-78 |
| 20. | बी० गुरुप्रसाद राव | एम० श्रो० आर०, मकरेला (स्व० नि�० पर नि�० प्र०), एस० आर० पी०, निवारक, आई० डी० श्रो०-II, विशाखापट्टनम | 16-1-78 |
| 21. | एम० लक्ष्मणमूर्ति | (रि० पर आ० नि�०), आर० बी० सी०, एम०श्रो०आर०, कोल्कटा | 16-1-78 |
| 22. | एम० सीतारामराव | वृद्धुर एम० श्रो० आर० | 16-1-78 |
| 23. | ए० एल० नरसिंहाराव | एल० आर० आई० डी० श्रो०, राजमुंद्री | 31-1-78 |
| 24. | पी० सत्यनारायण मूर्ति | (प्रपराक्त) | |
| 25. | बी० ए० सूर्यनारायण | (स्व० नि�० पर नि�० प्र०) एस० आर० पी० निवारक, आई० डी० श्रो० राजमुंद्री, एन० श्रो० आर०-II | 8-2-78 |
| 26. | एन० श्रीराममूर्ति | जियानगरम | 3-4-78 |
| 27. | पी० लक्ष्मणराव | एस० जी० सी० पी० पार्टी, काकीनाडा | 1-5-78 |
| 28. | पी० चिदाम्बर राव | लेखा परीक्षा, पार्टी, आई० डी० श्रो०-I, गुन्टूर | 16-6-78 |
| 29. | टी० जान बेस्टी | एम० श्रो०आर० प्रथिपद्मु, | 4-5-78 |
| 30. | जी० जयचन्द्रा जैकब | एस० जी० सी० पी० पार्टी, मसुलिपट्टनम | 23-5-78 |
| 31. | पी० हनुमन्था राव | एम० श्रो० आर०, इन्कोल्लु | 25-6-78 |

सं० 2/78—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के निम्नलिखित ग्रुप 'ख' के राजपत्रित अधीक्षकों का उनके नाम के सामने दिखाई गई तिथि को, तथा वर्णाए गए स्थानों में उनकी तैनाती के दौरान निधन हो गया :—

| क्रम | अधिकारी का नाम | स्टेशन | निधन की तिथि |
|------|----------------------|-----------------------|--------------|
| सं० | | | |
| 1. | चौधरी सुश्रावुड़ | प्रथिपदु (एम०ओ०आर०) | 29-7-78 |
| 2. | पी० सत्यनारायणमूर्ति | आई०डी०ओ० राजमृद्दी | 4-4-78 |

सं० 3/78—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालिय, गुन्दूर, के निम्नलिखित अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ग्रुप 'ख' (राजपत्रित) उनके नाम के सामने दिखाई तिथि से वार्षिक्य के कारण सेवा निवृत्त हो गये हैं :—

| क्रम | अधिकारी का नाम | स्टेशन | सेवा निवृत्त होने की तिथि |
|------|------------------------|---|---------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. | ए० हनुमन्था राव | आई०डी०ओ० विजयवाडा | 30-11-78 (अपराह्न) |
| 2. | एस० सी० नगेश्वर स्वामी | आई०डी०ओ०-II, विशाखापट्टनम | 30-11-78 |
| 3. | एस० ए० के० जीलानी | आई०डी०ओ०-I, विशाखापट्टनम | 31-12-77 (अपराह्न) |
| 4. | एम० रामकृष्णा | आई०डी०ओ०, राजमृद्दी | 31-1-78 (अपराह्न) |
| 5. | आई० कृष्ण रेडी | परथिपदु एम०ओ०आर० | 31-1-78 (अपराह्न) |
| 6. | एस० एस० वी० प्रसादराव | कोथापेटा, एम०ओ०आर० सेवा निवृत्त होने से पहले मिलने वाली स्थुट्टी पर | 14-10-77 (अपराह्न) |
| 7. | के० ए० हमीद खान | कोथापेटा, पी० एन्ड आई० | 31-3-78 (अपराह्न) |
| 8. | के० अन्जनेश्वरु | मुख्य कार्यालय, गुन्दूर | 31-3-78 (अपराह्न) |
| 9. | बी० ओविनारायण रेडी | तन्तुरु, एम०ओ०आर० | 30-4-78 (अपराह्न) |
| 10. | भगत प्रकासाराव | एम०ओ०आर०-II एलुरु | 31-5-78 (अपराह्न) |
| 11. | पी० कमेश्वरा राव | कोथापेटा, एम०ओ०आर० | 31-5-78 (अपराह्न) |
| 12. | ए० अजीम बेग | नन्दीगामा, एम०ओ०आर० | 30-6-78 (अपराह्न) |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|-----|--------------------|---|----------------------|
| 13. | पी० ब्रह्मानन्दम | मुख्य कार्यालय, गुंटूर | 30-6-78 (अपराह्न) |
| 14. | पी० एस० आर्लेसू | एम० ओ० आर०-II, चीलाकालुरिपेट | 30-6-78 (अपराह्न) |
| 15. | बी० सम्बासदाशिवराव | टाढीकोडा, एम० ओ० आर० | 30-6-78 (अपराह्न) |
| 16. | शाली खान | आई०डी०ओ०-I, विशाखापट्टनम | 30-6-78 (अपराह्न) |
| 17. | के० नारायणमति | आर० बी० सी०, एम० ओ० आर०-III, विशाखापट्टनम | 30-6-78 (अपराह्न) |

सं० 4/78—मूल नियमावली 56-जे० के उपबन्धों के अन्तर्गत इन्कोल्प एम० ओ० आर० में तैनात श्री सैयद महबूब, स्थाई अधीक्षक, गृह ख, (राजपत्रित) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, को दिनांक 5-6-78 से सेवा से निवृत्त कर दिया गया।

सी० भुजंगस्वामी, समाहृता

केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला

नई दिल्ली-12, दिनांक 19 सितम्बर 1978

सं० 28/1978—स्थानान्तरित होने पर श्री बी० आर० वर्मा, सहायक रसायन परीक्षक, राजकीय अफीम वक्षाराम कारखाना, गाजीपुर ने दिनांक 19-8-1978 (पू०) से नवीन सीमाशुल्क गृह प्रयोगशाला बम्बई में उसी क्षमता से आगामी आदेशों के होने तक कार्यभार संभाल लिया है।

सं० 29/1978—स्थानान्तरित होने पर श्री ए० के० एक्ल, सहायक रसायन परीक्षक, सीमाशुल्क गृह प्रयोगशाला कलकत्ता ने दिनांक 28-8-78 (पू०) से आगामी आदेशों के होने तक केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला नई दिल्ली में उसी क्षमता से कार्य भार संभाल लिया है।

दि० रा० गुप्ता, मुख्य रसायनश, केन्द्रीय राजस्व

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक सितम्बर 1978

सं० ए० 19012/729/78-प्रशा० पांच—ग्राम्य केन्द्रीय जल आयोग श्री अशोक अहलुवालिया अभिकल्प सहायक हो अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता के रूप में पूर्णतया तदर्थ आधार पर रु० 650-30-740-35-

810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 15-7-1978 (पू०) की पूर्वाह्न/अपराह्न से 6 महीने की अवधि के लिये अथवा जब तक यह पद नियमित आधार पर नहीं भरा जाता, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

2. श्री अशोक अहलुवालिया की नियुक्ति पूर्णतया तदर्थ एवं अस्थाई आधार पर है तथा इस प्रकार की गई सेवा के आधार पर वे पदोन्नति अथवा वरिष्ठता के दावेदार नहीं होंगे।

दिनांक 26 सितम्बर, 1978

सं० ए० 19012/740/78-प्रशा० पांच—ग्राम्य केन्द्रीय जल आयोग, श्री बी० के० साहा, अनुसंधान सहायक को पदोन्नति पर केन्द्रीय जल और विशुद्ध अनुसंधान शास्त्र पुणे में सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरिंग) की श्रेणी में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पूर्णतया अस्थाई एवं तदर्थ आधार पर 4 सितम्बर, 1978 की पूर्वाह्न से फरवरी, 1979 के अन्त तक अथवा पद नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 32012/2/70-प्रशा०, पांच—ग्राम्यसूचना सं० ए० 19012/731/78-प्रशा०, पांच, दिनांक 4 प्रगस्त, 1978 के अनुक्रम में ग्राम्य, केन्द्रीय जल आयोग श्री एन० ए० महाजन की केन्द्रीय जल और विशुद्ध अनुसंधान शास्त्र पुणे में सहायक अनुसंधान अधिकारी (भौतिकी) की श्रेणी में तदर्थ नियुक्ति की रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पूर्णतया अस्थाई आधार पर 1-10-1978 से 31-12-1978 की अवधि तक अथवा श्रेणी में नियमित अधिकारी उपलब्ध होने तक, जो भी पहले हो, बढ़ाते हैं।

सं० ए० 32012/2/70—प्रश्ना० पांच—अधिसूचना सं०
ए० 19012/732/78—प्रश्ना० पांच, दिनांक 4 अगस्त,
1978 के ग्रन्तक्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री एम०
डी० काम्बले की केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला,
पुणे में सहायक अनुसंधान अधिकारी (भौतिकी) की श्रेणी
में सदर्थ नियुक्ति को रु० 650-30-740-35-810-द०
रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान
में पूर्णतया अस्थाई आधार पर 1-10-1978 से 31-
12-1978 की अगली अवधि तक अथवा श्रेणी में
नियमित अधिकारी उपलब्ध होने तक, जो की पहले हो,
बढ़ाते हैं।

सं० ए० 32012/2/70—प्रश्ना० पांच—अधिसूचना सं०
ए० 19012/736/78—प्रश्ना० पांच, दिनांक 14 सितम्बर,
1978 के ग्रन्तक्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री
एच० एस० एन० स्वामी की केन्द्रीय जल और विद्युत
अनुसंधान शाला, पुणे में सहायक अनुसंधान अधिकारी
(भौतिकी) की श्रेणी में तदर्थ नियुक्ति को रु०
650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-
1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पूर्णतया अस्थाई
आधार पर 1-10-1978 से 31-12-1978 की अगली
अवधि तक अथवा श्रेणी में नियमित अधिकारी उपलब्ध
होने तक, जो भी पहले हो, बढ़ाते हैं।

दिनांक 27 सितम्बर 1978

सं० ए० 19012/743/78 प्रश्ना० पांच—अध्यक्ष,
केन्द्रीय जल आयोग, श्री एम० आर० मालवीया पर्यावरणक
को अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता के रूप में
पूर्णतया तदर्थ आधार पर रु० 650-30-740-35-
810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200
के वेतनमान में 9-6-78 (पू०) की पूर्वाह्न/अपराह्न से 6
महीने की अवधि लिये अथवा जब तक वह पद नियमित¹
आधार पर नहीं भरा जाता जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

2. श्री एम० आर० मालवीया की नियुक्ति पूर्णतया
तदर्थ एवं अस्थाई आधार पर है तथा इस प्रकार की गई²
सेवा के आधार पर वे पदोन्नति अथवा वरिष्ठता के दावेदार
नहीं होंगे।

दिनांक 28 सितम्बर 1978

सं० ए० 19012/733/78—प्रश्ना० पांच—अध्यक्ष,
केन्द्रीय जल आयोग, श्री बी० पी० एस० तोमर अभियंता
सहायक को अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता
के रूप में पूर्णतया तदर्थ आधार पर रु० 650-30-740-
35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-
1200 के वेतनमान में 17-7-78 (पू०) की पूर्वाह्न/अपराह्न
से 6 महीने की अवधि के लिये अथवा जब तक वह पद नियमित¹
आधार पर नहीं भरा जाता, जो भी पहले हो, नियुक्त करते
हैं।

2. श्री बी० पी० एस० तोमर की नियुक्ति पूर्णतया तदर्थ एवं
अस्थाई आधार पर है तथा इस प्रकार की गई सेवा के आधार
पर वे पदोन्नति अथवा वरिष्ठता के दावेदार नहीं होंगे।

जे० के० साहा, अवर सचिव

केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनांक 26 सितम्बर 1978

सं० 3-309/73 ई० (ई०)—श्री पी० आर० सिंहा,
भंडार अधिकारी को दिनांक 16-9-78 (अपराह्न) से
पदोन्नति देकर अगले आदेश तक केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड
में सहायक अभियंता के पद पर जी० सी० एस० श्रेणी
'बी०' (राजपत्रित) वेतनमान रु० 650-30-740-35-
810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-
1200 में अस्थाई तौर पर नियुक्त किया जाता है। उनका
मुख्यालय केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड, फरीदाबाद में होगा।

दिनांक, 29 सितम्बर 1978

सं० 3-552/78-ई० (ई०) श्री बी० आर० सचिव कनिष्ठ अभि-
यन्ता को दिनांक 19-9-78 (पू०) से पदोन्नति देकर अगले आदेश
तक केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड, फरीदाबाद में भंडार अधिकारी के पद
पर जी० सी० एस० श्रेणी 'बी०' (राजपत्रित) वेतनमान रु० 650-
30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-
1200 में अस्थाई तौर पर नियुक्त किया जाता है।

अर्जीत सिंह,
मुख्य अभियंता

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक सितम्बर 1978

सं० 23/2/77-ई०सी०-2—केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के निम्नलिखित अधिकारी, प्रत्येक के आगे लिखी तारीखों से वार्धक्य
की आयु प्राप्त कर/स्वेच्छा से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

| नाम | सेवा निवृत्ति की तारीख | वर्तमान पदनाम |
|---------------------------|---|--|
| 1. श्री आर० एल० हिंगोरानी | 31-8-78 (दोपहर के बाद) (वार्धक्य पर) | कार्यपालक इंजीनियर (मूल्ययन) मूल्ययन एक अंक सं० 6 आयकर विभाग, बम्बई। |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|-------------------------|---|--|---|
| 2. श्री ई० जे० राबर्ट्स | . | 31-8-78 (दोपहर के बाद) (वार्षिक्य पर) | अधीक्षक इंजीनियर (वि०) कलकत्ता केन्द्रीय विद्युत परिमण्डल सं० 1, के० लो० नि० वि०, कलकत्ता। |
| 3. श्री एम० धी० शर्मा | . | 31-8-78 (दोपहर बाद) (वार्षिक्य पर) | कार्यपालक इंजीनियर (वि०), केन्द्रीय विद्युत मण्डल, के० लो० नि० वि० हैवराबाद। |
| 4. श्री धी० धी० गोयल | . | 17-8-78 (दोपहर के बाद) (स्वेच्छा से सेवा नियुक्ति) | निर्माण सर्वेक्षक, अधीक्षक, निर्माण सर्वेक्षक (उत्तरी अंचल), कार्यालय, के० लो० नि० वि० नई दिल्ली। |

सू० सू० प्रकाश राय,
प्रशासन उपनिदेशक,
हृते निर्माण महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 26 सितम्बर 1978

सं० 33/12/ई० सी०-९(भाग-६)—राष्ट्रपति, संघ
लोक सेवा आयोग द्वारा नामित श्री रमन मानिक पठोरे
की केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में 1100-50-1600
रुपये के वेतनमान में 1350/- रु० प्रतिमास पर सामान्य
शर्तों पर 1-9-78 (पूर्वाह्न) से वास्तुक के ग्रस्थाई पद पर
(सामान्य केन्द्रीय सेवा, समूह-ए) नियुक्त करते हैं।

2. श्री पठोरे 1-9-78 पूर्वाह्न से दो वर्ष की अवधि
के लिये परिवीक्षा पर रखे जाते हैं।

सं० 12/2/76-ई० सी०-९—राष्ट्रपति श्री एम० धी०
मेराराम जो संघ लोक सेवा आयोग द्वारा केन्द्रीय लोक निर्माण
विभाग में सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह-ए में उप-वस्तुक नियुक्त
हुए थे, 1-4-76 से उप-वस्तुक के ग्रेड में स्थाई घोषित
करते हैं।

सं० 33/1/78-ई० सी०-९—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा
आयोग द्वारा नामित निम्नलिखित उम्मीदवारों को केन्द्रीय
लोक निर्माण विभाग में 700-40-900-द० रो०-40-
1000-50-1300 रुपये (था सामान्य भत्ते) के वेतन-
मान में 700/- रु० प्रतिमास वेतन पर, श्री आई० के०
पोपली के अतिरिक्त जिनका वेतन 810 रुपये प्रतिमास
नियुक्त हुआ है, सामान्य शर्तों पर उनके नाम के आगे दी गई
तिथि से उप-वास्तुक के ग्रस्थाई पद पर नियुक्त करते हैं:—

| नाम तथा पदनाम | नियुक्ति की तिथि |
|--------------------------------------|------------------|
| सर्वेक्षी | |
| 1. एन० के० एम० चिपलकट्टी, उप-वास्तुक | 1-9-78 (पू०) |
| 2. एम० एन० खांट, उप-वास्तुक | 1-9-78 (प्रप०) |
| 3. आई० के० पोपली, उप-वास्तुक | 2-9-78 (पू०) |
| 4. डी० के० काम्बले, उप-वास्तुक | 13-9-78 (पू०) |

ऊपर लिखे उप-वास्तुक, उनके नामों के आगे दी गई
तिथि से 2 वर्ष की अवधि के लिये परिवीक्षा पर रखे
जाते हैं।

कृष्ण कांत, प्र० उप० निदेशक-2

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

भारतीय कम्पनी अधिनियम 1913 और मेसर्स ऐरो
पब्लिसिटी लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 26 सितम्बर 1978

सं० 1015/ सीक्वीडेशन—भारतीय कम्पनी
अधिनियम 1913 की धारा 247 के उप-धारा (5) के
अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स ऐरो
पब्लिसिटी लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया
गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गयी है।

जे० गो० गाथा, प्रमंडल पंजीयक

मैसर्स आईटी स्टीयरिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के
विषय में, कम्पनी अधिनियम, 1936 की धारा 445
(2) के अन्तर्गत नोटिस।

तई दिल्ली-110001, दिनांक 25 सितम्बर 1978

सं० लिक्विड०/3934/17225—माननीय उच्च न्यायालय विल्ली के दिनांक 26-5-1976 के प्राइवेट से मैसर्स ऑटो स्टीयरिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का परिसमाप्त होना, प्रावेशित हुआ है।

पी० एस० माधुर,
सहा० कम्पनी रजि०
दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियम 1956 और जालंधर ऑटो स्पेयर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

जालंधर, दिनांक 27 सितम्बर 1978

सं० जी०/स्टेट/560/2642—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर जालंधर ऑटो स्पेयर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण न दर्शित किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

सत्य प्रकाश तायस,
कम्पनी रजिस्ट्रार
पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़

कम्पनी अधिनियम 1956 और पारलोनेल एडमिनिस्ट्रेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

फलकता, दिनांक 3 अक्टूबर 1978

सं० 215/8/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956, की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा

सूचना दी जाती है कि पारलोनेल एडमिनिस्ट्रेशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एस० सी० नाथ, कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम 1956 और एस० के० ईनवेस्टर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

फलकता, दिनांक 3 अक्टूबर 1978

सं० 29606/560/(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि एस० के० ईनवेस्टर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एस० सी० नाथ, कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार पश्चिमी बंगाल

कम्पनी अधिनियम 1956 और के० कोटपाड प्रगना ट्रेडिंग को प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 27 सितम्बर 1978

सं० एम० ओ० 189/2426(2)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कोटपाड प्रगना ट्रेडिंग को प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसकी प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया सो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

दि० के० पाल, कम्पनियों का रजिस्ट्रार, उड़ीसा

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 अगस्त, 1978

निदेण सं० 13/जनवरी/78—यतः मुझे, श्रो० आत्मदराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन संकाय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० 15 है, जो कन्दप्पन स्ट्रीट, जीयाराज टनुन, मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपावड़ में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० श्रो० मद्रास भारत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 16) के प्रधीन दिनांक जनवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत, से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3—296GI/78

1. श्री पक्कड़ीन कम्हड़ीन बारमल (अन्तरक)

2. श्री जगदीश और उपदी (अन्तरिती)

3. (1) श्री वीष्वरीगल, के श्रीराम (2) श्री बीस्वनादन और (3) श्रीम प्रकाश गोवर्डनदाम (वह व्यक्ति जिस के अधिभोग में सम्भाला गया है)।

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

. अनुसूची

मद्रास-1, जीयाराज टनुन, 15, कन्दप्प चेटि स्ट्रीट चुमि और विल्डिंग्स।

श्रो० अनान्दवाराम,
संकाय प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 7 अगस्त 1978

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस० —————
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-II मद्रास
 मद्रास, दिनांक 19 सितम्बर, 1978

निदेश सं० 4590—यतः मुझे, के० पोन्नन,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपए से अधिक है
 और जिसकी सं० 32/2 है, जो राजपूरम, राजम्माल ले औट
 कोयम्बटूर में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप
 से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर
 डाक्यूमेन्ट्स सं० 124/78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
 भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
 अधीन दिनांक 24 जनवरी, 1978
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती आई० तायम्माल (अन्तरक)

2. श्री जी० क्रस्नमुरती (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण:—इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

प्रनुसूची

भूमि और मकान सं० 32/2, राजपुरम, राजम्माल ले औट
 कोयम्बटूर (नीयू टी० एस० सं० 7/116/1ए) डाक्यूमेन्ट सं०
 124/78

के० पोन्नन,
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख : 19-9-78

मोहर :

प्रख्यात आई० टी० एन० एस०

ग्रामकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II मद्रास

निवेश सं० 8099—प्रतः मुझे के० पोशन सह

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० 922/3ए (नीयु) है, जब पुदूपट्टी में स्थित है (और उससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तन्जापुर डाक्युमेन्ट सं० 16/78 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 जनवरी, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रस्तुरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तुरण से हुई किसी घाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तुरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमाध्य प्रस्तुरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री ए० एम० ए० एमआरएसपी मलयान्डी चेट्टीयार और तीन (अन्तरक)

2. श्री रेव० फादर आर सवाईमुलू (अन्तरिती)

2. श्री प्रेम सिंह, सुपुत्र श्री फूल सिंह, निवासी घूना भट्टी, जवाला हेरी, परिषमपुरी, नई विली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रांन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रांन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित म किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि, मेरारीन्ज 22,000 एसएफ, टी० एस० सं० 922/31 ओलड) और नीयु टी० एस० सं० 922/3ए, वरदराज पेरुमाल कोवील स्ट्रीट, पुदूपट्टीनम। डाक्युमेन्ट सं० 16/78।

के० पोशन,
सकाम अधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II मद्रास

प्रतः ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों अर्पत् :—

तारीख : 19-9-78
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एम० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 सितम्बर, 1978

निवेश सं० 8098—यतः मुझे के० पोन्नन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 16, है, जो सेयीन्ट तेरम स्ट्रीट, पांडीचेरी में स्थित
है (और उससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० पांडीचेरी
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16
के अधीन तारीख 5-1-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रतिरक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या जिसी बन या अन्य भास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) के उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती मेरी फील मेना रोज तेरस और धारा (अन्तरक)

2. श्री डेसेन्टम आलबेर एम्मानुयिल ऐक्स।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रपुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय
में विद्या गया है।

अनुसूची

भूमि और बीलडीन्जस, 16, सेयीन्ट तेरसस्ट्रीट, पांडीचेरी,
एक्स्टन्ट 3537 स्केयर फुट। डाक्युमेन्ट सं० 15/78, तारीख
5-1-78।

के० पन्न
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख : 19-9-78

मोहर :

प्रखण्ड आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का

धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 सितम्बर 1978

निदेश सं० 8102—यतः मुझे के पोत्रन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सुक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।

और जिसकी सं० 650 है, जो करीकलम्बाकम रेवीन्यु गांव
नेट्रोपाकम कक्ष्युण पन्चायट, पाण्डी में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०, पाण्डीबारी में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन जनवरी, 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनयर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना
आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :

यतः प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अथवा:—

1. श्री रौ मदुसुवन राव और दोनों

(अन्तरक)

2. श्री देव वीरपने और अनन्दर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करला हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संषोधन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आगरीकलम्बरल भूमि, 65, करीकलम्बाकम रेवीन्यु, गांव,
नेट्रोपाकम कम्यून पन्चायट, पाण्डीचेरीस्टेट । डाक्युमेन्ट सं०
91/78 ।

के० पोत्रन,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख : 19 सितम्बर, 1978
मोहर :

प्ररूप ग्राही दी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 सितम्बर, 1978

निदेश सं० 4515/जनवरी/78—यतः मुझे के० पोशन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 11/134-8, पोनै गोन्ड रस्ट्रीट, कोयम्बटूर है, जोमें स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाक्युमेण्ट 173) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-1-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय पा किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्रीमती सुन्दरि सुरम नियम (अन्तरक)

2. श्री बाला सुब्रमनिय अम्मर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोत्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बटूर, कास कट रोड, पोनै गोम्डर स्ट्रीट, II/134-81

के० पोशन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 19 सितम्बर, 1978

मोहर :

प्रृष्ठ प्राई० टी० एन० एस० -----

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास दिनांक 19 सितम्बर 1978

निदेश सं० 6023/जनवरी/78 पतः मुझे के० पोन्नन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सभीम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 4, जंज जम्बुलिगम मुदलि स्ट्रीट, मद्रास-4 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैलापूर (डाकुमेण्ट 108/78) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख 28-1-78

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरङ्गी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्व लिखित की प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धम या धम्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय म्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्रीमती बी० एस० पार्वती

(अन्तरक)

(2) श्री पी० ए० जयबाल सिंह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाल लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, गंज-जम्बुलिगम मुदलि स्ट्रीट, डोर सं०-4 में भूमि और मकान।

के० पोन्नन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 19-9-1978

मोहर:

प्रस्तुत भाई० टी० एन० एस०—

आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 सितम्बर 1978

निवेश सं० 8094/जनवरी/78—यतः मुझे के० पोषन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० है, जो कडलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, कडलूर 'डाक्युमेण्ट 7/78 (में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन जनवरी 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षता) और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितयों) के बीच ऐसे प्रत्यक्ष के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्ष लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यक्ष से ही किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या भन्न-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा के अनुवरण में, वे, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा की उपावद्ध (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवैद—

1. श्री पी० वी० डेनियल
2. श्री एम० आर० पलनिसामि

(अन्तर्क) (अन्तरिती)

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

कडलूर में भूमि और मकान (डाक्युमेण्ट 7/78)

के० पोषन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन II मद्रास

तारीख : 19-9-78
मोहर :

प्रस्तुत बाई० टी० एस० एस० —————
 प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-व (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास, विनाक 19 सितम्बर, 1978

निदेश सं० 4592, यतः मंझे के० पोन्नन

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 7/112, 116, है, जो पोन्नन्या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

राजपुरम, कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर डाक्यूमेन्ट सं० 174/78 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्थ अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वत । ग्रन्थ, उक्त अधिनियम को धारा 269-व में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अपर्यंत् ।—

4-296 GI/78

1. श्रीमती आर० सकुलता देवी और एक (अन्तरक)
 2. श्री ए० सेलवराज (अन्तरिती)
 को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सह किसी अन्य अवित्य द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के मध्याम 20क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा जो उस मध्याम में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान, पोन्नन्या राजपुरम, कोयम्बटूर टी० एस० सं० 7/112, 116 (डाक्यूमेन्ट सं० 174/78)

के० पोन्नन,
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज II मद्रास

तारीख: 19-9-78

मोहर :

प्र० प्र० आई० टी० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 सितम्बर, 1978

निदेश सं० 4592, दिनांक जनवरी/78—यतः मुझे के० पोशन प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कोयम्बतूर पोशना रानापुरम टी० एस० सं० 7/112/1, 118 और 119 है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर डाक्युमेंट 107 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16 के अधीन दिनांक 21-1-78

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का वच्छ प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यरग में दुई किसी प्राय की बाबा, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या जिसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रत्येक नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) निम्नलिखित व्यक्तियों के अधीन अर्थात् :—

1. (1) श्री आर० सकुन्तला देवी (2) वि० आर० पालकी-सनन (अन्तरक)
2. श्री ए० सनमुगम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर मूल्यना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूल्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अषोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हाईकोर्ट:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, पोशनाराजपुरम, नया टी० एस० सं० 7/112/1, 118, 119।

के० पोशन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II मद्रास

तारीख: 19-9-78

तारीख:

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०—

1. श्री के० आर० रामसामि और आर० वासुदेवन (मैनर)
(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

2. श्री (1) जोहरा और (2) रणीदा बानु (ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 सितम्बर 1978

निदेश सं० 4581/जनवरी/78—यतः मुझे के० पोषन प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके परंतु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन संभव प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० कोयम्बतूर, ओप्पनकारा स्ट्रीट, डोर सं० 17/27 भाग है, जोमें स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर डाकुमेण्ट 16/78 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-1-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कायित नहीं किया गया है :—

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्तः यब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रन्ततः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्त के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्त के संबंध में नोट भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

कोयम्बतूर, ओप्पनकारा स्ट्रीट, डोर सं० 17/270।

के० पोषन

संभव प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, II मद्रास

तारीख : 19-9-78

मोहर :

प्राप्ति प्राई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 सितम्बर 1978

निदेश सं० 4594/जनवरी/78—यतः मुझे के० पोषन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-ए० से अधिक है,

और जिसकी सं० कोयम्बटूर, आर० एस० पुरम, वेक्टसामी रोड़, है, जो डोर सं० 65 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर 'डाकुमेण्ट' 142) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 25-1-78

को दूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी माय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

इतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारों प्रधाति :—

1. श्री सी० नटराजन, श्रीमती एस० लिंगराजन, (1)
श्री एन० तिवारी ग्राही श्रीमती एन० जयलक्ष्मि
(अन्तरक)
2. श्री वि० पि० वीरसीना और दो।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरंगदर्थी अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारों में से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में निर्दिष्ट बदल किसी अन्य अधिकता द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रदृश्य गण्डों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिवर्तित हैं, वक्ती अर्थ होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान, डोर सं० 66, वेक्टसामी रोड़, आर० एस० पुरम, कोयम्बटूर, डाक्युमेण्ट सं० 142।

के० पोषन,

सक्षम प्राधिकारी

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, II मद्रास

तारीख: 19-9-78

मोहर :

प्रश्न आई० टी० एन० एस० —————
ग्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 सितम्बर 1978

निवेश सं० 6025/जनवरी/78—यतः मुझे के० पोन्न
ग्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब्र
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 62/2 मोक्ष रोड, आलवामेंट, मद्रास है,
जो में स्थित है (और उपावड़ इससे में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर
'डाकुमेण्ट 112/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 30-1-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उक्ते दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा नाया गया प्रतिक्रिया विनियोगित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब्र की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्चातः:—

1. श्री ओ० एन० वेंकटसामि (अन्तरक)
2. श्री एस० मोहम्मद इस्मायिल और चार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

संशोधन:—दूसरे प्रपुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में पथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मद्रास 18, आलवामेंट, मौब्रस रोड, नया डोर सं० 120
डाकुमेण्ट सं० 112/78

के० पोन्न,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेज II, मद्रास

तारीख: 19-9-78

मोहर :

प्रस्तुप शाई• डी० एन० एस०—

1. श्रीमती देयवनैश्वरम्माल

(अन्तरक)

2. श्री एस० के० पलनीसामी चेट्टीयार

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 सितम्बर 1978

निदेश सं० 4589—यतः मुझे, के० पोष्टन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० डी० 28/30 है, जो वेस्ट पेरीयस्वामी रोड़, आर० एस० पुरम व कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-1 कोयम्बटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-1-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिये;

यतः यद्यपि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्जातः—

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अधिक द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्कृती

भूमि और बीलडीनास, छोर सं० 28/30, वेस्ट पेरीयस्वामी रोड़, आर० एस० पुरम, कोयम्बटूर (डाक्यूमेंट सं० 117/78)

के० पोष्टन
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 19-9-78
तारीख :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 सितम्बर 1978

निदेश सं० 8096/जनवरी/78—यतः मुझे के० पोषन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके विवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन संभव प्राविहारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्वावर नमति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 131, तिरुतुरं पूनिं रोड़, तिरुवारूर है, जो तिरुवारूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुवारूर ('डाक्युमेंट 14/78') में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1978

पूर्वकृत समति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वकृत समति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रतिशत है और अन्तरक (अन्तरकों) और अनुरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अनुरितण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुरितण लिखित में वास्तविक रूप से ऊर्ध्वांश नहीं किया गया है :—

(क) अनुरितण से हुई किसी आय की वाचत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अनुरक्त के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अनुसरणों अर्थात् :—

1. श्री आर० तिरुकानसम्बन्धम

(अन्तरक)

1. (1) ए० गोतिन्दराजू (2) ए० जयबानल (3) ए० जयरामन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्म्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही प्रयोग होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुस्त्री

तिरुवारूर, तिरुतुरंपूनिं रोड़, 131 में भूमि और मकान।
(डाक्युमेंट 14/78)

के० पोषन
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 19-9-78
मोहर :

प्रलेप प्राई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 3 अगस्त, 1978

निर्देश सं० 812/एकुरे II/78-79/कल—यतः मुझे
किशोर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इष्टमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है।

और जिसकी सं० फल्ट 'बी', 6 तल्ला पर है तथा जो 2 मन्डेमिला गार्डनस, कलकत्ता में स्थित है (और इसके अतिरिक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से निणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-1-1978

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 ष की उपबारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्जात् :—

1. मै० सेलोनी श्रोनरशिप फ्लट्स स्कीम प्रा० लिमि० एफिस 6, हैरिटन, स्ट्रीट कलकत्ता-16। (अन्तरक)
2. मै० डालिया इनमेस्टमेन्ट प्रा० लिमिटेड 73/38 गलफ क्लब रोड, कलकत्ता-33। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहक :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावजूद समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अधिकता द्वारा अधिकृताक्षरी के पास लिखित में किए जा भक्तगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समुच्चा फ्लट 'बी' 6 तल्ला पर साथ गांडी रखने का स्थान जो 2, मन्डेमिला गार्डनस, कलकत्ता पर अवस्थित जयजयन्ती" नामका मकान में स्थित है।

किशोर सेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख: 3-8-1978

मोहर :

वहाँ प्राई० टी० एन० ए४०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अगस्त 1978

निवेश सं० एसएल० 456/टी आर-249/सी-234/कल०-1/
77-78—अतः मुझे, प्राई० भि० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 8 है तथा जो मट लेन, कलकत्ता में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5 गवर्नरमेंट प्रैस कलकत्ता
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 25/1/78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती नरमदि 3/बी, रफि प्रहमद किद्दार्ह रोड
कलकत्ता-13।
(अन्तरक)

2. मैंसर्स कीम स्टील इंडस्ट्रीज 3 बी, रफि प्रहमद
किद्दार्ह रोड कलकत्ता-13.

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संपर्क:—इसमें प्रमुक शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

8 मर्दचेन कलकत्ता में स्थित, 1 कक्ष 14 छठांक 8 वर्ग-
फिट जमीन पर स्ट्रक्चर जो 1978 साल का I-367 रोड अनुसार
रजिस्ट्रार आफ एश्यूरेन्स में रजिस्ट्री हुआ।

प्राई० भि० एस० जुनेजा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, कलकत्ता

मोहर: 9-8-78
मोहर।

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 सितम्बर 1978

निर्देश सं० 413/एकुरे III/78-79/कल—अतः मुझे, आर० भि० लालमोह्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लट ए, 6 तल्ला पर है तथा जो 2 मन्डेमिला गार्डेन्स, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-1-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा:—

1. मै० सेलोनी ओनारशिप फ्लट्स स्कीम (प्रा॑)
लिमि॒: 6 हेरिटेज स्ट्रीट, कलकत्ता-16 (अन्तरक)

2. मै॒ डालिया इनमेस्टमेन्ट (प्रा॑) लिमि॒: 76/68 गलफ
क्लब रोड॒ कलकत्ता-33 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीष्टसाधरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समुच्चा फ्लट 'ए' 6 तल्ला पर, जो 2, मन्डेमिला गार्डेन्स कलकत्ता में अवस्थित "जय जयन्ति" नाम का मकान पर स्थित साथ नीचतल्ला पर गेराज।

आर० भि० लालमोह्या,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख: 8-9-1978

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

द्वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, प्रधानमंत्री द्वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 सितम्बर, 1978

निर्देश सं० एसि-29/अर्जन रेज- /कल०क्ष८-७९—अतः
मुझे एस० के० दास गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दाग 2946 है तथा जो थाना तथा मौजा सिलिगुड़ि
में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 4-2-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से
याधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तप पाया गया प्रतिफल, भिन्नलिखित
उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धार्य की वापत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो हिसो धार्य या हिसो या अन्य आस्तियों
की जिन्हें भारतीय धार्य-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी घर्थात् :—

1. (जगदीश प्रसाद अग्रवाल मालिक मैसर्स मामचंद
शोक नाथ
(अन्तरक)

2. ओम प्रकाश कानदोई
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंजन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षयों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षयों में से किसी अविक्षय द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्षय द्वारा, अधीक्षिताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदृश्य शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के ग्रन्थाय 20-क में परिभासित है
वही अर्थ होगा जो उस ग्रन्थाय में दिया गया है।

प्रत्यक्षी

दाग सं० 2646 खतियान सं० 1427/1, परगणा बैंकनुपुर
मौजा तथा थाना—सिलिगुड़ि, जिला दारजिलि 15 कट्टा 11 छटांक
जमीन के सबकुछ जैसे के दलिल सं० 563 दिनांक 4-2-1978
में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दासगुप्ता
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कलकत्ता

तारीख: 11-9-78

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 जून, 1978

निर्देश सं० ए० सी०-13/अर०-2/कल०-78-79—प्रतः

मुझे, आई० भी० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है और जिसकी सं० 6 है तथा जो हेस्टिस पार्क रोड, कलकत्ता स्थित (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ एनुरिनसेस, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 2-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बावजूद उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या प्रगत प्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या पाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. अशोका मार्केटिंग लि० (अन्तरक)
2. मैसर्स सीता बयारलल्ड, दामोला (इंडिया) लि० (अन्तरिती)
3. अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
4. अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिभाषित है वही प्रम्य होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

6 हेस्टिस पार्क रोड, कलकत्ता अवस्थित राजश्री मकान का सप्तम तला में 7 है (7ई) फ्लैट है, उसका साथ एक कार पार्किंग स्पेस है।

आई० भी० एस० जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

54, रफी अहमद किंदवई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख 12-6-78

मोहर :

प्रस्तुप आई० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 26 जून, 1978

निवेश सं० ढी० बी० एन०/20/78-79—यतः मुझे एच०
एस० धुरिया, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि, मकान एवं बगीचा ग्राम चंदू नगल है तथा
जो डेरा बाबा नानक के पास स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, डेरा बाबा नानक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
दह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से ऐसे
दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्विदा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
मर्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में मुश्विदा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुभरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्जात् ।—

1. श्री रविन्द्र सिंह, पुत्र श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र श्री तेक
सिंह, कर्मचारी टी० बी० आर० सी० सेक्टर-30, चंडीगढ़
(अन्तरक)

2. श्रीमती उमिला रानी पत्नी श्री कमलजीत सिंह पुत्र श्री
तेक सिंह, श्रीमती मीना रानी, पत्नी श्री विमलजीत सिंह पुत्र श्री
तेक सिंह एवं श्रीमती परबीन रानी पत्नी श्री परदीपकुमार पुत्र
श्री तेक सिंह, निवासी 19, पटेल चौक, अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई
किरायेदार हो ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति को सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-
क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 994 जनवरी
1978 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, डेरा बाबा नानक में लिखा है ।

एच० एस० धुरिया, आई० आर० एस०
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर ।

तारीख : 26-6-78

मोहर :

प्रध्यप प्राईंट टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर
अमृतसर, दिनांक 20 जुलाई 1978

निदेश सं० जी० एस० पी०/78-79—यतः मुझे एस० के०
गोयत

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि, ग्राम गज्जू गाजी है तथा जो तहसील गुर-
दासपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुरदासपुर को
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जनवरी, 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) देखी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1920
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनान्वय
अन्तरिक्षी हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ।—

1. श्री चन्नन सिंह, पुत्र श्री जवन्द सिंह, ग्राम गज्जू गाजी,
तहसील एवं जिला गुरदासपुर (अन्तरक)
2. श्री सतनाम सिंह परवन सिंह, परगट सिंह एवं चरनजीत
सिंह पुत्र श्री दलीप सिंह, ग्राम गज्जू गाजी, तहसील एवं जिला
गुरदासपुर। (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई
किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्रवाहियाँ करता है।

उक्त समाप्ति के अर्जन के मध्यम में कोई भी आशेषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
नूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाद में प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित रूप से किए जा सकें।

स्पष्टीकरणः—इसमें संयुक्त शब्दों प्रदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही पर्याप्त होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि नाम 32 के० 11 एम० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख
संख्या 5766 जनवरी, 1978 म रजिस्ट्रीकृत अधिकारी गुरदासपुर
में लिखा है।

एस० के० गोयल
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख : 20-7-78

मोहरः

प्रस्तुप भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत बरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 जुलाई, 1978

निर्देश सं० जी० एम० पी०/२८/७८-७९—यतः मुद्रे एस०
के० गोयल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन संक्षम प्रधिकारी को यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से प्रधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम मन्धर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 गा 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1978
को पूर्ण रूप सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्खित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रत्यर्थों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पात्र गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद 'उक्त
प्रधिनियम' के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
मुश्किल के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य आस्तियों
को जिन्हें मालीव आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम,
या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की
निम्नलिखित उपचारा (1) के अधीन व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. श्रीमती जगवीरी पुरी बल मिह निवासी ग्राम मन्धर
तहसील एवं जिला गुरदासपुर। (अन्तरक)
2. सर्वेशी कुलवन्त मिह, जमवन्त मिह, सुखदेव मिह एवं
रघवीर मिह, पुत्रगण श्री बूटा मिह, निवासी ग्राम भीखो बाली।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई
किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हृचि रखता हो। (वह
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारा करके दूर्वासा सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
को तारीख से 30 दिन की मख्दिधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

प्रष्टीक्षण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रोर पदों का, जो 'उक्त
प्रधिनियम' के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि नाम 22 के०-१७ एम० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख
संख्या 5955 जनवरी 1978 में रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी गुरदास-
पुर में लिखा है।

ग्रंथ ० के० गोयल
मक्षम प्रधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 20-7-1978

मोहर :

प्राप्ति ग्राही ० टी० १०० एम० ८५०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महाप्रक्र माध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 जुलाई, 1978

निर्देश सं० जी० एस० पी०/२९/७८-७९—यतः मुझे एम० के० गोयल

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने वा कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम मन्दर में स्थित है (और इससे उपाबृ० अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुरदासपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1978 को पूर्वोक्त संगति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि व्यापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्का ही प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृष्टि किसी आय की बाबत अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्षक के शायित्व में व मीरी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुग्रहण में, ये, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती नसवीरो पुत्री श्री बल सिंह, निवासी ग्राम मन्दर, तहसील एवं जिला गुरदासपुर

(अन्तरक)

2. सर्वश्री बाबा सिंह जरनेल सिंह एवं तरलोक सिंह निवासी ग्राम भीखो बाली (अन्तरिक्ती)

3. जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबूद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मंत्रि के पर्जन के निपातार्थाहियों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख गे 30 दिन की अवधि, जो भी अन्तर्वाद में ममाप्त होती हो; के द्वितीय पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबूद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रब्लेम :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और एदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्यंत होगा, जो उक्त प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि, नाम 24 के० 9 एम० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 5925 जनवरी, 1978 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुरदासपुर में लिखा है।

एस० के० गोयल
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख : 20-7-78

मोहर :

प्रह्लं पाई० टी० एन० एस०-----
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजेन रेंज, अमृतसर कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 27 जुलाई, 1978

निर्देश सं० पट्टी/31/78-79—यतः मुझे एस० के० गोयल,
आई० आर० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो पट्टी में स्थित है (और इससे
उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, पट्टी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः यद्युक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की
उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त:—
6—296 GI/78

1. श्री जोगिन्दर सिंह पुढ़ श्री सोहन सिंह निवासी वार्ड
न० 9, पट्टी जिला अमृतसर (अन्तरिती)
2. श्री दलीप सिंह पुढ़ श्री किशन सिंह निवासी वार्ड न०
10, पट्टी जिला अमृतसर (अन्तरक)
3. श्री/श्रीमती/कमारी जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है
और यदि कोई किराएदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. श्री/श्रीमती/कमारी जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अप्रोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद है)

को वह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रवेश के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रवेश के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वारा
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी के पाव
स्थिति में किये जा सकेंगे।

इप्पोंकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाय 20-क में
परिचायित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय
में विया गया है।

अनुसूची

भूमिनाम 21 के० 11 एम जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख
संख्या 833/2643 जनवरी 1978 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,
पट्टी जिला अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल
सक्षम अधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
प्रजेन रेंज, अमृतसर

तारीख : 27-7-1978

मोहर

प्रष्ठप प्राई० टी० एन० एस०——

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

असूतसर, दिनांक 27 जुलाई, 1978

निर्देश सं० के० के० एन०/३२/७८-७९—यतः मुझे एस०
के० गोयल, प्राई० आर० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इयरे से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो खेमकरन में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खेम करन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घम या अन्य मासितियों, को जिन्हें पारसीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री सुबास चन्द दत्त कुल श्री गुरदास निवासी खेम करन, जिला अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री हंसराज कुल श्री निहाल चन्द, श्री सुरतपाल कुल श्री जगदीश पाल, श्रीमती प्रीतम कौर पत्नी श्री जंग सिंह, खेम करन (अन्तरिती)

3. जसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है ग्रीष्म यदि कोई किरायेवार हो। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टव्यक्तिगत:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-व में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

भूमि नाप 50 के० 3 एम० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 705 जनवरी, 1978 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खेम करन, जिला अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख : 27-7-1978

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज अमृतसर कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 2 सितम्बर, 1978

निर्वेश सं० अमृतसर-पठानकोट/78-79/50—यतः मुझे एन० पी० साहनी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के प्रधीन संक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है प्रब्रेत्र जिसकी सं० जमीन (कृषि) ग्राम मुरादपुर तहसील पठान कोट, जिला गुरदासपुर है तथा जो है में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख फरवरी, 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रष्ठिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के द्वितीय ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुर्ई किसी प्राय की भावत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्ता:—

1. श्री चुम्भीलाल पुत्र श्री नथू राम ग्राम मुरादपुर, तहसील पठानकोट, जिला गुरदासपुर। (अन्तरक)

2. श्रीमती सत्या देवी पत्नी राम सरन ग्राम० मुरादपुर तहसील पठान कोट, जिला गुरदासपुर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई मनुष्य जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को पह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आभेद:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रब्रधिया सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रब्रधिय, जो भी प्रब्रधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्यक्षित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संपत्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, और उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, जो कि ग्राम मुरादपुर में है, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5268 फरवरी, 1978 रजिस्ट्रीकृत अधिकारी पठानकोट में लिखा है।

एन० पी० साहनी,
संक्षम अधिकारी
सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 2-9-1978
मोहर :

प्रस्तुप प्राईंटी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269वाँ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 4 सितम्बर, 1978

निर्देश सं० असूतसर/78-79/51—यतः मुझे एन० पी० साहनी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वाँ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है और जिसकी सं० आधा हिस्सा कोठी नं० 7, कोट्टे रोड, अमृतसर है तथा जो कोट्टे रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्ट्यानन्द प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यानन्द प्रतिफल से, ऐसे दृष्ट्यानन्द प्रतिफल का प्रस्तुरित से अधिक है और प्रस्तुरक (प्रस्तुरकों) और प्रस्तुरिती (प्रस्तुरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तुरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल निम्नलिखित उल्लेख से उक्त प्रस्तुरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तुरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रधः प्रदः; उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन; विनियोगित अधिकारी अधिकारी ।—

1. कौप्टन सुरजीत सिंह पुत्र मेजर ठाकर सिंह, निवासी कोठी नं० 7, कोट्टे रोड, अमृतसर

(अन्तरक)

2. श्री कुलदीप कुमार, सुरेन्द्र कुमार, राकेश कुमार, अशोक कुमार पुत्र श्री पुष्प राम और पुष्प राम पुत्र वधावामल, कटरा वंगीया अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है और यदि कोई किरायेदार हो ? (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई मनुष्य जो सम्पत्ति में हव्वि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए कार्यालयां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लिखित:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचाहित है, वही प्रथ्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतसरी

आधा हिस्सा, कोठी नं० 7 कोट्टे रोड, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4542 मार्च, 1978 रजिस्ट्रीकृत अधिकारी अमृतसर शहर में लिखा है।

तारीख : 4-9-1978

मोहर :

एन० पी० साहनी,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

प्रलेप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 अगस्त, 1978

निदेश सं०आई० ए० सी० एक्सी/भोपाल/78-79/1097—
मत: मुझे दि० च० गोयल

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट
अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, 18-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
नया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

मकान नं० 44, धीमा नगर, ओल्ड पलासिया, इन्दौर।

दि० च० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेंज भोपाल

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः—

तारीख : 28-8-1978
मोहर :

प्रस्तुप प्राईंटी ० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा

269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जेन रेजेंट, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 अगस्त, 1978

निर्देश सं० ग्राईंटी ० सी० प्रकाशी/भोपाल/ 78-79/1098—
अत मुझे दि० च० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की शारा 269-ष के प्रधीन संशोधन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (ओप इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, 19-1-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृद्धमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे बृद्धमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; योर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम, की शारा 269-ग के अनुसरण में, वे, उक्त अधिनियम की शारा 269-ष की उपशारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

1. श्री सुजानमल पुत्र श्री सगरमल जी, निवासी 13/4,
राज मोहल्ला नार्थ, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री शान्ती लाल पुत्र श्री गेदालाल जी जैन, निवासी 1/19,
महेश नगर, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बदल किसी घन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1/19 का सामने का दक्षिणी भाग, महेश नगर,
इन्दौर।

दि० च० गोयल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
प्रजेन रेज, भोपाल।

तारीख : 28-8-1978

मोहर :

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्टी०/भोपाल/78-79/1099—

अतः प्रभ्रे वि० च० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो रत्नाम में स्थित है (और
इससे उपावद्ध ग्रन्तसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय, रत्नाम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 13-1-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पक्ष्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपबारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अपार्ट—।—

1. श्री मास्टर मुर्तजा अली उक्त चितलम द्वारा प्राकृतिक
अभिभावक पिता श्री ग्रेडल ट्रैसन व माता श्रीमती महफजा बाई
निवासी मानक चौक, रत्नाम (अन्तरक)

2. श्री नमुनीन तुल श्री बरकत अली अदनावर बाजे, निवासी
मकान नं० 24/92), लिंगोलिया गेट रोड, तथ्यबुरा, रत्नाम
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अवित्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा ;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी प्राय अवित्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रमाणीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
प्रयोग होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 24 (92) का भाग जो कि "वैकाक बाला" विलेल
से प्रसिद्ध स्थित लिंगोलिया गेट रोड, तथ्यबुरा, रत्नाम।

दि० च० गोयल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 28-8-1978

भोदर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 अगस्त, 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/78-79/1100—

अतः मत्रे दिं च० च० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी गं० मकान है, तथा जो रत्नाम में स्थित है (ग्रोर दससे उपावद अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, रत्नाम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, 13-1-1978 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चव्युत्ति अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित चर्चे से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिस्ते भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के प्रमुखरूप में, यै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मास्टर मुनेजा अली उर्फ चित्तम दारा प्रारूपिता अभिभावक श्री अब्दुल दुसेन व माता श्रीमती महफूजा बाई निवासी मानक चौक, रत्नाम (अन्तरक)

2. श्री अब्देअली बरकत अली बदनावर वाले, तम्बवुशा, रत्नाम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहृस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 24 (92) का भाग जो कि "बकाक वाला बिल्डिंग" से प्रसिद्ध स्थित त्रिपोलिया गेट रोड, तम्बवुशा, रत्नाम।

दि० च० गोयल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 28-8-1978
मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 अगस्त, 1978

निवेश सं० आई० ए० मी० एक्ची/भोपाल/78-79/1101—

अतः मुझे दि० च० गोपल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन उक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु
से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो रत्नाम में स्थित है (और
उससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, रत्नाम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 13-1-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परन्तर
प्रतिशत से अधिक है प्रौढ़ अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में
शास्त्रिय रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से नुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या

(ख) ऐसी किसी पार या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या प्रत्यक्ष अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

मकान नं० 24 (72) का भाग जो कि "बैंकाक याला
बिल्डिंग" से द्रवित स्थित निपोलिया गेट रड, तथ्यवपुरा, रत्नाम
दि० च० गोपल,
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज भोपाल

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भौत अधिनियम, की धारा 269-घ की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्राप्ति:—

7-296 GI/78

तारीख : 28-8-1978

मोहर :

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 अगस्त, 1978

नि० सं० प्राई० अए० सी० एक्वी०/भोपाल/78-79/1102
—अतः, मूल्य दि० च० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुप से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो रत्नाम में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ट अधिकारी के कार्यालय रत्नाम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 16 जनवरी, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
मिलित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थात् :—

1. श्री करतार सिंह अर्जन सिंह
निवासी मोहल्ला मित्र निवास रोड,
बीर सावरकर स्ट्रीट, स्टेशन रोड,
रत्नाम।
(अन्तरक)

2. श्री मन्सुर अली पुल श्री हार्गी कमरुद्दीन बोहरा
वासवाला निवासी मोहल्ला ताहिलपुरा,
चान्दनी चौक, रत्नाम।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

पट्टीकरण :—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान बिल्डिंग स्थित मोहल्ला मित्र निवास रोड, सावरकर
स्ट्रीट, स्टेशन रोड, रत्नाम।

दि० च० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 28-8-1978।

मोहर :

प्रस्तुत आई० ई० एम० एस०—
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन खेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 28 अगस्त, 1978

सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/78-79/1103—
अतः, मृश्व दिं० च० गोयल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे
उपाद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 1 फरवरी, 1978 का
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मूले वह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उभें
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रस्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाष या किसी छन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः प्रत, उक्त अधिनियम की घारा 269-व के अनुभरण में
में, उक्त अधिनियम की घारा 269 व की उपशाया (1) के
अधीन निम्नलिखित अधिकारी, प्रबातः :—

1. मै० शिव शक्ति गृह निर्माण सहकारी समिति लि०
75, खजूरी बाजार, इन्दौर। (अन्तरक)
2. श्रीमती कंचन कुमारी पत्नि श्री सम्पत्ति सिंह सचेती,
13, सीता बाग कालौनी, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्ति :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तसम्बन्धी अधिकारी पर सूचना
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताकारी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

दावोदारणः—इप्ये प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 25/2, यशवन्त निवास रोड, इन्दौर। (प्लाट)

दि० च० गोयल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 28-8-1978।
मोहर :

प्रस्तुप प्राई ० दी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 अगस्त, 1978

सं० प्राई ० ए० सी० एक्षी०/भोपाल/78-79/1104—
अतः, मुझे दि० चं० गोयल,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो गेहूँ गांव कुक्षी में स्थित
है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कुक्षी में, रजिस्ट्रीकरण प्रधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-1-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की आवत उक्त प्रधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, मग, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के अनु-
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपकारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती गुलाब बाई विधवा पनि श्री पूनम चन्द्र अहीर,
(2) श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री पूनम चन्द्र अहीर
(3) श्री परस राम पुत्र श्री पूनम चन्द्र अहीर
निवासी निखलदा, तह० कुक्षी। (अन्तरक)

3. श्री अम्बाराम पुत्र श्री रामा जी कुलमी,
निवासी पोस्ट सुसायटी तह० कुक्षी
जिला चारा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अक्षियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षियों में से
किसी अक्षियां द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अक्षियां द्वारा, अधोदृस्ताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

संधीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही
पर्याप्त होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम गेहूँगांव तह० कुक्षी खसरा नं० 79/1
क्षेत्रफल 5.932।

दि० चं० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 28-8-1978।

मोहर :

प्रस्तुप्राईटी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 अगस्त, 1978

निदेश सं० आई० ऐ० सी० एक्वी०/भोपाल/78-79/1105

—अतः, मुझे दिं० चं० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-अ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो जबलपुर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 17-2-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपाधा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रष्टात् :—

1. श्रीमती वेद कुमारी वेलि श्री राम लाल
निवासी रतन कालौनी, नर्बदा रोड,
जबलपुर । (अन्तरक)

2. श्रीमती सरोज देवी परिन श्री राजन
निवासी मोदी बाड़ा, कैन्ट
(बहीभान निवासी रतन कालौनी,
नर्बदा रोड, जबलपुर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त समानि के अर्जन के
लिए कार्यवादित्रा करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि दाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

संबोधीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मूलनियम भकान नं० 1098/10, आई० 109/19 नं०
वार्ड गोरखपुर, जबलपुर ।

दि० च० गोयल
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख : 28-8-1978 ।

मोहर :

प्रस्तुप प्राई ० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

भारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 अगस्त, 1978

सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/78-79/1106--
अतः, मुझे दि० च० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो सागर में स्थित है (और इसे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय सागर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 30 मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित न किया हो गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वस्तु या अन्य सास्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के
अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की भारा 269-व
की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों पर्याप्त :—

1. श्री श्रीधर प्रसाद पुत्र श्री भानु प्रताप तिवारी
निवासी रजा ओ तह० सागर (अन्तरक)
2. श्री वीरेन्द्र कुमार पुत्र श्री तारा चन्द जैन,
निवासी गांधी चौक, सागर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए
कार्यालयियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के पर्याप्त सम्बन्ध में कोई सीमांशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की मरम्भिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
पूचना की तारीख से 30 दिन की मरम्भिया, जो भी
प्रब्रह्म वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
की अन्य अवित्यों द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकते हैं।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

तीन मंजिला मकान, स्थित गांधी चौक वार्ड, सागर।

दि० च० गोयल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 28-8-78

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल,

भोपाल, दिनांक 28 अगस्त, 1978

सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/78-79/1107—
प्रतः, मुझे दि० चं० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो खण्डवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय खण्डवा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-1-1978

तो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के अन्द्र ह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

1. डा० एस० के० सेन गुप्ता पुत्र श्री सनद कुमार सेनगुप्ता।
निवासी बाम्बे बाजार, खण्डवा (अन्तरक)
2. श्रीमती सुगरा बाई पत्नि श्री अकबर अली दाओड़ी बोहरा रसीदी वाला 130, बाम्बे बाजार, खण्डवा। (अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नंजूल ल्लाक नं० 45, प्लाट नं० 77 मोहल्ला आत्मणपुरी, माली कुआं, रंजीत बाई, खण्डवा।

दि० चं० गोयल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269—ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269—घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

तारीख : 28-8-1978।
मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 अगस्त, 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एव्ही०/भोपाल/78-79/1108-

अतः, मुझे दि० च० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में स्थित रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रतिरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 299-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 299-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राम नारायण दुबे पुत्र श्री राधे लाल जी दुबे निवासी 1-ए०, प्रेम नगर कालौनी, इन्दौर। (अन्तरक)
2. कुमारी सुनीता पुत्री श्री रत्न लाल बलवानी निवासी 35 ए०, प्रेम नगर कालौनी, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान ब्लॉक नं० 4/बी०, प्रेम नगर कालौनी, पार्ट ए०, इन्दौर।

दि० च० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 28-8-1978
मोहर:

प्रह्लाद प्राई ० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 अगस्त, 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/78-79/1109
—अर्थात्, मुझे दि० चं० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे
उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 7-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी माय की वादत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8—296GI/78

1. श्री नौशाद श्रीली पुत्र श्री असगर श्रीली
निवासी 13, गफुर खां की बजारिया,
इन्दौर। (अन्तरक)

2. श्री गोविन्द राम पुत्र श्री हजारी लाल
निवासी 106, जयराम पुर कालौनी,
इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी भाष्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिमाणित
है, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुला प्लाट नं० 67, पालसी कर कालौनी, इन्दौर।

दि० अ० गोयल
सक्षम प्राप्तिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 28-8-1978

मोहर:

प्रमुख भाई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अगस्त, 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/78-79/1110

—अतः मुझे विंचं चं गोयल,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थानीर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट है, में जो इन्दौर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 27-1-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी भाव की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी फिरी भाव या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ प्रत्यस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ख की उपशारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमति सम्पति बाई विधवा पत्नि श्री तेजमल,
- (2) श्रीमति कुसुम बाई;
- (3) श्रीमति सरोज बाई पत्नि श्री उत्तम चन्द्र
- (4) श्री राजेन्द्र सिंह
- (5) विमल चन्द्र (6) प्रसन्न चन्द्र,
- (7) पदम चन्द्र, (8) वीरेन्द्र सिंह,
- (9) धनय कुमार, (10) सुरेन्द्र कुमार,
- (11) नरेन्द्र कुमार, (12) महेन्द्र कुमार,
- सभी पुत्रगन श्री तेज मल
- निवासी 134, आडा बाजार,

इन्दौर। (अन्तरक)

- 2. (1) श्री अशोक कुमार, (2) श्री ललित कुमार
दोनों पुत्र श्री फूल चन्द्र जैन

व

- (3) श्री फूल चन्द्र पुत्र श्री हरक चन्द्र
निवासी 186, जवाहर मार्ग,

इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वान्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर मूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रद्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
प्रद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 2 स्थित गुलाब पार्क, कालीनी, इन्दौर।

दि० च० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 29-8-1978।

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वाँ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अगस्त, 1978

निवेश सं० आई० ए० सी० एकवी०/भोपाल/78-79/1111

—अतः मुझे दि० च० गोयल,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा०
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- इ०
से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो भायापुर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीष्म पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय कसराबद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 19-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितों)
के बीच ऐसे प्रत्यक्ष के लिये तब पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्ष लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यक्ष से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी छन या प्रथ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावाँ अन्तरित बारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा० के प्रभुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा० की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

1. श्री कैलाश पुत्र श्री चम्पालाल पाटीदार
निवासी पोस्ट पीपलगोन तह० कसराबद
जिला प० निमाण । (अन्तरक)

2. श्री गोविन्द कुमार गुलाब चन्द्र पानीबाल
निवासी पोस्ट पीपलगोन तह० कसराबद
जिला प० निमाण (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 8. 53 एकड़ (3. 451) हेक्टेयर ग्राम मायापुर
हुल्का नं० 35, खाता नं० 131/3 तह० कसराबद जिला प०
निमाणग, खरगौन ।

दि० च० गोयल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 29-8-1978 ।
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 सितम्बर 1978

निरेश सं० आई० ए० सी० एक्सी (भोपाल 78-79/
1112—अतः मेंझे दि० च० भोपाल,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिस की सं० कृषिभूमि है, तथा जो कनीपुरागैन्द्र में
स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप
से अण्ठित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गोहव
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, 29-9-1988

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
से प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी माय की वायत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

1. श्री दर्शन सिंह पुत्र श्री इन्दर सिंह निवासी ग्राम
कनीपुरा तहसील गोहव जिला भिण्ड (अन्तरक)

2. श्री सुच्चा सिंह (2) श्री निन्दर सिंह (3) श्री जुर्गन्द्र
सिंह अभी पुत्र श्री कर्नलसिंह (4) श्री भजन सिंह व (5) श्री
सतनाम सिंह पुत्र श्री अजीत सिंह सिख निवासी ग्राम-कनीपुरा
तहसील गोहव जिला भिण्ड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहक :-

(क) इस गृहना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि कनीपुरा, खाता नं० 121 रकवा 83.313
हेक्टर्स, लगान रु० 768.76 कुल भूमि का 1/सी भाग 23
एकड़सं भा 9.259 हेक्टर्स जिस की लगान रु० 85.40।

दि० च० गोयल
सभाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्ज रेज भोपाल

तारीख : 4-9-1978

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 सितम्बर 1978

निवेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल 78-79/1113—अतः मुझे दि० च० गोयल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम कुंजिया में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय महेश्वर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-1-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सम्पती कुमार पुत्र सम्पत राव (प्रयस्क) अभिभावक
मां श्रीमती शशीकार्ता पाले श्री सम्पत राव महाजन निवासी
महेश्वर जिला प० निमान, खरगां (अन्तरक)

(2) श्री शन्ती लाल पुत्र श्री गोविन्द जी पातीदार निवासी
कुंडिया तह महेश्वर जिला प० निमान, खरगां (अन्तरसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम कुंडिया तह० महेश्वर जिला प० निमान
खसरा नं० 28, रक्ता 6.80 एकडस (2.752 हेक्टर्स)

दि० च० गोपाल
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन रेंज भोपाल

तारीख 4-9-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 सितम्बर 1978

निवेदन सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल 78-79/1114-

अतः मुझे दिं० च० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खुली भूमि व घोड़ है, तथा जो गोरेगांव में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, निरसिंगपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4-1-78 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (प्रतिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रम्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या सम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् ।—

(1) श्री सदानन्द जैन उर्फ राम लाल जैन (2) श्रीमती साधना देवी (3) श्री नीरज कुमार (4) कुमारी नीता (5) कु० निधी (6) श्री नीलेश कुमार (7) श्रीमति पूना बाई बेवा पत्नि रामलाल सभी निवासी गोरेगांव तह० व जिला निरसिंगपुर (अन्तरक)

(2) मेसर्स रतीलाल राम लाल गोरेगांव द्वारा पाटोनर छिकोडीलाल पुत्र श्री रतीलाल जैन निवासी गोरेगांव, निरसिंगपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पंचांशी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाराय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली भूमि व घोड़ स्थित रुधि बाई, गोरेगांव जिला निरसिंगपुर।

दि० च० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 4-9-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 सितम्बर 1978

निवेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल 78-79/1115

म्रतः मुझे दि० च० गोयल,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो भोपल में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया विवरण निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्रीमती रईस जहां बेगम पुत्री श्री अड्डुल अहव साहब मरहम निवासी इब्राहिमपुरा, भोपाल। (अन्तरक)

2. श्रीमती प्रेमलता अग्रवाल पत्नि श्री लाला बालकिशन अग्रवाल निवासी चौक, भोपाल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आमंत्रण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताश्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है :

अनुसूची

मकान नं० 188 का भाग, वार्ड नं० 6, स्थित गोखवती गली, इब्राहिम पुरा, भोपाल।

दि० च० गोयल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख 7-9-1978

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०

आयतन अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 सितम्बर 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्सी /भोपाल 78-79/1115—

अतः मुझे दिं० च० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो भोपाल में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से अण्ठित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 28-1-

1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए प्रौर्या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्रीमती अनीस जहां बैगम पुत्री श्री अद्वित एतद साहब भरहम निवासी इब्राहिम पुरी, भोपाल। (अन्तरक)

2. श्रीमती प्रेमलता अग्रवाल पति श्री लाला बालकिशन अग्रवाल निवासी चौक, भोपाल (अन्तरिती)

मैं यह सूचा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवृद्धि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संहारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 188 का भाग, वार्ड नं० 6, स्थित ग्रेह बत्ती गली, इब्राहिम पुरा, भोपाल।

दि० अ० गोयल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-9-1978

मोहर :

प्रलम प्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओरा

269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन थेट्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 7 सितम्बर 1978

निवेश सं० आई० सी० सी० एक्वी/भोपाल 78-79/1117—
प्रतः, मुझे दिं० ज० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की ओरा 269-घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो भोपाल में हिस्त
है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ट्स प्राधिकारी के कार्यालय भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 28-1-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी दस्ता या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की ओरा 269-घ के प्रनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की ओरा 269-घ की उपलब्धारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवक्षिप्त, अर्थात् :—

9-296GI/78

1. श्री अब्दुल वाहिदवल्द श्री अब्दुल एतद मरहम
निवासी इब्राहिम पुरा, भोपाल (अन्तरक)

2. श्रीमती प्रेमलता अग्रवाल पत्नि श्री लाला बालकिशन
अग्रवाल निवासी चौक, भोपाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन
के निए कार्यबाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के धन्याय 20-क में परिभासित हैं, वहीं
धर्य होगा जो उस धन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 188 का भाग, वार्ड नं० 6, स्थित शेष बन्ती
गली, इब्राहिम पुरा, भोपाल।

दि० च० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भोपाल

तारीख: 7-9-1978

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 सितम्बर 1978

निदेश सं० प्राई० ए० सी० एक्वी/भोपाल 78-79/1118—
प्रतः मुझे दि० च० गोयल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 24-1-1978 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके बूथमान प्रतिफल से, ऐसे बूथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या;

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रार्थतः—

1. श्री अब्दुलहूस बलव अब्दुल एतद मरहुम निवासी इनाहिमपुरा, भोपाल (अन्तरक)

2. श्रीमती प्रेमलता अग्रवाल पत्नि श्री लाला बाल किशन अग्रवाल निवासी चौक, भोपाल (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताभरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 188 का भाग, वार्ड नं० 6, स्थित यौज बत्तीगली, इनाहिम पुरा, भोपाल।

दि० च० गोयल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख 7 सितम्बर 1978

मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०—

आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन थेव, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 सितम्बर 1978

निवेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल 78-79/1120—
अतः, मुझे, दि० च० गोयल,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० मकान है, तथा जो भाग कुम्हारी में स्थित है (और
इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जगदलपुर में, रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 3-1-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रभारित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और
अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षीयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(र) भन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय पा किसी धन पा भव्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अवैति:—

1. श्री लक्ष्मीलाल जी पुत्र श्री बुधमल जुकड़ निवासी
जगदलपुर। (अन्तरक)

2. श्री मोतीलाल पुत्र श्री बुधमल जुकड़ निवासी जगदलपुर
(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैति के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवैति के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तिप्रयोग:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अस्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अस्तियों में से किसी अस्तित्व द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी दून्य अस्तित्व द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही पर्याप्त होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान स्थित कपड़ा मार्केट, ग्राम कुम्हारी जिला
जगदलपुर।

दि० च० गोयल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन थेव, भोपाल

तारीख: 14-9-1978

मोहर:

प्रदूष प्राई० टी० एन० एस०-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन थोव, भोपाल
भोपाल, दिनांक 14 सितम्बर 1978

निदेश सं० प्राई० ए० सी० एक्यौ/भोपाल 78-79/1121—
अतः, मुझे, दिं० च० घ० गोयल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-वा
के प्रधीन संकेत प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है
और जिसकी सं० मकान है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है (और
इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में, रजिस्ट्रीफरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के प्रधीन, 31-1-1978
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विषयास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) देसी हिसी प्राय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः घब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के प्रधीन,
निम्नलिखित अस्तियों, अवातः:—

1. श्री ईधन दास आत्मज श्री नेमनदास जी सिंधी निवासी
शितौले साहब का बाड़ा पिठाड़ी ड्यूडी, लक्ष्मण, ग्वालियर।
(अन्तरक)

(2) (1) श्री हरीराम (2) श्री डीलाराम व (3)
श्री ओमप्रकाश सभी पुत्र गण श्री बूद्धामल जी सिंधी निवासी धोरपड़े
साहब का बाड़ा दौलत गंज, लक्ष्मण, ग्वालियर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्येक लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त संविति के प्रत्येक संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तर्संबंधी अविक्षियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से
किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य अविक्षित द्वारा अव्योद्यत्साक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

रप्प्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

मकान निं० नं० ए० 3/680 स्थित शितौले साहब का बाड़ा
पिठाड़ी ड्यूडी, लक्ष्मण, ग्वालियर।

दि० घ० गोयल
सहम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण
अर्जन रेज, भोपा

तारीख 14-9-1978।
मोहर :

प्र.रुप ग्राही० डी० एन० एस०————

आपकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269८ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 सितम्बर 1978

निदेश सं० ग्राही० ए० सी० एक्सवी/भोपाल 78-79/1122—

अतः, मुझे, दि० च० गोयल,

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269८ के ग्रधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो बिलासपुर में स्थित है (प्रौर इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बिलासपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 25-1-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य ग्रासितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा घटक नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269८ के अनुसरण में, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269८ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अवृत्ति :—

1. श्री ग्रहण कुमार अग्रवाल पुत्र श्री शंकर प्रसाद अग्रवाल निवासी जूनी लाइन, बिलासपुर। (अन्तरक)

2. श्री देवीदीन पुत्र श्री भवानीदीन निवासी गौडपारा, बिलासपुर। (अन्तरिती)

को यह युचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवृत्त के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवृत्त के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान थेट्रफल 2600 वर्गफुट (लगभग) स्थित जूना बिलासपुर। (खसरा नं० 672/पी० (672/50)।

दि० च० गोयल,
सक्षम प्राप्तिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजन क्षेत्र, भोपाल

तारीख 16-9-1978।
मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 सितम्बर 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी भोपाल 78-79
1123—अतः, मुझे, दि० च० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० भूमि है, तथा जो बिलासपुर में स्थित है (और
इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बिलासपुर में, रजिस्ट्री करण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 19-4-78 को
पूर्वोक्त नियम के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरण (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपलाभा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री इकबाल मोहम्मद तहसीन (2) मो० शमाम
बाबर (3) मो० सईद जफर (4) मा० असीक ताहर (5) मो०
रफीक (6) साजिदा बैगम (7) रजिया बैगम पिसरान शैख
महिमद उमर (8) मुस० कनीजफातमा बैगम बेवा शैख
मोहम्मद उमर सभी निवासी गोडपारा, बिलासपुर। (अन्तरक)

2. श्री बशीर एहमद बलद महिमद याकब निवासी
लिंक रोड, बिलासपुर। (अन्तरिती)

को पूर्ण सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
रायंवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताभरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 30, व 39, ब्लाक नं० 5, इ० नं० 110 अ
एरिया 10320 वर्गफुट स्थित जूना—बिलासपुर।

दि० च० गोयल,
सक्षम प्रधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 16-9-1978
मोहर :

प्रधाप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन धेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 सितम्बर 1978

निवेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल 78-79/1124—

प्रतः, मुझे, दि० औ० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन साक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- मपए
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो नीमच में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय नीमच में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 3-1-1978

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
जटिल से उक्त अन्तरण विविध में वास्तविक रूप से कठित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, लिपाने में मुविधा के लिए :—

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भेलुलाल पुत्र नानालाल जी कोठारी निवासी नीमच
केन्ट। (प्रत्यक्ष)
2. श्री सूरजमल पुत्र कजाढ़ीमल श्री महाजन निवासी मंडी
बघाना, नीमच। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में नोट सौ प्राप्त :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि ब्राद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जाए सकेंगे।

स्थलोंकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दो मंजिला विल्डिंग भकान नं० 64, वुकान नं० 36, जबाहर
मार्ग, स्टेशन रोड, बघाना, नीमच।

दि० औ० गोयल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन धेत्र, भोपाल

तारीख : 16-9-1978

मोहर :

प्रह्लप भाई० टी० एन० एम०——

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र कानपुर

कानपुर, विनांक 6 अप्रैल 1978

निवेद अर्जन/890/कानपुर/77-78 63—अतः, मुझे, आर० पी० भार्गव,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थायकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे
उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 9-1-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूर्घटनान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्घटनान
प्रतिफल से, ऐसे दूर्घटनान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य अस्तियों
को, जिन्हे भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगदीश सहाय हितकारी 7/156 बी० स्वरूपनगर
कानपुर। (अन्तरक)

2. श्रीमती वीता पाठेय 24/24 करांची खाना कानपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
पार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी अधिकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थायकर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी
प्रत्यय व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टाक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथम
होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति नं० 7/156 बी० स्वरूपनगर कानपुर से संलग्न
393 व० ग० का प्लाट 74670) में वेची गयी।

आर० पी० भार्गव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन क्षेत्र, कानपुर

विनांक : 6 अप्रैल 1978
मोहर :

प्रस्तु पाई० टी० इन० एस० —————

ग्रामकर ग्रंथिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्रामकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 अप्रैल 1978

निदेश सं० 1693 ए/अर्जन/ब० शहर/77-78/374— ग्रतः
मुझे आर० पी० भार्गव

ग्रामकर ग्रंथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त ग्रंथिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० ग्रन्तुसूची के अनुसार है तथा जो ग्रन्तुसूची के
ग्रन्तुसूची में स्थित है (और इससे उपावद्ध ग्रन्तुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय ग्रन्तुप
शहर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रंथिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 27-1-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में
लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त ग्रंथि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय ग्रामकर ग्रंथिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त ग्रंथिनियम या घनकर
ग्रंथिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
हो लिए;

ग्रतः अब उक्त ग्रंथिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त ग्रंथिनियम की धारा 269-घ की उपवारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10-296 GI/78

1. श्री हरिशचन्द्र पुत्र ग्रन्तु सेन एवं मुख्तार ग्राम श्रीमती
मूंगा देवी एवं मुख्तार ग्राम श्रीमती राज कुमारी निं० खानपुर
गन्ठ बुलन्दशहर। (अन्तरक)

2. श्री नाथी सिंह एवं चन्द्र सेन पुत्रगण छिदा सिंह निं०
खानपुर गन्ठ बुलन्दशहर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए
कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी ग्रन्तु व्यक्ति द्वारा, ग्रन्तुहस्ताक्षरी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
ग्रंथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही ग्रन्तु होंगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

ग्रन्तु सम्पत्ति कृषि भूमि 3 वीथा एवं 17 विश्वा स्थित ग्राम
खानपुर गन्ठ जिला बुलन्दशहर 48,000- के विक्रय मूल्य में
बेची गयी।

ग्राम पी० भार्गव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्रामकर ग्रामकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 17-4-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 अगस्त 1978

निदेश सं० अर्जन (940/फ० बाद/77-78/375—

अतः मुझे, आर० पी० भार्गव।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन उक्तमप्राधिकारी को, पहुँच विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची म और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय फर्खाबाद मेरिजिस्टीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-1-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि व्यापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षण के लिए तथा पाशा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यक्षण से हुई किसी प्राप्त की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में उपेक्षा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आप या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1932 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या सन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती कारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, किपाने में नुकसा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नरेश कुमार व महेन्द्र कुमार पुत्रगण मोहन लाल रेलवे रोड फर्खाबाद (अन्तरक)

2. श्रीमती राम कौर स्त्री रामलाल व अमरीक कौर पुत्र रामलाल गहरी कोहना फर्खाबाद (अन्तरिती)

को पहुँचता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में नोट जो पाठ्येतः—

(क) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूझ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदृश्यत शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम ने प्रध्याय 20 के यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अखल सम्पत्ति भूमि व भवन नाम सेन्ट एन्थोनी कानिंघम स्कूल गली गढ़ी नवाब, फर्खाबाद 50000 में बेची गयी ।

आर० पी० भार्गव,
सभम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख 17-8-1978

मोहरः

प्रकाश प्राई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 अप्रैल 1978

निदेश सं० अर्जन/894/मथुरा/77-78/376—अतः मुझे
आर० पी० भार्गव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं०—है तथा जो—में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 6-1-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और प्रनतरिती (प्रनतरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कष्टित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
शियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
प्रनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

1. श्री रामजीलाल व हीरालाल पुत्राण किशोरी लाल बृन्दाबन,
मथुरा ।
(अन्तरक)
2. श्री वृजेन्द्र कुमार पुत्र पन्नालाल बृन्दाबन, मथुरा ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की मध्यिदा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अन्तरण सम्पत्ति भूमि व भवन नं० 518-528 व 519 स्थित
पुराना बजाजा बृन्दाबन जिला मथुरा 40000/- में बेची
गयी।

आर० पी० भार्गव,
सकाम प्राप्तिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर।

तारीख : 17-4-1978
मोहर :

प्रलृप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 अप्रैल 1978

निदेश सं० अर्जन /987/आगरा (77-78/55)—अतः
 मुझे आर० पी० भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपए से अधिक है।
 और जिसकी सं० है तथा जो अनुसूची में स्थित (और इससे उपाबद्ध
 अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी प्राधिकारी के
 कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1978
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
 फलहर प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
 उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रघुनन्द प्रसाद पुन्न राधे लाल निवासी सेठ गली आगरा
 वर्तमान पता 108-ए भूलेश्वर रोड बम्बई-6 (अन्तरक)

2. श्री कृष्ण कुमार पुन्न पाल निवासी शरदा अग्रवाल
 पत्नी बहूम कुमार सप्तेदार सेठ जमरा प्रसाद गिरराज कुमार
 निवासी पुत्रिया महल आगरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्रेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी प्रत्येक व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

इपट्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं
 अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अन्तरण सम्पत्ति भूमि व भवन नं० 6/22 बड़ा भाई गली बेलनगंज
 आगरा 65000) में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेज, कानपुर

तारीख 27-4-1978

मोहर :

प्रृष्ठ प्राई ० टी० एन० एस०----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 मई 1978

निर्देश सं० 983/अर्जन/फिरोजाबाद/77-78/1081,—अतः
मुझे, आर० पी० भार्गव,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
प्रत्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय फिरोजा-
बाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 13-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धर्म, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्ननिमित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अली हुसैन उपनाम बाबू खान पुत्र हाजी कल्लू
उस्ताद एवं श्रीमती अकबरी बेगम उपनाम सफेदा
पुत्री गुलशेर खान पत्नी अली हुसैन उपनाम बाबू
खान नि० इस्लाम गंज फिरोजाबाद आगरा।

(अन्तरक)

2. श्री कुण मुरारी गुप्ता पुत्र श्री श्रीराम नि० मो०
बाबू, फिरोजाबाद आगरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताकरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भायित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधारा
में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति भूमि आउन्डी बाल 24558 वर्गफुट स्थित
मोहल्ला इस्लामगंज फिरोजाबाद आगरा 64,000/- के विक्रय
मूल्य में बेची गयी।

प्रार० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 31-5-78

ोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 अ (1) के मध्यीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 13 जून 1978

निर्देश सं० 1724ए/अर्जन/सु० नगर/77-78—यतः, मुझे,
आर० पी० भार्गव

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' बोहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संभवतः अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के के कार्यालय मुद्रा नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25 जनवरी 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से किया गया है:-

१. श्री पीतम सिंह पुत्र मुख्तयारा नि० ग्राम कुकड़ा
जिला मुजफ्फर नगर। (अन्तरक)

2. श्री मूल चंद, महीपाल सिंह, महाबीर सिंह तेजपाल
सिंह एवं कल्यान सिंह पुत्रगण बारू सिंह एवं श्रीमती
विद्यावती पत्नी प्रीतम सिंह निं० ग्राम कुकड़ा
जि० मु० नगर। (अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके प्रदूषित संपत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब्य) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितमद्ध किसी ग्रन्थ अधिकारी द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में निए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-के परिमाणित हैं वही प्रथं होगा, जो उस अध्याय में बिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आप कोशालत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी दर्शन पा उसके बचने में सुविधा के लिए; सौर/पा

(क्ष) ऐसी किसी आव या किसी व्रत या प्रथ्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रदोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रफट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अमर चौ

अचल सम्पत्ति कृषि भूमि 6 बीघा 6 विस्त्रा स्थित ग्राम कुकड़ा जिला मु० नगर 55,000/- के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

आरा० पी० भारती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आपुष्ट, (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज, कानपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्तीतः—

प्रश्नपत्र आई० टी० एन० एस०----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 जून 1978

निर्देश सं० 1729 ए/अर्जन/मेरठ/77-78/1629—अतः

मुझे, आर० पी० भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के प्रधीन संश्लेषण को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय मेरठ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 3-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी अधिकारी:—

1. श्री नरेन्द्र कुमार पुत्र स्वर्णीय श्री जै नारायण निं० ग्राम छवाजमपुर मजीरा पोस्ट रसूलपुर रोहता जिला मेरठ।

(अन्तरक)

2. श्री चरन सिंह पुत्र सुजान सिंह निं० ग्राम रसूलपुर रोहता पोस्ट खास जिला मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिये कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाष्प में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अनुहस्ताकरणी के पास लिखित में किये आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्राप्त्याय 20-क में पथा परिभाषित हैं, वही प्रयुक्त होगा जो उस प्राप्त्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति क्षेत्र भूमि 6 बीघा 8 बिस्ता खसरा नं० 484 स्थित ग्राम छवाजमपुर मजरा, जिला मेरठ 53,000/- के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 15-6-78
मोहर:

प्रह्लाद आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 जुलाई 1978

निर्देश सं० अर्जन /1699 ए/मेरठ/77-78/2141—

अतः मुझे, एल० एन० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-1-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिरूप, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वार्तायिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी माय की भावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कमों करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/गा

(ख) ऐसी किनी माय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी शर्तात् :—

1. श्री राकेश कुमार गुप्ता पुत्र निरंजन प्रकाश गुप्ता एवं श्रीमती कौशल्या देवी पत्नी स्वर्गीय निरंजन प्रकाश गुप्ता निं० बाबा खाकी मेरठ।

(अन्तरक)

2. श्री अनिल कुमार जैन पुत्र स्वर्गीय श्री कैलाश चंद निं० बाबा खाकी मेरठ।

(अन्तरिती)

मैं पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

दस्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 9 बिस्ता, 12 बिस्तासी एवं 16 कचवासी खसरा नं० 2018 स्थित देहली रोड मेरठ 51,032/- के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

एल० एन० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, , कानपुर

तारीख : 25-7-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रंजन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 जुलाई 1978

निर्देश सं० 1726 ए/ग्रंजन/दै०हून/77-78—अतः मुझे,
एल० एन० गुप्ता,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय देहरादून
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 25-1-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उपके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुरी किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया
गया था या किसी जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अक्षितियों अर्थात्:—

11—296GI/78

1. श्री इन्द्र मोहन गोयल पुत्र स्वर्गीय श्री बख्तावर सिंह
स्वयं एवं मुख्तारश्राम अपनी माता श्रीमती भगवती
देवी विधवा स्वर्गीय श्री बख्तावर सिंह निं० गण
मवाना कल्ला मौहल्ला हीरालाल जिला मेरठ व
श्री अनन्द प्रकाश गोयल पुत्र स्व० श्री बख्तावर
सिंह, निवासी 25 सिविल लाइन्स, रुड़की
जिला सहारनपुर व श्रीमती शीला गुप्ता पत्नी
श्याम बिहारी लाल गुप्ता वकर्स मैनेजर गर्वनमेंट
वर्कशाप रुड़की जिला सहारनपुर एवं श्रीमती
विमला गोयल पत्नी पुरुषोत्तम दास निं० उदयपुर,
राजस्थान विश्रेतागण 3, 4 व 5 द्वारा मुख्तारे
खास श्री इन्द्र मोहन गोयल मजकूर। (अन्तरक)

2. श्री लाल चन्द पुत्र श्री पिरथी सिंह 2. श्री राजेन्द्र
कुमार अप्रवाल व श्री विनय कुमार पुत्रगण श्री लाल चन्द
निं० 34 के खड़पड़ा मौहल्ला, देहरादून।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंजन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंजन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

अन्तर्ल सम्पत्ति मकान नं० 26/2 स्थित तिलक रोड,
देहरादून 1,00,000/- के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

एल० एन० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण),
ग्रंजन रेंज, कानपुर

तारीख : 28-7-78

मोहर :

प्रह्लप माइ०टी०एन०एस०-----
मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 अगस्त 1978

निर्देश सं० 1723 ए/अर्जन/मु० नगर/77-78—अतः
मुझे, एल० एन० गुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-व के प्रधीन समाम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ट अधिकारी के वर्षाव्य
मु० नगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 20-1-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए मन्त्रित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से अधिक है और मन्त्रकर
(मन्त्रकरों) और मन्त्रिती (मन्त्रितीयों) के बीच ऐसे
मन्त्ररण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त मन्त्ररण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) मन्त्ररण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के मन्त्रकर के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या प्रभ्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ मन्त्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के
अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की
उपारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्ति:—

1. श्री इकराम पुजा बुद्ध सिंह निवासी ग्राम मेघाखेड़ी
परगना व जिला मुजफ्फरनगर।

(अन्तरक)

2. श्री रामपाल सिंह, हरपाल सिंह ओमवीर सिंह पुत्रगण
अकराम निं० ग्रा० मे धाखेड़ी प० व जिला मुजफ्फर
नगर।

(मन्त्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितमद्वा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति कृषि भूमि 4 बीघा 12 बिस्वांसी
स्थित ग्राम पचैड़ा खुर्द जिला मुजफ्फरनगर 40,000) के
विक्रय मूल्य में बेची गयी।

एल० एन० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 10-8-78

मोहर:

प्रकाश प्राईंटी एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 सितम्बर 1978

निर्देश सं० 1722 ए/अर्जन/मु० नगर/77-78—उक्त: मुझे,
एल० एन० गृष्टा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इष्ट
से अधिक है,
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार में स्थित है (और इससे उपाद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से बांगत है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय मु०
नगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 18-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ति (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ आया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया
है।—

(क) अन्तरण से नहीं किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिक्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में;
ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन;
निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवार्ता:-

1. श्री किशन चंद पुत्र रमेश चंद निं० सिविल लाइन्स
मुजफ्फरनगर।

(अन्तरक)

2. श्री रनबीर सिंह, जगबीर सिंह पुत्रगण बसंत सिंह,
भोपाल सिंह, सतपाल सिंह महोपाल सिंह, राजपाल
सिंह एवं बृजपाल सिंह पुत्रगण पीतम सिंह निं०
ग्राम सहोजनी प० बघरा त० एवं जिला मु० नगर।
(अन्तरिक्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के संबंधमें कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितध्वनि किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अवल सम्पत्ति कृषि भूमि 8 बीघा 7 बिस्ता स्थित ग्राम
सहोजनी प० बघरा त० एवं जिला मु० नगर 25,000/- के
विक्रय मूल्य में बेची गयी।

एल० एन० गृष्टा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 12-9-1978

मोहर :

प्रश्न आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 सितम्बर 1978

तिर्देश सं० 33 प्रज्ञन/मु० नगर/77-78—अतः मम्पे,

एल० एन० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची
के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 23-2-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि प्रत्तरक (प्रत्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री ग्यान पुत्र भल्ला स्वयं एवं संरक्षक श्री विजय
पाल सिंह निं० ग्राम सिसौली प० शिकारपुर
जिला मु० नगर।

(अन्तरक)

2. श्री सुखबीर सिंह पुत्र परमपत जगदीश, तिलकराय
एवं इलमधंद पुत्र जन्ठू निं० सिसौली प० शिकारपुर
जिला मु० नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

उपलब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति कृषि भूमि 6 बीघा 1 बिस्ता 10 बिस्तांसी
स्थित ग्राम सिसौली प० शिकारपुर जिला मुजफ्फरनगर
45,570/- रु० के विक्रय मूल्य में बेची गयी ।

एल० एन० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेज, कानपुर

तारीख: 12-9-1978

मोहर:

प्रस्तुप प्राई॰ टी०एन० एस —————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 सितम्बर 1978

निर्देश सं० 1677ए/अर्जन/मू० नगर/7778—अतः मुझे, एल० एन० गुप्ता

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता आधिकारी के कार्यालय मू० नगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अन्तर्गत तारीख 12-1-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री देवकी नंदन पुत्र श्री द्वारका प्रसाद निं० ग्राम चांदपुर प० एवं जिला मू० नगर।

(अन्तरक)

2. श्री संकटु पुत्र राम किशन रनबीर सिंह एवं महेन्द्र सिंह पुत्रगण रिसाल सिंह एवं जगत सिंह पुत्र मूलजरा जिं० चांदपुर प० एवं जिला मू० नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वींधि व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति कृषि भूमि 7 बीघा 1 विस्ता एवं 12 $\frac{1}{2}$ विस्वांसी स्थित ग्राम चांदपुर परगना एवं जिला मू० नगर ₹ 55,000 के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

एल० एन० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
(अर्जन रेंज), कानपुर

तारीख : 12-9-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 अ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भाष्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 13 सितम्बर 1978

निवेश सं. अर्जन/896/कनौज/ 77-78—यतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. है, तथा जो में स्थित है (और इससे उत्तरदाय प्राप्तुकी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कनौज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है प्रौढ़ अन्तरक (मन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के मनुसरण में, सौं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् :—

1. श्री रामस्वरूप पुत्र हरी प्रसाद ग्राम व पोस्ट मुरैया बुजुर्ग तहसील कनौज जिला फरुखाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री सोहन सिंह व सुखलाल सिंह पुलगण लच्छासिंह निवासी मुरैया बुजुर्ग तहसील कनौज जिला फरुखाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्याद्वयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी अक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षियों में से किसी अक्षियों की द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अक्षियों की द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अन्तर्कल कृषि सम्पत्ति 4365 एकड़ स्थित ग्राम मुरैया बुजुर्ग तहसील कनौज जिला फरुखाबाद (25,000) में बेची गयी।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर भाष्यक (निरीक्षण)
(अर्जन रेंज), कानपुर

तारीख 13-9-1978

मोहरः

प्रख्युप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 13 सितम्बर 1978

निर्देश सं० अर्जन/967/मौदहा/77-78—यतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है
और जिसकी सं० है तथा जो

में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय
मौदहा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख जनवरी 1978
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) देखी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गणेश पुन्र चुनका निवासी करहिया तहसील
मौदहा जिला हमीरपुर।

(अन्तरक)

2. श्री बाबू पुन्र खलमल निवासी करहिया तहसील
मौदहा जिला हमीरपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाबू
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी
अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित
में निये जा सकेंगे।

स्थावीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभासित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल कृषि सम्पत्ति 14:20 एकड़ स्थित ग्राम करहिया
तहसील मौदहा जिला हमीरपुर 20000/ में वेची गयी।

बी० सी० चतुर्वेदी
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
(अर्जन रेंज), कानपुर

तारीख: 13-9-78

मोहर :

प्ररूप आई० ई० एन० एस०—

आरक्ष विभिन्नम्, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 13 सितम्बर 1978

निर्देश सं० अर्जन/फिरोजाबाद/984/77-78—ग्रतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फिरोजाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, फिरोजाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख)ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था दो किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपचारा (1)
अधीन निम्नलिखित अवक्षियों, अर्थात् :—

1. श्री भूपसिंह पुत्र मोजीराम निवासी नंगला धनी
मजरा मोदा नेपई तहसील फिरोजाबाद जिला
आगरा।

(अन्तरक)

2. श्री राधेश्याम, रमेशपाल सिंह व कृष्ण मुरारी पुत्रगण
मेहताब सिंह व ध्याम सिंह पुत्र छत्तर सिंह निवासी
ग्राम दृटौरा तहसील फिरोजाबाद जिला आगरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवादितों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी अविक्षियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवक्षियों में से किसी अवक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद किसी अन्य अवक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अचल कुण्डि सम्पत्ति 12 बोधा 8 बिस्ता 10 बिस्तांसी
स्थित ग्राम नेपई तहसील फिरोजाबाद जिला आगरा 87,000
में बेची गयी।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
(अर्जन रेज), कानपुर

तारीख : 13-9-1978

मोहर :

प्रारूप आई० डी० एन० एस०-----

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रावकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 13 सितम्बर 1978

निदेश सं० अर्जन/936/जालौन/77-78—अतः मुझे
बी० सी० चतुर्वेदी,
श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-वा के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो
में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय जालौन में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन जनवरी 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि पथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और घन्तरक (घन्तरकों) और (घन्तरिती)
(घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तथा यात्रा या
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) घन्तरण से हुई किसी प्राप्त की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में मुश्किल के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धन वा अन्य मालियों को,
जिन्हें भारतीय श्रावकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाये
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में मुश्किल के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-वा के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—

12-296GI/78

1. श्री विश्वनारायण पुत्र रामेश्वर दयाल शुक्ला निवासी
मोहल्ला बापू साहब परगना व जिला जालौन।

(अन्तरक)

2. श्रीमति सरस्वती देवी पत्नी सुधाकर निवासी व पोस्ट
मजीठ जिला जालौन व श्री केदारनाथ शुक्ला
पुत्र दयाराम, श्रीमती जनक सुन्दरी पत्नी केदार
नाथ निवासी नया राम नगर, उरई जिला जालौन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के संबंध में कोई भी ग्राहकोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितद्वारा किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृष्टाक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधायाय 20 के परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल कु समि स्पति 8099 एकड़ स्थित ग्राम मजीठ
जिला जालौन 27,000/- में बेची गयी।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्रम प्राधिकारी
सहायक श्रावकर आयुक्त (निरीक्षण)
(अर्जन रेंज) कानपुर

तारीख: 13-9-78

मोहर:

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—

प्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत भरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 13 सितम्बर 1978

निदेश सं० अर्जन /922/कानपुर/77-78—यतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,
सहायक प्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो
में स्थित है (और इससे उपावढ़ ग्रनूसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय
कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख जनवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
निए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(a) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त ग्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मा
करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(b) ऐसी किसी शाय या किसी धन या ग्राम्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर ग्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या
धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः यथा, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-व के अनु-
सरण में, ये, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269व की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री भगवत लाल खन्ना पुत्र श्री गनपत राय खन्ना/
120/194 लाजपत नगर कानपुर।
(अन्तरक)

2. श्रीमती चन्द्रमनी मिश्रा पत्नी चन्द्रनाथ मिश्रा व श्रीमती
वीना मिश्रा पत्नी मोहन लाल निवासी 321/2
जुही लेवर कालोनी कानपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रत्येक के संबंध में कोई भी भावेष :—

(क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
में किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, यद्योहस्ताक्षरी के
पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
ग्रधिनियम के ग्राम्याय 20-क में परि-
भासित हैं वही सर्व होगा, जो उस ग्राम्याय
में दिया गया है।

ग्रनूसूची

ग्रनूसूची भूखण्ड व भूमि 500 वर्गगज प्लाट नं०
4 ब्लाक-एस० स्कीम-1 गोविन्द नगर कानपुर 33438/-
में बेची गयी।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
(अर्जन रेज), कानपुर

तारीख : 13-9-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 13 सितम्बर 1978

निवेश सं० 1661-ए/अर्जन/द० दून/77-78—अतः
मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
में अधिक है,

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय
देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख जनवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(प्रस्तरकों) और अन्तरिती (प्रतिशतीयों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ में
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा, (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. श्री मंजीत सिंह पुत्र दलीप सिंह सुशील कूमार पुत्र बुध सिंह
सुधीर कूमार पुत्र बुध सिंह निं० ग्राम ढाकोकाली
(केदावली) प० पछावा पोस्ट।

(अन्तरक)

ज्ञातवा देहरादून एवं देवी सिंह एवं सुखपाल सिंह
पुत्रगण नान चंद, रामकृष्ण पुत्र छतर सिंह
जिं० ग्राम नकरोंधा प० परवा त० लक्ष्मण जिला
देहरादून।

(अन्तरक)

2. श्री राधा बलभ जोशी पुत्र देवी दत्त एवं चरन
दत्त जोशी पुत्र देवी दत्त निं० ग्राम वागजीवाला
पटीमाली मालीभातइ जिला चिपौरागढ वर्तमान
निवासी करान्दा प० पखादू नजिला देहरादून।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहुस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति कृषि भूमि 2.85 एकड़ स्थित ग्राम
नकरोंदा परगना परवाहन जिला देहरादून 32,000 के विक्रय
मूल्य में बेची गयी ।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
(अर्जन रेंज), कानपुर

तारीख : 13-9-78

मोहर :

प्रलेप आई० दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 13 सितम्बर 1978

निर्देश सं० 1716ए/अर्जन/मेरठ/77-78—ग्रतः मूल्य
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार में स्थित है (और इससे उपाछ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
मेरठ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख जनवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के असीन कर देने के अन्तरके
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए। घोरया

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्—

1. डा० सुन्दर दास वर्मा पुत्र हेमराज वर्मा एवं सुभाष
चन्द्र पुत्र सुरेन्द्र दास वर्मा नि० 10/2-सी० पटेल
नगर मेरठ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती निर्मला गुप्ता पत्नी राम किशोर गुप्ता अम्ब
स्वरूप, देशराज एवं राजेन्द्र कुमार पुत्रगण स्वर्गीय
दुर्गा प्रसाद नि० 171 आवू लैन सदर मेरठ
कैन्ट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संवत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारी पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारी में से किसी अधिक द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्य
किसी अन्य अधिक द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

अन्तरित सम्पत्ति भूमि एवं बिल्डिंग नं० 171 आवू लैन
मेरठ कैन्ट 50,000/- के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सभी प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 13-9-78

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 सितम्बर 1978

निवेश सं० अर्जन/95०/मैनपुरी/77-78— यतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० _____ है, तथा जो
_____ में स्थित है (और इससे उपावड
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय मैनपुरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत, से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शरदचन्द्र चतुर्वेदी पुत्र सतीश चन्द्र चतुर्वेदी निवासी
131 मिथाण मैनपुरी मुख्तारखास राजाराम
जपुत्र अयोद्यो व बुद्धी सतगर शुक्ला पुत्र विश्व नाथ
शुक्ला निवासी विश्वायार व रामदेव पुत्र सुबसन
बणिष्ठ पुत्र अगमोहन निवासी अपरी अहद
तात्याकोरम परगना भंजिनी पोस्ट आरा जिला
बस्ती।
(अन्तरक)

2. श्रीमती सुमिरनी पत्नी कृष्ण चन्द्र मिश्र श्रीमती
महादेवी पत्नी काली घरन व श्रीमती मालती
देवी पत्नी सुरेश चन्द्र निवासी कुचेला पो०
खास जिला मैनपुरी।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अवल सम्पत्ति कृषि भूमि स्थित ग्राम कुचेला परगना
फिरोर जिला मैनपुरी 30,000/- में बेची गयी।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
(अर्जन रेज), कानपुर

तारीख : 20-9-78
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
 प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, कानपुर
 कानपुर, दिनांक 20 सितम्बर 1978

निर्वेश सं० 1841-ए/अर्जन/गांगवाद/ 77-78--यतः
 मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
 अनुसार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
 रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हापुड़
 में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
 अधीन तारीख जनवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 वायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री टीकाराम पुत्र रामस्वरूप निं० हापुड़ (मंत्री
 कन्हैया लाल आयुर्वेदिक धर्मर्थ औषधालय
 द्रस्ट हापुड़) जिला गांवाद।
 (अन्तरक)
2. श्रीमती सुशीला देवी पल्ली बाल किशन दास निवासी
 जगन्नाथपुरी त० खास हापुड़ जिला गांजियाबाद।
 (अतिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ता सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ता
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति दुकान नं० 34, 116 वर्गगज स्थित बड़ी
 मंडी हापुड़ 39,000/- के विक्रय मूल्य में बेचा गया।

बी० सी० चतुर्वेदी
 सक्षम अधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 (अर्जन रेंज), कानपुर

तारीख: 20-9-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 सितम्बर 1978

निदेश सं० 1663-अर्जन-देहरादून 7778 मुझे बी०
सी० चतुर्वेदी

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाधन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अलग ह प्रतिकात प्रधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिसी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के अए तथा पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत सभी अधिनियम के अधीन कर देने के प्रतिरक्त के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/गा।

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आन्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में नुविधा के लिए;

प्रतः यत्र, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ना के अनुसार में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री पंडित सुरेन्द्र प्रकाश वासुदेव पुत्र स्वर्गीय महान्त्र ओकार प्रसाद निं० ओकार किला 1, चक्रराता रोड़ देहरादून। (अन्तरक)

2. मिज लोक सहकारी ग्रह निर्माता समिति लिं० 62 सैयद मोहाला मौज्जा चुखुबाला देहरादून द्वारा अध्यक्ष ज्योति बहुगुहा पुत्र महेशानन्द बहुमुना एवं मंत्री प्रेम चंद वर्मा पुत्र सीताराम। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अन्तर सम्पति प्लाट नं० 18, 19 एम 20 एम० एवं 29 एम 54 बीघा स्थित चुरवाला जिला देहरादून 1,08,000 के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
(अर्जन रेज), कानपुर

तारीखः 20-9-1978

मोहरः

प्रस्तुत आई० टी० एम० एस०

धार्यकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 सितम्बर 1978

निर्देश नं० अर्जन /916/मथुरा/77-78- यतः मुझे
बी० सी० चतुर्वेदी
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० ————— है तथा
————— में स्थित है (और इससे उपाबन्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 22-1-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पञ्चाह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया यथा प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त प्रधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या प्रथ्य भास्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त प्रधिनियम, या भ्रमकर प्रधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

यतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में,
उक्त प्रधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के प्रधीन,
निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

1. श्री राधानोविन्द चैरिटेबुल ट्रस्ट जयसिंहपुरा जिला
मथुरा द्वारा कलक्टर मधुरा।

(अन्तरक)

2. श्री बाके बिहारी पुत्र रामजीदास हनुमान ठीला
जिला मथुरा। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाषेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्द किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा प्रबोहम्बताकारी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे ।

रजिस्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
घर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अवल कुधि सम्पत्ति 9.20 एकड़ स्थित जयसिंहपुरा बागर
जिला मथुरा 22,000/- में बेची गयी ।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
(अर्जन रेंज), कानपुर

तारीख: 28-9-1978

मोहर:

प्रस्तुत प्राई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 सितम्बर 1978

निदेश नं० अर्जन/95/फिरोजाबाद/78-79—अतः मुझे बी०
सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो

में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय फिरोजाबाद में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30-3-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(म) अन्तरण से दुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी भाग या किसी द्वन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए,

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—

(1) लाइफ इन्व्होरेस कारपोरेशन आफ हिंडिया डिवीजनल एफिस 21/273 जीवनीमण्डी लक्ष्मी मिल्स बिल्डिंग आगरा

(अन्तरक)

(2) श्री एम० सी० मेहरिस पुत्र बृजगोपाल शर्मा निवासी आगरा गेट फिरोजाबाद जिला आगरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति भूमि क्षेत्रफल 38047 वर्ग फुट स्थित सुखमलपुर निजामाबाद मुहाल बद्रीनाथ गोपालनगर फिरोजाबाद 28533) में बेची गई।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 28 सितम्बर 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 20 जून 1978

निर्देश अं० आय० ए० सी०/अर्जन/73(1)/78-79—यतः

मुझे, ह० च० श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ए
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी स० दुकान नं० 2 और 3, प्लाट नं० 58 पर निर्मित
वार्ड नं० 30 है तथा जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित है (और
इसमें उपलब्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 27 जनवरी 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित नी गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह ग्रन्ति तथा अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा गाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित पैकीस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने वें सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी ब्रन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्राप्त-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, तिनमें में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित अप्रितियों, अर्थात् :—

(1) दी नागपुर जनरल मर्चन्ट्स को-प्रापरेटिव मार्केट
कम, हाऊसिंग सोसायटी, लि०, गांधीबाग नागपुर
तर्फ, सचिव, श्री डी० एल० मुलतानी, सेंट्रल एवेन्यू
रोड़, नागपुर।

(अन्तरक)

2. श्री जंगल्याजी पिता धोड़बाजी नाचनकर पांचपावली,
नागपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजंत के
लिए कार्यवाहिणी करा हूँ !

उक्त सम्पत्ति के अजंत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अप्रितियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अप्रितियों में से किसी अप्रिति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य अप्रिति द्वारा मध्योद्दस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्तों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-के परिमाणित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

दुकान नं० 2 और 3, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड नं०
30, गांधीबाग, नागपुर।

ह० च० श्रीवास्तव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

दिनांक: 20 जून, 1978
महर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 20 जून 1978

निर्देश ऋ० आय० ए० सी०/अर्जन/73(2)/78-79—यतः
मुझे, ह० च० श्रीवास्तव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थानीय संसदि जितका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 4, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड नं०
30 है तथा जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित है (और इसमें उपलब्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 27, जनवरी 78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हीरे जिसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :

(1) दी नागपुर जनरल मर्चंट्स को-आपरेटिव मार्केट कम,
हाउसिंग सोसायटी, लि०, गांधीबाग, नागपुर तर्फ,
सचिव, श्री डी० एल० मुलतानी सेंट्रल एवन्यु रोड,
नागपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री अब्दुल करीम पिता शेख रोशन, भालदार पुरा,
नागपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

संषोधन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है ।

अनुसूची

दुकान नं० 4, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड नं० 30 गांधी-
बाग, नागपुर ।

ह० च० श्रीवास्तव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, नागपुर

दिनांक: 20 जून 1978
मोहर :

अस: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 20 जून 1978

तिर्देश अ० आय० ए० सी०/अर्जन/73(3) 78-79—यसः

मुझे, ह० च० श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान न० 5, प्लाट न० 58 पर निर्मित, वार्ड न० 30 है तथा जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित है (और इसमें उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 31 जनवरी 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के व्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त:—

(1) दी नागपुर जनरल मर्चेंट्स कॉम्पारेटिव, कम हाऊर्सेंग सोसायटी, लि०, गांधीबाग, नागपुर तरफ, सचिव, श्री डॉ एल० मुलतानी, सेंट्रल एवेन्यु रोड, नागपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री योगेश्वर दुलाजी निमंज, तिलकरोड, नागपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायंवाहियां करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेप:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

दुकान न० 5, प्लाट न० 58 पर, निर्मित, वार्ड न० 30, गांधीबाग, नागपुर।

ह० च० श्रीवास्तव
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, नागपुर

दिनांक: 20 जून, 1978

मोहर :

प्रस्तुप ग्राइंड टी० एन० एस०—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 20 जून 1978

निर्देश क्र० आय० ए० सी०/अर्जन/73(4)/78-79—यतः
मासौ, ह० च० श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से प्रधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 6, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड नं० 30 है तथा जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित है (और इसमें उपलब्ध अन्यसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27 जनवरी 78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान प्रतिफल के लिए प्रतिक्रिया की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे वृद्धमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (प्रतिक्रिया) और अन्तरिती (प्रतिक्रिया) के बीच ऐसे प्रतिक्रिया के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिक्रिया लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रतिक्रिया से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रतिक्रिया के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनु-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, भव उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुचरण में, वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपशार (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ।—

(1) श्री नागपुर जनरल मर्चन्ट्स को-ऑपरेटिव मार्केट कम हाऊसिंग सोसायटी, लि०, गांधीबाग नागपुर, तफे सचिव, श्री डी० एल० मुलतानी, सेंट्रल एवंन्यू रोड, नागपुर

(अन्तरक)

(2) सो० अमतुल्लाबाई जः शंख भोहमदभाई, इतावारी, नागपुर

(अन्तरिती)

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरें व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममुसूची

दुकान नं० 6, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड नं० 30, गांधीबाग, नागपुर।

ह० च० श्रीवास्तव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

दिनांक: 20 जून, 1978

मोहर :

प्रख्युप माई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नागपुर

नागपुर दिनांक 20 जून, 1978

निर्देश क्र० आय० ए० सी०/अर्जन/73(5)/78-79—यतः
मुझे, ह० च० श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 7, गोडौन नं० 26, प्लाट नं० 58 पर
निर्मित है तथा जो वार्ड नं० 30, गांधीबाग, नागपुर में स्थित है
(और इसमें उपलब्ध अनसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30
जनवरी 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रदि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्थ में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः यद्य, उक्त प्रदिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपषारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नागपुर जनरल मर्चेंट्स को-ऑपरेटिव मार्केट कम
हाऊसिंग सोसायटी, लि०, गांधीबाग, नागपुर तरफ
सचिव, श्री डी० एस० मुलतानी, सेंट्रल एवंन्य
रोड, नागपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री पुराणिक महादेव बोर्ड, रामनगर, लालगंज,
नागपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अंतर्गत के लिए
कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अंतर्गत के संबंध में कोई भी व्यापेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समयी व्यक्तियों पर यह सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितवद किसी प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरो
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-व में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 7, और गोडौन नं० 26, प्लाट नं० 58 पर
निर्मित, वार्ड नं० 30, गांधीबाग, नागपुर।

ह० च० श्रीवास्तव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, नागपुर

दिनांक: 20 जून 1978

मोहर:

प्रहर प्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 20 जून 1978

निर्देश क्र० आय० ए० सी०/अर्जन/73(6)/78-79—यतः,
मुझे, ह० च० श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 9, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड
नं० 30 है तथा जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित है (और इसमें
उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ह), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 31 जनवरी 78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिका, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिखने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) दी नागपुर जनरल मर्चेंट्स को-आपरेटिव मार्केट कम
हाउसिंग सोसायटी, ल०, गांधीबाग, नागपुर तर्फ
सचिव, श्री डी० एल० मुलतानी, सेंट्रल एवेन्यु
रोड, नागपुर

(अन्तरक)

(2) डा० रामकिशना पिता नारायणदास गुप्ता, गांधी
नगर, नागपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

साझेकरण :— इसमें प्रमुक शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 9, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड नं० 30, गांधी-
बाग, नागपुर।

ह०च० श्रीवास्तव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

दिनांक: 20 जून 1978

मोहर :

प्रलेप आई० ई० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 20 जून 1978

निर्देश श्र० ग्राम्य० ए० सी०/अर्जन/73(7)/78-79— यसः
मुझे, ह० च० श्रीवास्तव

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० दुकान नं० 11, प्लाट नं०-58 पर निर्मित, वार्ड नं० 30 है तथा जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित है (और इसमें उपावधि अनुसूची में और पूरी रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25 जनवरी, 78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी ओय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों अर्थात् :—

(1) दी नागपुर जनरल मर्चेंट्स को-आपरेटिव मार्केट कम हाऊसिंग सोसायटी, लि० गांधीबाग, नागपुर तक सचिव, श्री डी० एल० मुलतानी, मेट्रल एवेन्यू रोड, नागपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री आसुदानी उक्त असुदाराम पिता टिलुमल खूबचंदानी, जरापटका, नागपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्य हारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्य द्वारा अधीक्षाकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 11, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड नं० 30 गांधीबाग नागपुर।

ह० च० श्रीवास्तव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

दिनांक: 20 जून, 1978
मोहर :

प्रस्तुत प्राईंटी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 20 जून 1978

निर्देश क्र० आय० ए० सी०/अर्जन/73(8)/78-79—यह:
मुझे, ह० च० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि यह स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 14, प्लाट नं० 58 पर निर्मित,
बाईं नं० 30 है तथा जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित है (और इसमें
उपलब्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से (वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27 जनवरी, 1978 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्राप्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः ग्रन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रमात्र :—

(1) दी नागपुर मर्केंट्स को-ऑपरेटिव मार्केंट
कम हाऊसिंग सोसायटी लि०, गांधीबाग, नागपुर,
तरफ़, सचिव, श्री डॉ० एल० मुलतानी, सेंट्रल एवेन्यू
रोड, नागपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री मस्तारअली पिता मोहसन अली, इतवारी, नागपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधाय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 14, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, बाईं नं० 30,
गांधीबाग, नागपुर।

ह० च० श्रीवास्तव
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

दिनांक: 20 जून 1978
मोहर:

प्रस्तुप माई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 20 जून 1978

निर्देश क्र० आय० ए० सी०/अर्जन/73(9)/78-79—यतः
मुझे, ह० च० श्रीवास्तव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से प्रधिक है
और जिसकी सं० दुकान नं० 16, और गोडौन नं० 35, प्लाट नं०
58 पर निर्मित है तथा जो वार्ड नं० 30, गांधीबाग, नागपुर में
स्थित है (श्री इसमें उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 31
जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय को बायत 'उक्त
अधिनियम' के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य मास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रत, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपलाभ (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति:—

(1) दी नागपुर जनरल मर्चेंट्स को-ऑपरेटिव मार्केट कम
हाउसिंग सोसायटी लि०, गांधीबाग, नागपुर तरफे
सचिव, श्री डी० एल० मुलतानी, सेंट्रल एवेन्यू रोड,
नागपुर

(अन्तरक)

(2) सौ० रामवेन जः मधुसुदन देसाई, इतवारी, नागपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

लिखित:—इसमें अपुका शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के प्रधाय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय
में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 16, और गोडौन नं० 35, प्लाट नं० 58 पर निर्मित,
वार्ड नं० 30, गांधीबाग, नागपुर।

ह० च० श्रीवास्तव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

दिनांक: 20 जून, 1978

मोहर:

प्रधन आई०टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 20 जून 1978

निर्देश अंक 0 आय०ए० सी०/अर्जन/73(10)/78-79—यतः
मुझे, ह० च० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० दुकान नं० 17, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड नं० 30 है तथा जो गांधीबाग नागपुर में स्थित है (और इसमें उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27 जनवरी, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरेत की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (प्रतिशत) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः श्रेष्ठ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधितयों, अर्थात् :—

(1) दी नागपुर जनरल मध्येंट्रेम को-ऑपरेटिव मार्केट कम हाऊसिंग सोसायटी लि०, गांधीबाग, नागपुर तफे सचिव, श्री डी० एल० मुलतानी, सेंट्रल एवेन्यु रोड, नागपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री चंदनलाल पिता नाथूराम, सुदाम रोड, इसवारी, नागपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताशी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 17, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड नं० 30, गांधीबाग, नागपुर।

ह० च० श्रीवास्तव
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

दिनांक: 20 जून, 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 20 जून 1978

निर्देश क्र० आय० ए० सी०/अर्जन/73(11)/78-79—यतः

मुझे, ह० च० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 18, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड नं० 30 है तथा जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित है (और इसमें उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27 जनवरी, 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और इन्हरेक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) दी नागपुर जनरल मर्चेंट्स को-ऑपरेटिव मार्केट कम हाऊसिंग सोसायटी लि०, गांधीबाग नागपुर तके सचिव, श्री ई० एल० मुलतानी, सेंट्रल एवेन्यु रोड, नागपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री नोमनभाई पिता मुला बद्रुद्दीन, इतवारी, नागपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 18, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड नं० 30, गांधीबाग, नागपुर।

ह० च० श्रीवास्तव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, नागपुर

दिनांक: 20 जून, 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 20 जून 1978

निर्देश अं० आय० ए० सी०/अर्जन/73(12)/78-79—
यतः, मुझे, ह० च० श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० दुकान नं० 21, और गोडौन नं० 1, प्लाट नं० 58, बार्ड नं० 30 है तथा जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित है (और इसमें उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27 जनवरी, 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्त की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या मन्त्र आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) दी नागपुर जनरल मॉटर्स को-आरेटिव मार्केट कम हाउसिंग सोसायटी, लि०, गांधीबाग नागपुर तरफे, मत्तिव, श्री डी० एल० मुलतानी, सेंट्रल एवेन्यू, रोड, नागपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री मुला नशुमुदीन भाई पिता मोहम्मदभाई रेणम ओली, इतवारी, नागपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए रायंवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी मन्त्र व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 21 और गोडौन नं० 1 पर निर्मित, प्लाट नं० 58, बार्ड नं० 30, गांधीबाग, नागपुर।

ह० च० श्रीवास्तव
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

प्रभु: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक: 20 जून 1978
मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 20 जून 1978

निर्देश शं० आय० ए० सी०/अर्जन/73(13)/78-79—
यह, मुझे, ह० च० श्रीवास्तव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 21, और गोडौन नं० 1, प्लाट नं०
58, बांड नं० 30 है तथा जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित है (और
इसमें उपलब्ध प्रायुक्ति में श्रीरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27, जनवरी, 1978
को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह ग्रन्थि अन्तरित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या फिसी धन या अन्य ग्रास्तियों
को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट गई किया
गया था या किया जाना चाहिए या, द्विपाने
में सुविधा के लिए;

यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपार्ट :—

(1) दी नागपुर जनरल को-ऑपरेटिव मार्केट हाउसिंग
सोसायटी लि०, गांधीनगर नागपुर तक सचिव,
श्री डी० एल० मुलतानी, सेंट्रल एवेन्यू रोड,
नागपुर।

(अन्तरक)

(2) सौ० पारोबाई ज़ गनपतराव गोविन्दबार, बालाबाबू,
पेठ, नागपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृसूची

दुकान नं० 21, और गोडौन नं० 1, प्लाट नं० 58 पर निमित
बांड नं० 30, गांधीबाग, नागपुर।

ह० च० श्रीवास्तव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, नागपुर

दिनांक : 20 जून, 1978

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर दिनांक, 20 जून, 1978

निर्वेश क्र० आय० ए० सी०/अर्जन/73(14)/78-79—
यतः, मुझे, प० च० श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिस की सं० दुकान नं० 22, और गोडौन नं० 2, प्लाट नं०
58 पर निर्मित है तथा जो वार्ड नं० 30, गांधीबाग, नागपुर में
स्थित है (और इसमें उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1998 का 16) के अधीन, दिनांक
31 जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
नियित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

15—296GI—78

(1) दी नागपुर जनरल मर्चेंट्स को-ऑपरेटिव मार्केट कम-
हाउसिंग सोसायटी लि०, गांधीबाग, नागपुर, तर्फे,
मन्त्रिव, श्री डी० एल० मूलतानी, सेंट्रल एवेन्यु रोड,
नागपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री गणपतलाल मोहनलाल अग्रवाल, भंडारा रोड,
नागपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
नियित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

दुकान नं० 22, और गोडौन नं० 2, प्लाट नं० 58 पर निर्मित,
वार्ड नं० 30, गांधीबाग, नागपुर ।

ह० च० श्रीवास्तव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

दिनांक: 20 जून, 1978

मोहर :

प्रधन प्रभाई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का

धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 20 जून 1978

निदश क्र० आय० ए० सी०/अर्जन/73(15)/78-79—
यतः, मुझे, ह० च० श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 24, प्लाट नं० 58 पर निर्मित,
वार्ड नं० 30 है और जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित है (और
इसमें उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 31 जनवरी, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) भन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) दी नागपुर जनरल मार्केट्स को-ऑपरेटिव मार्केट कम-
हाउसिंग सोसायटी लि०, गांधीबाग, नागपुर, तर्फे
मचिव, श्री डी० एल० मुलतानी, सेंट्रल एवेन्यू
रोड, नागपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री मनीराम अनंत झांडे, शांतिनगर, नागपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यवाहियां फरता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इष सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः——इसमें संयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क म परिभासित
हैं, वही मर्ख होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दुकान नं० 24, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड नं० 30,
गांधीबाग, नागपुर

ह० च० श्रीवास्तव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, नागपुर

दिनांक : 20, जून 1978

मोहरः :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०————

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 20 जुलाई 1978

निर्देश क्र० आय० ए० सी०/अर्जन/73(16)/78-79—
यतः मुझे, क्र० एम० चावडा

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 27 और गोडौन नं० 7, प्लाट नं० 58 पर निर्मित है तथा जो वार्ड नं० 30, गांधीबाग, नागपुर में स्थित है (और इसमें उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27 जनवरी, 1978 को

पूर्खोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृद्धमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्खोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे बृद्धमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, मिन्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया या या किया भ्रामा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवधियों पर्वति :—

(1) दी नागपुर जनरल मर्केट्स को-ऑपरेटिव मार्केट कम-हाउसिंग सोसायटी लि०, गांधीबाग नागपुर तर्फ, सचिव श्री डी० एल० मुलतानी सेंट्रल एवेन्यु रोड, नागपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इस्टीकाबेगम जः मुल्ला अलीसाहेब मिर्जा गाली, गांधीबाग, नागपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्खोंक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्खोंक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 27 और गोडौन नं० 7, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड नं० 30, गांधीबाग नागपुर।

क्र० एम० चावडा
सकाम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

दिनांक : 20, जुलाई, 1978
मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 20 जुलाई 1978

निर्देश सं० आर० ए० सी०/अर्जन/73 (17)/78-79—
यतः, मझे, के० एम० चावडा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 28, और गोडौन नं० 25,
प्लाट नं० 58 पर निर्मित है तथा जो बांड नं० 30, गांधीबाग
नागपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन, तारीख 27 जनवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनुक्रम
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
निम्नलिखित व्यक्तियों, के अधीन अर्थात् :—

1. दी नागपुर जनरल मर्चेन्ट्स को-ऑप० मार्केट कम-
हाउसिंग सोसायटी लि० गांधीबाग नागपुर तर्फे, सचिव,
श्री डी० एल० मुलतानी, सेंट्रल एवन्यू बाग, नागपुर
(अन्तरक)
2. श्रीमति कौशल्या ज० अमरदास छावरीया, 124,
राजा गोपिचन्द्र भवन, गांधीबाग, नागपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

इष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में पथा परिभाषित हैं,
वही प्रथं होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दुकान नं० 28 और गोडौन नं० 25, प्लाट नं० 58 पर
निर्मित बांड नं० 30, गांधीबाग, नागपुर ।

के० एम० चावडा
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 20 जुलाई 1978
मोहर :

प्रस्तुप प्राई ० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 20 जनवरी 1978

निर्देश सं० आ०ई ए० सी०/अर्जन/73(18)/78-79—
यतः, मुझे, के० एम० चावडा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पावात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 29, प्लाट नं० 58 पर निर्मित वार्ड नं० 30 है, तथा जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्ताव के वायित्व में कमी करने पर उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी भत या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रत्येक अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, ये उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रष्ठातः—

1. दी नागपुर जनरल मर्चन्ट्स को-ऑप० मार्केट-कम हाउसिंग सोसायटी लि० गांधीबाग, नागपुर, तर्फे, सचिव, श्री डी० एल० मुलतानी, सेंट्रल एवेन्यू रोड, नागपुर (अन्तरक)

2. श्री सुलेमान इब्राहिम अनिस, सिताबडा, नागपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाट में ममाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 29, प्लाट नं० 58, पर निर्मित, वार्ड नं० 30, गांधीबाग, नागपुर।

के० एम० चावडा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन-रेंज, नागपुर

तारीख : 20 जनवरी, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269वां (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकल (मिरीक्षण)

अर्जन-रेंज, नागपूर

नागपूर, दिनांक 20 जनवरी 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/73(19)/78-79—

यतः मझे, कें एम० जावडा,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. दुकान नं० 31, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वाडे नं० 30 है, तथा जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित है (और इससे उपाखद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

30 जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मध्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी धाय की वादत, उसका प्रधि-
नियम के घटीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
जोर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या मन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रसः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्षा—

- दी नागपुर जनरल मर्चेंट्स को-ग्रांप मार्केट-कम हाउसिंग सोसायटी, लि० गांधीबाग, नागपुर, तर्फ, सचिव, श्री डी० एल० मुलतानी, सेंट्रल एवेन्यू रोड, नागपुर (अन्तरक)
 - श्रीमति विजया बाई ज० शोबराज नारंग सेंट्रल एवेन्यू रोड, चन्द्रलोक बिल्डिंग, नागपुर (अन्तरिती)

को यह सूखना जारी करके मूर्धाकृत मध्यस्थि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अजंते के सम्बन्ध में कोई भी आधेष्य :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के ग्रन्थाय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रन्थाय में दिया गया है।

अमृतजी

बुकान नं० 31, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वाडँ नं० 30,
गांवीबाग, नागपुर ।

के० एम० चावडा
सक्षम अधिकारी
सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
प्रजन्त रेंज, नागपूर

तारीख : 20 जनवरी, 1978

मोहर :

प्रह्लाद भाई० टी० एन० एम०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 20 जनवरी, 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/73(20)/78-79—
यतः, मुझे, के० एम० चावडा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० दुकान नं० 34, प्लाट नं० 58 पर निर्मित,
वार्ड नं० 30 है, तथा जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अन्नसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
30 जनवरी, 1978

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया ग्राहित
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धार्य की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धार्य या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्राहित:—

1. दी नागपुर जनरल बैंकेंट्स को-ऑप० मार्केट कम
हाउर्सिंग सोसायटी, लि० गांधीबाग, नागपुर, तर्फे,
सचिव, श्री डी० एल० मुलतानी, सेंट्रल एवेन्यू रोड,
नागपुर।
(अन्तरक)

2. श्री हसमुख मगनलाल सांगवी, म० मुलताई,
तहसील और जिला बैतुल
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्राहन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्राहन के मध्यम में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर मूल्यना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति पर हितबद्ध
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अघोषिताकारी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के ग्राह्याय 20-क में
परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्राह्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 34, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड नं० 30
गांधीबाग, नागपुर।

के० एम० चावडा
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 20 जनवरी 1978
मुहर :

प्रस्तुप शाई० टी० एम० एस०--

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 20 जुलाई 1978

निर्देश सं० आय० ए० सी०/अर्जन/73(21)/78-79—
यतः, मुझे, के० एम० चावडा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु
से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 39, प्लाट नं० 58 पर निर्मित,
वार्ड नं० 30 है, तथा जो गांधीवाग, नागपुर में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
27 जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिस्ते, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नागपुर जनरल मर्केन्ट्स को-ऑप० मार्केट कम हाउसिंग सोसायटी, लि० गांधीवाग, नागपुर, तर्फ, मचिव, श्री डी० एल० मुलतानी, सेंट्रल एवेन्यू रोड, नागपुर। (अन्तरक)

2. श्री करुणानी हुसेनगली, लोहाग्रोली, इतवारी, नागपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उक्त उपकारण में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 39, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड नं० 30, गांधीवाग, नागपुर।

के० एम० चावडा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन-रेज, नागपुर

तारीख : 20 जुलाई, 1978

मोहर :

प्रस्तुत आई० डी० एल० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 20 जुलाई 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/73(22)/78-79—

यतः, मुझे, के० एम० चावडा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से ग्रहित है

और जिसकी सं० दुकान नं० 40, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड नं० 30 है, तथा जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित है (और इससे उपावडा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27 जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यारोग लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या फिसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में मुश्विदा के लिए;

1. दी नागपुर जनरल मर्चन्ट्स को-आप० मार्केट कम हाउसिंग सोसायटी, लि०, गांधीबाग, नागपुर तरफ सचिव, श्री डी० एल० मुलतानी, सेंट्रल एवेन्यू रोड, नागपुर।

(अन्तरक)

2. श्री मुहम्मद बसीर अब्दुल गफकार, गांधीबाग, नागपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी तरह पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तात्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लप्पीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20क में परिभाषित है, वही प्रथम होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 40, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड नं० 30, गांधीबाग, नागपुर।

के० एम० चावडा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 20 जुलाई 1978
मोहर :

अतः अब उक्त अधिनियम को धारा 269-ना के प्रनस्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

प्राप्त प्राई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 20 जुलाई 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/73(23)/78-79-
यतः; मुझे, के० एम० चावडा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269ग के अधीन सक्षम प्राविकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-० से अधिक है,
और जिसकी सं० दुकान नं० 44, प्लाट नं० 58 पर निर्मित,
वार्ड नं० 30 है, तथा जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित है
(और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
25 जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धारा की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी धारा या किसी धन या अन्य मास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनामे अन्तरिती द्वारा प्रकृट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त प्रतिनिधि की धारा 269-ग की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अवक्षितियों पर्याप्ति:—

1. दी नागपुर जनरल मर्केन्ट्स को-आप० मार्केट कम
हाउसिंग सोसायटी, ली० गांधीबाग, नागपुर, तरफ़,
सचिव, श्री डी० एल० मुलतानी, सेंट्रल एवेन्य रोड,
नागपुर।

अन्तरक

2. श्री अर्जनदास हसनानन्द कुकरेजा, जरीपटका,
नागपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरें अवक्षितियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्षितियों
में से किसी अवक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

प्रमुखसूची

दुकान नं० 44, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड नं० 30,
गांधीबाग, नागपुर।

के० एम० चावडा

सक्षम प्राविकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नागपुर

तारीख : 20 जुलाई 1978

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 20 जुलाई 1978

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/73 (24)/78-79—
यतः, मुझे, के० एम० चावडा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के बारे में प्राप्ति आदि हारो को, यह विश्वास करने का कारण
है कि इसार प्राप्ति, जिसमें उन्नित वाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० दुकान नं० 45, प्लाट नं० 58 पर निर्मित,
वार्ड नं० 30 है, तथा जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
30 जनवरी, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उन्नित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उन्नित बाजार
मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
वन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
पौर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. वी नागपुर जनरल मर्चेन्ट्स को-ऑप० मार्केट कम
हाउसिंग सोसायटी, ली० गांधीबाग, नागपुर, तर्फे,
सचिव, श्री डी० एल० मुलतानी, सेंट्रल एवेन्यू,
नागपुर ।

(अन्तरक)

2. श्री माधव पुडलीक चाषपुरकर, गांधीबाग, नागपुर ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितदद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 45, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड नं० 30,
गांधीबाग, नागपुर ।

के० एम० चावडा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 20 जुलाई 1978
मोहर :

प्रक्रम आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 20 जुलाई 1078

निर्देश श्रं० आई० ए० सी०/अर्जन/73(25)/78-79—

यतः, मुझे, के० एम० चावडा,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 46, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड नं० 30 है, तथा जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, नागपुर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27 जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिमात्रक के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से ही किसी आय को बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य प्राप्तियों को जिस्में भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः यद्य, उक्त प्रधिनियम की बारा 269 ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की बारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रष्टातः—

1. वी नागपुर जनरल मर्चेन्ट्स को-ऑप० मॉर्केट कम् हाउसिंग सोसायटी, लि० गांधीबाग, नागपुर, तर्फ संचिव, श्री डी० एल० मुलतानी, सेंट्रल एवेन्यू, नागपुर

(अन्तरक)

2. श्री हुसेनभाई शेख अस्तुल करीम नादीर, 28-ए, चिट्ठविस नगर, छावनी, नागपुर

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 46, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड नं० 30, गांधीबाग, नागपुर ।

के० एम० चावडा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, नागपुर

तारीख : 20 जुलाई 1978

मोहर :

प्रश्न आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 20 जुलाई 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० /अर्जन/73(26)/78-79—

यतः, मुझे, के० एम० चावडा,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 48, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड नं० 30 है तथा जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और प्रत्यक्षित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तर राय गया प्रतिक्षण निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मासितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः प्रत, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

1. श्री नागपुर जनरल मर्केन्ट्स को-ऑप० मार्केन्ट कम हाऊसिंग सोसायटी, ली० गांधीबाग, नागपुर, तफ, सत्रिव, श्री डी० एस० मलतान, सेंट्रल एवेन्यू, नागपुर (अन्तरक)

2. श्रो असगर अली अकरबरअली, अकोला, त० प्रोर जिला अकोला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करस्ता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि पा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदार किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

इष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दुकान नं० 48 प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड नं० 30 गांधीबाग, नागपुर ।

के० एम० चावडा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नागपुर

तारीख : 20 जुलाई 1078

भोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 20 जुलाई 1978

निर्वेश सं० आर० ए० सी०/अर्जन/73/(27)/78-79—
यतः, मुझे, के० एम० चावडा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 49, प्लाट नं० 58 पर निर्मित,
वार्ड नं० 30 है, तथा जो गांधी बाग, नागपुर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
25 जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चव प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धननकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. दी नागपुर जनरल मर्चन्ट्स को-ऑप० मार्केट कम
हाउर्सिंग सोसायटी, लि० गांधीबाग, नागपुर, तर्फ़,
सचिव, श्री डी० एल० मुलतानी, सेंट्रल एवेन्यू, नागपुर
(अन्तरक)

2. श्री ईश्वरलाल भानाभाई पटंल, भंडारा रोड, नागपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

दुकान नं० 49, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड नं० 30,
गांधीबाग, नागपुर :

के० एम० चावडा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैज, नागपुर

तारीख : 20 जुलाई, 1978

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शायक (निरीक्षण)

अर्जन रैंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 20 जुलाई 1978

निर्देश सं० आर० ए० सी०/अर्जन/73(28)/78-79—

यहाँ, मझे, के० एम० चावड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-प
के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० दुकान नं० 50 और गोडोन नं० 15,
प्लाट नं० 58 पर निर्मित है, तथा जो वार्ड नं० 30, गांधीबाग
नागपुर में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, नागपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 30 जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः प्रबू, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नागपुर जनरल मर्केंट्स को-ऑपरेटर मार्केट कम
हाउसिंग सोसायटी, लि० गांधीबाग, नागपुर, तफ़े,
सचिव, श्री डी० एल० मुलतानी, सैंट्रल एवेन्यू, नागपुर
(अन्तरक)

2. श्री हजारीलाल गांडामल गर्म, पांचपावली, नागपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

दुकान नं० 50 और गोडोन नं० 15, प्लाट नं० 58 पर
निर्मित, वार्ड नं० 30, गांधीबाग, नागपुर ।

के० एम० चावड़ा
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर शायक (निरीक्षण)
अर्जन रैंज, नागपुर
तारीख : 20 जुलाई, 1978
मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एम० एस०-----

प्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सार्थक, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 20 जलाई 1978

निर्वेश सं० आर० ए० सी०/अर्जन/73(29)/78-79—

यतः, मझे, के० एम० चावडा,
प्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 वं
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विभास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० दुकान नं० 57 प्लाट नं० 58 पर निर्मित
वार्ड नं० 30, है, तथा जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित है
(और इससे उपाख्य अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नागपुर में रजिस्ट्रीकरण
ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
25 जनवरी, 1978

को-पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है प्रीर मुझे यह विभास करने
का कारण है कि व्यापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है प्रीर अन्तरक (अन्तरकों) प्रीर अन्तरिक्त
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में मुझे किसी प्राय की बाबत उक्त अधिक-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या धन्य भास्तियों
को, जिन्हे भारतीय प्रायकर ग्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-
कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगान्वयं अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269वं के अनु-
सरण में, मे, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269वं की उपाधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित धनियों, धर्यति :—

1. दी नागपुर जनरल मर्चन्ट्स को-आप० मार्केट कम
हाउसिंग सोसायटी, लि० गांधीबाग, नागपुर, तर्फे,
सचिव, श्री ढी० एल० मलतानी, सेन्ट्रल एवेन्यू, नागपुर
(अन्तरक)

2. श्री परेशकुमार विठ्ठलवास विठ्ठलानी (अग्रजान)
तर्फे, पालनकर्ता पिता श्री विठ्ठलदास वल्लभदास
विठ्ठलानी, सेवा सदन बिल्डिंग, सेन्ट्रल एवेन्यू, नागपुर
(अन्तरिक्त)

को यह सूचना जारी करके एक्रोक्स सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकों पर

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि प्राय तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
त्राद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में तो किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त
ग्रधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभासित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 57, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड नं० 30,
गांधीबाग, नागपुर।

के० एम० चावडा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 20 जुलाई 1978

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एम० एस०-----
प्राय० ५० अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नागपुर
नागपुर, दिनांक 20 जलाई 1978

निर्देश सं० आर० ए० सी०/अर्जन/73(30)/78-79—
यतः, मझे, के० एम० चावडा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ₹०
से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 56 और गोडोन नं० 16, प्लाट
नं० 50 पर निर्मित है, तथा जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित
है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
25 जनवरी, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये प्रतिक्रिया की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से
मध्यिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्या पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के प्रतिक्रिया के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
जीर्या

(छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाये
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः पत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपाधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अविनयों पर्वति :--

17-296 GI/78

1. श्री नागपुर जनरल मर्चेन्ट्स कोओप० मार्केट कम
हाउसिंग सोसायटी, लि० गांधीबाग, नागपुर, तफै
सचिव, श्री डी० एल० मुलतानी, सैट्रल एवेन्यू, नागपुर
(अन्तरक)
2. श्री विठ्ठलदास वल्लभदास विठ्ठलाची, सेवा सदन
विल्डिंग, सहुल एवेन्यू, नागपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई विवेद :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तात्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख में 30 दिन की अवधि, तो भी अवधि आद
में समाप्त होती है, तो भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
किसी श्वक्षित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सद
किसी श्वक्षित द्वारा, अधोदस्ताशरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 57 और गोडोन नं० 16, प्लाट नं० 58
पर निर्मित वार्ड नं० 30, गांधीबाग, नागपुर।

के० एम० चावडा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, नागपुर

तारीख : 20 जलाई 1978

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०---

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 20 जलाई 1978

निर्देश सं० आर० ए० सी०/प्रर्जन/73(31)/78-79—

यतः, मझे के० एम० चावडा,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 63 और गोडोन नं० 14, प्लाट नं० 58 पर स्थित है, तथा जो वार्ड नं० 30, गांधीबाग, नागपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्यसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 जनवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह से प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से इूई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य प्रासितियों को, जिस्हे भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए या, लिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269वं के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269वं की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

1. दी नागपुर जनरल मर्केन्ट्स को-ऑप० मार्केट कम हाउसिंग सोसायटी, लि० गांधीबाग, नागपुर, तर्फे, सचिव, श्री डी० एल० मुलतानी, सैट्रल एवेन्यू, नागपुर (अन्तरक)

2. श्री लक्ष्मीचन्द्र टीकमदास कंधारी, कोटा कालोनी, नागपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयित करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई सी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसंबंधी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहु किसी अन्य अधिकारी द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्यसूची

दुकान नं० 63 और गोडोन नं० 14, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड नं० 30, गांधीबाग, नागपुर।

के० एम० चावडा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 20 जलाई, 1978

मोहर :

प्रस्तुप भाई० दी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, चिनाक 20 जुलाई 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/73(32)/78-79—
यतः, मुझे, के० एम० चावडा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 64, प्लाट नं० 58 पर निर्मित,
वार्ड नं० 30 है, तथा जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित है
(और इससे उगाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
30 जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्त की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उस अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. दी० नागपुर जनरल मर्चन्टेस को-प्राप्त० मार्केट कम
हाउसिंग सोसायटी, लि० नागपुर, गांधीबाग, नागपुर,
तरफे, सचिव, श्री डी० एल० मुलतानी, सेंट्रल एकेन्यू,
नागपुर

(अन्तरक)

2. श्री भजनलाल टीकमदास कंधारी' कोठा कालोनी,
नागपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्बांते के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 64 प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड नं० 30,
गांधीबाग, नागपुर।

के० एम० चावडा
सक्षम प्राविकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 20 जुलाई 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नागपुर कार्यालय

नागपुर, दिनांक 20 जुलाई 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/73(33)/78-79--

यतः, मुझे, के० एम० चावडा,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।

और जिसकी सं० दुकान नं० 69, और गोडोन नं० 8, फ्लाट
नं० 58 पर निर्मित है, तथा जो वार्ष नं० 30, गांधीबाग
नागपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 27 जनवरी, 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृथ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कष्टित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के शायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सामिलियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया
आता आहुए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्जन :—

1. दी नागपुर जनरल मर्चन्ट्स को-ऑप० मार्केट
हाउसिंग सोसायटी, लि० गांधीबाग नागपुर, तफ,
सचिव, श्री डी० एल० मुलतानी, सेल एवेन्यु, नागपुर
(अन्तरक)
2. श्री जलाम केबरीया अहमद अख्तुल मन्दान, भालदार
पुरा, नागपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से
किसी अविक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अविक्त द्वारा, अधीक्षित द्वारा, अधीक्षित द्वारा
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के लाईय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 69 और गोडोन नं० 8, फ्लाट नं० 58 पर
निर्मित, वार्ष नं० 30 गांधीबाग, नागपुर।

के० एम० चावडा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, नागपुर

तारीख 20 जुलाई, 1978
मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस० —————

श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नागपुर कार्यालय

नागपुर, दिनांक 20 जुलाई 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/73(34)' 78-79-
यतः, मुझे, के० एम० चाबड़ा,

श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है और जिसकी सं० दुकान नं० 72, प्लाट नं० 58,
पर निर्मित, वार्ड नं० 30 है, तथा जो गांधीबाग नागपुर में स्थित
है (और इससे उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
27 जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः यद्यपि उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री नागपुर जनरल मर्केन्टस कोरप्शन्स० मार्केट कम
हाउसिंग सोसायटी लि० गांधीबाग, नागपुर, तर्फे
सचिव, श्री डॉ एल० मुलतानी, सेंट्रल एवेन्यु, नागपुर
(अन्तरक)

2. श्री शामवास ईश्वरदास माटवानी, बगडगंज, नागपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
पर्याप्त हित द्वारा होनी चाहीए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रश्नकृत शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है :

अनुसूची

दुकान नं० 72, प्लाट नं० 8 पर निर्मित, वार्ड नं० 30
गांधीबाग, नागपुर।

के० एम० चाबड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, नागपुर

तारीख : 20 जुलाई 1978

मोहर:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 20 जुलाई 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० /अर्जन/73(35)/78-79-यतः मुझे, के० एम० चावडा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 73 और गोडोन नं० 4, प्लाट,
नं० 58 पर निर्मित है, तथा जो बाँद नं० 30, गांधीबाग
नागपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 31 जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण
निर्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनात्म अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. दी नागपुर जनरल मच्टेस को-आप० मार्केट कम
हाउसिंग सोसायटी, लि० गांधीबाग, नागपुर, तर्फ
सचिव, श्री डॉ एल० मुलतानी, सेंट्रल एवेन्यू, नागपुर
(अन्तरक)

2. श्री अतनवास ईश्वरदास, बगडगंज, नागपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बल्ली व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बावर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निर्धित में किए जा सकेंगे।

स्थानोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 73 और गोडोन नं० 4, प्लाट नं० 58 पर
निर्मित, बाँद नं० 30, गांधीबाग, नागपुर।

के० एम० चावडा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, नागपुर

तारीख : 20 जुलाई, 1978

मौहर :

प्रह्लप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 20 जुलाई 1978

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/73(36)/78-79—

यतः, मुझे, के० एम० चावडा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269ए
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु.
से अधिक है।

और जिसकी सं० दुकान नं० 77, प्लाट नं० 58 पर निर्मित,
वार्ड नं० 30 है, तथा जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित है
(और इससे उपावढ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नागपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
31 जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तब पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उक्त सम्पत्ति से उक्त प्रतिरक्षण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रतिरक्षण से हुई किसी प्राव और बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व
में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिये;
प्रो/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी झन या अन्य धार्तियों
को, जिसे भारतीय आमकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या बनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या, या किया
जाना आहिए या, छिपाने में सुविधा के लिये।

गत: अब, उक्त अधिनियम की आरा 269-ए के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की आरा 269-ए की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अवृत्त :—

1. दी नागपुर जनरल मर्टेंट कोआप० मार्टेंट कम
हाउसिंग सोसायटी लि०, गांधीबाग, नागपुर, तर्फे,
(अन्तरक)

2. श्री मोहनलाल प्रेमजी कोठारी, भगवाधर, नागपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्मांधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि भाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति हारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही प्रथम होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 77, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड नं० 30,
गांधीबाग, नागपुर।

के० एम० चावडा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 20 जुलाई 1978

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 20 जुलाई 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/73(37)/78-79—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।

और जिसकी सं० दुकान नं० 81 और गोडोन नं० 29, प्लाट
नं० 58 पर निर्मित है, तथा जो घाँड़ नं० 30, गांधीबाग,
नागपुर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 30 जनवरी 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये
और/वा

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या बन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात्:—

1. दी नागपुर जनरल मचेंट्स को-ऑप० भार्केट कम
हाउसिंग सीसायटी, लि० गांधी बाग, नागपुर, तर्फे,
सचिव श्री डी० एल० मुलतानी, सेंट्रल रेवेन्यू, नागपुर
(अन्तरक)

2 श्री मदनगोपाल देव, कटोल तहसील काटोल,
जिल्हा नागपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से
किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अधिकारी द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्षणीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 81 और गोडोन नं० 29, प्लाट नं० 30 पर निर्मित,
घाँड़ नं० 30, गांधीबाग, नागपुर।

के० एम० चावडा

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 20 जुलाई, 1978

मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

स्पेशल क्लास रेलवे प्रैरेंटिसेज परीक्षा 1979

नई दिल्ली, विनांक 21 अक्टूबर 1978

सं० एफ० ५/२/७८-ई-१(बी०)।—भारत के राजपत्र, विनांक 21 अक्टूबर, 1978 में रेल मंत्रालय (रेल बोर्ड) द्वारा प्रकाशित नियमों के प्रनुसार यांत्रिक हंजीनियरों को भारतीय रेल सेवा में स्पेशल क्लास प्रैरेंटिस के पदों पर नियुक्ति हेतु यथा के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटियाला, पटना, शिलांग, शिमला, श्रीनगर तथा लिंगेन्ड्रम में 20 मार्च, 1979 से एक परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यदि चाहे तो परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारंभ की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रविष्ट किए गए उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा। (विविध उपांक II, पैरा 11।)

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिकियों की भनुमानित संख्या 12 है। इस संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

इन रिकियों में से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षण भारत सरकार द्वारा निश्चित संख्या के प्रनुसार किया जाएगा।

3. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित आवेदन-प्रपत पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत तथा परीक्षा से संबंध पूर्ण विवरण दो रूप देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि, सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भारतीय पोस्टल बैंक की सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली जनरल बैंकर पर देय भारतीय पोस्टल बैंकर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीषांडर/पोस्टल बैंकर के स्थान पर बैंक या करेंट नोट स्वीकार नहीं किए जाएं। ये आवेदन-प्रपत आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

ये रूपए की यह राशि किसी भी हाल में वापस नहीं की जाएगी।

नोट:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र स्पेशल क्लास रेलवे प्रैरेंटिसेज परीक्षा, 1979 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत में ही प्रस्तुत करें। स्पेशल क्लास रेलवे प्रैरेंटिसेज परीक्षा, 1979 के लिए निर्धारित आवेदन-प्रपतों से हितर प्रपतों पर भरे हुए आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

4. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रमाण-पत्रों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पास 11 दिसम्बर, 1978 को या उससे पहले (25 दिसम्बर, 1978 से पहले की किसी तारीख से विवेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार तथा लक्ष्मीपुर में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 11 दिसम्बर, 1978) तक अवश्य पहुंच जाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

विवेशों में या अंडमान एवं निकोबार हीप समूह में या लक्ष्मीपुर में रहने वाले उम्मीदवार से, आयोग यदि चाहे तो, इस बात का सिखित

प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 11 दिसम्बर, 1978 से पहले की किसी तारीख से विवेशों में या अंडमान एवं निकोबार हीप समूह में या लक्ष्मीपुर में रह रहा था।

5. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ रु० 36.00 (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 9.00) का शुल्क जो सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली प्रधान बैंकर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल बैंकर के रूप में हो या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के नाम भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखा, नई दिल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हों।

विवेश में रहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे अपने यहाँ के भारत के उच्च आयुस्त, राजदूत या विवेश स्थित प्रतिनिधि, जैसी भी स्थिति हो, के कार्यालय में निर्धारित शुल्क जमा करें। जिससे वह “051 लोक सेवा आयोग परीक्षा शुल्क” के लेखा शीर्ष में जमा हो जाए और उसकी रसीद आवेदन-पत्र के साथ भेज दें।

जिन आवेदन-पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एक वर्म अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होगा जो पैराग्राफ 6 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

6. आयोग, यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह वात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 की प्रवधि में भूतपूर्व पाकिस्तान (प्रब्ल बंगला देश) से भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, या वह बर्मा में वास्तविक रूप में प्रस्थावित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, या वह श्रीलंका से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद प्रवज्ञन कर भारत आया है या अक्टूबर 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के प्रभीत श्रीलंका से मूलतः भारतीय व्यक्ति है जिसके प्रवज्ञन करने की संभावना है और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

7. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो, तो उसे रु० 21.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में रु० 5.00) की राशि बाप्सिस कर दी जाएगी। किन्तु यदि नियम 6 के नीचे नोट II की शर्तों के अनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार का आवेदन-पत्र यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया जाता है कि वह अवृक्त परीक्षा में प्रसफल रह है अथवा वह उपर्युक्त नोट के उपर्युक्त की शर्तों की अपेक्षाओं का अन्यथा पालन नहीं कर सकता तो वह शुल्क बाप्सी का हक्कदार नहीं होगा।

उपर्युक्त उपर्युक्त व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की बाप्सी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और नहीं शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आवश्यक रखा जा सकेगा।

उम्मीदवार द्वारा अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीदवारी वापस लेने से संबंध किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उपायक्रमउम्मीदवारों को अनुदेश

1. उम्मीदवारों को आहिए कि वे आवेदन प्रपत्र भरने से पहले नोटिस और नियम ध्यान से पढ़ कर यह बेल से कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवारों को नोटिस के पैराग्राफ 1 में विए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहाँ वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबंध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को आवेदन-प्रपत्र तथा पात्रती कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

सरकारी नौकरी में या सरकारी स्वामित्व वाले आधारिक उद्यमों या इस प्रकार के अन्य संगठनों या निजी रोजगारों में पहले से काम करने वाले सभी उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्र आयोग को सीधे भेजने चाहिए। यदि कोई ऐसा उम्मीदवार अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता की मार्फत भेजता है और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचता है तो भी उस पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को अंतिम तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

किन्तु जो अक्षित पहले ही सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी हैसियत से अधिकारी आकस्मिक या दैनिक वर कर्मचारी से इतर निर्माण प्रभारी कर्मचारियों की हैसियत से कार्य कर रखे हैं इससे पूर्व कि उन्हें परीक्षा में अंतिम रूप से प्रवेश दिया जाए उन्हें अपने कार्यालयाध्यक्ष/विभागाध्यक्ष की अनुमति प्राप्त करना अपेक्षित है। उन्हें आवेदन-पत्र के घंत में विए गए प्रमाण-पत्र के प्रपत्र की 2 प्रतियाँ निकाल कर अपने आवेदन-पत्र आयोग को सीधे भेज देने चाहिए और प्रमाण-पत्र के प्रपत्र को तुरन्त ही अपने कार्यालयाध्यक्ष/विभागाध्यक्ष को इस अनुरोध के साथ प्रस्तुत कर देना चाहिए कि वे विधिवत् से प्रमाण-पत्र के प्रपत्र की एक प्रति सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, नई विल्ली के प्रधान डाकघर पर देय हैं।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण-पत्र अवश्य भेजने चाहिएः—

- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आईर या बैंक ड्राफ्ट (देखिए नोटिस का पैरा 5)।
- (ii) आयु के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी. X 7 सें. मी.) के फोटो की तीन एक जैसी प्रतियाँ।
- (v) स्कूल और कालेज में उम्मीदवार के प्राकार (लगभग 5 सें. मी. X 7 सें. मी.) के फोटो की तीन एक जैसी प्रतियाँ।
- (vi) जहाँ लागू हो वहाँ अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के बावें के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।

(vii) जहाँ लागू हो वहाँ आयु में छूट/शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि। (देखिए नीचे पैरा 5 और 6)।

नोट—उम्मीदवारों को अपने आवेदनपत्रों के साथ उपर्युक्त मद (ii) (iii), (vi) तथा (vii) पर उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतियाँ ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित हों अथवा इसके द्वारा सही रूप में सत्यागित हों। लिखित परीक्षा के परिणाम मई, 1979 महीने में घोषित किए जाने की संभावना है। जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणामों के आधार पर अविकाल्प परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए अंतहाल प्राप्त कर सेते हैं उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तुरन्त बाद उपर्युक्त प्रमाण-पत्रों की मूल प्रतियाँ प्रस्तुत करनी होंगी। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्रों को अक्षितव परीक्षण के समय प्रस्तुत करने हेतु तैयार रखना चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय प्रपेक्षित प्रमाण-पत्रों को मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और आगे विचार के लिए उन उम्मीदवारों का कोई दावा नहीं होगा।

मद (i) से (iv) तक उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं और मद (vi) और (vii) में उल्लिखित प्रलेखों का विवरण पैरा 4, 5 और 6 में दिया गया है।

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आईर—

प्रत्येक पोस्टल आईर अनिवार्यतः रेखांकित किया जाए तथा उस पर “सचिव संघ लोक सेवा आयोग को नई विल्ली के प्रधान डाकघर पर देय” लिखा जाना चाहिए।

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आईर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विस्तृप्ति या कटे फटे पोस्टल आईर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आईरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह अवश्य नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल आईर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई विल्ली के जनरल डाकघर पर देय हों उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ब) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शाखा से प्राप्त किया जाए और सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इंडिया की मुख्य शाखा, नई विल्ली में देय हो तथा विधिवत् रेखांकित किया गया हो।

किसी अन्य बैंक में देय बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विस्तृप्ति या कटे फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

(ii) आयु का प्रमाण पत्र—आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिक्युलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने

के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या विश्वविद्यालय के समुचित प्राप्तिकारी द्वारा प्रमाणित विश्वविद्यालय के मैट्रिक पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण में दर्ज की गई हो। जिस उम्मीदवार ने उच्चतर माध्यमिक अध्ययन के समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र अध्ययन के समकक्ष प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदेशों के इस भाग में आए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हैडमास्टर/प्रिसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहाँ से उसने मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के वाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को जेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी जेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई जन्म की तारीख से अलग और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

नोट 1:—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करके माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे उस प्रमाण-पत्र की केवल आयु से संबद्ध प्रतिलिपि वाले पाठ की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि ही भेजनी चाहिए।

नोट 2:—उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए उनके द्वारा जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

(iii) **शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र:**—उम्मीदवार को किसी प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए ताकि इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 6 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राप्तिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि से भेजी जाए तो उम्मीदवार ने उसे न भेजने का कारण बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से संबद्ध अपने दावे के समर्थन में कोई अन्य प्रमाण प्रस्तुत करना चाहिए। आयोग इस प्रमाण के औचित्य पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं है।

यदि उम्मीदवार द्वारा अपनी शैक्षिक योग्यताओं के समर्थन में प्रस्तुत किए गए विश्वविद्यालय के हैटरमीडिएट या कोई अन्य अहंक परीक्षा पास करने के प्रमाण-पत्र में सभी उत्तीर्ण विषयों का उल्लेख नहीं है तो उसे प्रिसिपल के इस आशय के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसने अहंक परीक्षा गणित के साथ-साथ भौतिकी और रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय लेकर उत्तीर्ण की है।

जिस उम्मीदवार पर नियम 6(ज) या नियम 6(झ) लागू होता हो तो उसे अपनी शैक्षिक योग्यताओं के प्रमाण स्वरूप सम्बद्ध विश्वविद्यालय के रजिस्टर/कालेज के प्रिसिपल/संस्था के अध्यक्ष से नीचे दिए गए निर्धारित फार्म में लिए गए प्रमाण पत्र को प्रतिलिपि अवश्य प्रस्तुत करनी चाहिए।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/*कुमारी—

सुनुत्र/सुनुत्री* श्री ————— इस विश्वविद्यालय/कालेज*/संस्था के/को* वास्तविक छात्र/छात्रा* हैं/थे/थी।

2. उन्होंने विवरीय डिप्पी कोर्स की प्रथम वर्ष की परीक्षा/पंचवर्षीय इंजीनियरी डिप्पी कोर्स की प्रथम वर्ष की परीक्षा ग्रामीण उच्चतर शिक्षा की राष्ट्रीय परियद की ग्रामीण सेवाओं में विवरीय डिप्लोमा कोर्स की प्रथम परीक्षा जो ————— को समाप्त हुई, उत्तीर्ण कर ली है और उन्हें प्रथम वर्ष के लिए निर्धारित विषयों में से किसी में भी फिर से परीक्षा में नहीं बैठना है।

अध्ययन

उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विवरीय डिप्पी कोर्स की प्रथम/द्वितीय* वर्ष की परीक्षा/* पंचवर्षीय इंजीनियरी डिप्पी कोर्स की प्रथम वर्ष की परीक्षा ————— श्रेणी में उत्तीर्ण कर ली है।

*3. उसके परीक्षा-विषय निम्नलिखित ये:—

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.
- 5.

*पंचवर्षीय इंजीनियरी डिप्पी कोर्स के विद्यार्थियों पर लागू नहीं होगा।

(रजिस्टर/प्रिसिपल के हस्ताक्षर)
(विश्वविद्यालय/कालेज/संस्था का नाम)

तारीख

स्थान

*जो शब्द लागू न हो उम्हें कृपया काट दें।

जिस उम्मीदवार पर नियम 6 के नीचे दिया गया नोट 1 लागू होता हो उसे जिस संस्था से उसने परीक्षा पास की हो उसके प्रिसिपल/हैडमास्टर से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसके कुल अंक विश्वविद्यालय/कोई द्वारा निर्धारित प्रथम या द्वितीय श्रेणी की अंक सीमाओं के अंतर्गत आते हैं।

नोट :—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है तर अभी उसे परीक्षा के परिणाम को सूचना न मिली हो तो ऐसी स्थिति में वह इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अहंक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। किन्तु ऐसे उम्मीदवारों को निम्नलिखित निर्धारित फार्म में संबद्ध कालेज/संस्था के प्रिसिपल से एक प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि वे अन्य शब्द पूरी करते हों तो उनको परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की पह अनुमति अनंतिम मात्रा जाएगी और यदि वे अहंक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में 26 अप्रैल, 1979 से पहले प्रस्तुत नहीं करते तो वह अनुमति रद्द की जा सकती है।

परीक्षा में इस प्रकार बैठने की अनुमति प्राप्त उम्मीदवार को, वह इस परीक्षा के लिखित भाग में उत्तीर्ण हो अपश्य नहीं, सप्तर्युक्त अवधि के भीतर अर्थक परीक्षा पास करने का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करता होगा। इस अनुवेश का पालन न करने पर उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और वह अपना परिणाम जानने का अधिकारी नहीं होगा।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का कार्य

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/ *कुमारी सुपूर्व/ *सुपुत्री श्री— निम्नलिखित विषय सेकर द्वारा संचालित—
परीक्षा में— नाम, 19—, में बैठने वाले/वाली* है बैठ चुके/चुकी* हैः—

- (i)
- (ii)
- (iii)
- (iv)
- (v)

प्रिसिपल के हस्ताक्षर
(कालेज/संस्था* का नाम)

तारीख—

स्थान—

*जो शब्द लागू न हों उन्हें काट दें।

(iv) फोटो की दो प्रतियाँ—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पास पोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी० 7 सें. मी०) के फोटो की दो एक ऐसी प्रतियाँ अवश्य मेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति आवेदन पत्र के साथ अक्षी तरह नर्ती कर देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्थानी से हस्ताक्षर करनें चाहिए।

व्यान दें—उम्मीदवार को चेतावनी दी जाती है कि यदि कोई आवेदन-पत्र उपर्युक्त पैरा 3 (ii), 3(iii), 3(iv) तथा 3 (v) के अन्तर्गत उल्लिखित प्रमाण-पत्रों में से किसी के साथ प्रस्तुत नहीं किया जाता और इसे स भेजने के लिए कोई उचित स्पष्टीकरण नहीं दिया जाता तो आवेदन-पत्र अस्वीकृत किया जा सकता है तथा इसकी अस्वीकृति के लिए किसी अपील पर विचार नहीं किया जाएगा। जो प्रमाण-पत्र आवेदन-पत्र के साथ प्रस्तुत नहीं किए जाते वे आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के तुरन्त बाद भेज दिए जाने चाहिए और वे हर हालत में आयोग के कार्यालय में (उपर्युक्त पैरा 3 (iii) के नोट में दी गयी व्यवस्था के अनुरूप) आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अनिम तारीख से एक महीने के भीतर अवश्य पहुंच जाने चाहिए। अन्यथा आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन-जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिस में उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आमतौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप-मण्डल अधिकारी या निम्नलिखित किसी अन्य ऐसे अधिकारी से, जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में लिए गए प्रमाण-पत्र की अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हों तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी प्रयोजन से आमतौर पर रहता हो।

भारत सरकार के पर्यों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जाति के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी* सुपूर्व/ *सुपुत्री* श्री— जो गांव/कस्ता* जिला/मण्डल* राज्य/संघ*

राज्य क्षेत्र— के/की निवासी हैं जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन* जाति के रूप में मान्यता दी गई है—

संविधान (अनुसूचित जातियाँ) आवेदन, 1950*

संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ) आवेदन, 1950*

संविधान (अनुसूचित जातियाँ) (संघ राज्य क्षेत्र) आवेदन, 1951*

संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ) (संघ राज्य क्षेत्र) आवेदन, 1951*

(अनुसूचित जातियाँ और अनुसूचित जन जातियाँ सूची (आयोगन) आवेदन, 1956, बन्धव पुनर्गठन प्रविनियम 1960, पंजाब पुनर्गठन प्रविनियम, 1966 हिमाचल प्रदेश राज्य प्रविनियम, 1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) प्रविनियम, 1971 तथा अनुसूचित जातियाँ और अनुसूचित जन जातियाँ (संशोधन) प्रविनियम, 1967 द्वारा यथा संशोधित)।

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियाँ आवेदन, 1956*

संविधान (मण्डलान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जन जातियाँ

आवेदन, 1959* अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन जातियाँ (संशोधन) प्रविनियम, 1976* द्वारा यथा संशोधित

संविधान (दावरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियाँ आवेदन, 1962*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1964*

संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967*

संविधान (गोआ, वर्म और दियु) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1968*

संविधान (गोआ, वर्म और दियु) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1968*

संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1970*

2. श्री/श्रीमती/कुमारी* और/या*

उनका परिवार आमतौर से गांव/कस्ता* जिला/मण्डल*

राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र में रहते/रहती* हैं।

हस्ताक्षर —

पदनाम —

(कार्यालय की ओहर)

स्थान —

तारीख —

राज्य*

संघ राज्य क्षेत्र

*जो शब्द लागू न हों उन्हें काट दें।

नोट:—यहां “आमतौर से रहते/रहती हैं” का अर्थ यही होगा जो “प्रिंजेसेन आफ वी पीपुल एस्ट, 1950” की धारा 20 में है।

नियमित जाति जन जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी।

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/प्रतिरिक्षित जिला मैजिस्ट्रेट/कॉर्टर/ हिप्टी अमिनर/एडीशनल डिप्टी कमिनर/डिप्टी कलेक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइ-डीरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/समिक्षीय जिला मैजिस्ट्रेट/तालुक मैजिस्ट्रेट/कॉर्टियर मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिनर।

†(प्रथम श्रेणी के स्टाइ-डीरी मैजिस्ट्रेट से कम आहवे का नहीं)

(ii) चौक प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल चौक प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट।

(iii) रेवेन्यू अफसर जिनका आहवा तहसीलदार से कम न हो।

(iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहां उम्मीदवार और/या उसका परिवार आमतौर से रहता है।

(v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/इकायपरमेंट अफसर, लक्ष्मीपुर।

5. (i) नियम 5(ख) (ii) अथवा 5(ख) (iii) के अन्तर्गत) आयु में छूट और/या नोटिस के पैरा 6 के अनुसार शुल्क से छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश में विद्युत व्यक्ति को निम्नसिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिये ए प्रमाण पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह भूतपूर्व पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वास्तविक पिस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 नवंबर 1971 के बीच की अवधि में प्रदर्शन कर भारत आया है:—

(1) बण्डकार्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता प्रियों के कैम्प कमांडेंट।

(2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर रहा है।

(3) सम्बद्ध जिले में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी अधिकारी अधिकारी जिला मैजिस्ट्रेट।

(4) अपने ही कार्यालय के अधीन सम्बद्ध सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल अफसर।

(5) उप-शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिमी बंगला/निदेशक (पुनर्वास) कलकत्ता।

(ii) नियम 5(ख) (iv) अथवा 5(ख) (v) के अन्तर्गत आयु में छूट और/या नोटिस के पैरा 6 के अनुसार शुल्क से छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत में उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिये गये इस आशय के प्रमाण पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर 1964, के भारत-श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है।

(iii) नियम 5(ख) (vi) अथवा 5(ख) (vii) के अन्तर्गत आयु में छूट और/या नोटिस के पैरा 6 के अनुसार शुल्क से छूट का दावा करने वाले वर्षा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजतृतावास रंगून द्वारा दिये गये पंचिवान प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963, को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिये गये प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह वर्षा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।

(iv) नियम 5(ख) (viii) अथवा 5(ख) (ix) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, पुनर्वास, रक्षा मंत्रालय से नीचे निर्धारित कार्म पर लिये गये प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विवेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा असांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म:—

प्रमाणित किया जाता है कि मूलिट _____ के रैक नं० _____ की रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विवेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में/असांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर _____
पदनाम _____
तारीख _____

*जो शब्द लागू न हो उसे कृपया काट दें।

(v) नियम 5(ख) (x) अथवा 5(ख) (xi) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो सीमा सुरक्षा वल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, सीमा सुरक्षा वल, गृह मंत्रालय से नीचे निर्धारित कार्म पर लिये गये प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह सीमा सुरक्षा वल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक शत्रुता संघर्ष के दौरान विकलांग हुआ और परिणाम स्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म:—

प्रमाणित किया जाता है कि मूलिट _____ के रैक नं० _____ की सीमा सुरक्षा वल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक शत्रुता संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर _____
पदनाम _____
तारीख _____

(vi) नियम 5(ख) (xii) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले वियतनाम से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को, फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी है, उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिये गये प्रमाण पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह वियतनाम से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और वियतनाम से जूनाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है।

(vii) नियम 5(ख) (iii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले कोनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य द्वानिया से आये हुए उम्मीदवार को या जानिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित भारत मूलक उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है लिये गये प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह वास्तव में जपर्युक्त वेंों से आया है।

(viii) नियम 5(ग) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले उम्मीदवार को (i) निरोधन प्राधिकारी से उनकी मुहर लगे प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिये जिसमें यह लिखा हो कि उक्त उम्मीदवार आन्तरिक सुरक्षा अनुरक्षण अधिनियम के अन्तर्गत निश्च द्वारा आया था या (ii) जिस उपमंडल मैजिस्ट्रेट के क्षेत्राधिकार में

वह हलाका भासा हो उसके प्रमाणपत्र की एक अभिप्राणाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिये जिसमें लिखा हो कि उम्मीदवार भारत रक्षा तथा आन्तरिक सुरक्षा अधिनियम, 1971 या उसके अन्तर्गत बने नियमों के अन्तर्गत गिरफ्तार या कैद हुआ था और जिसमें तारीख विनिविष्ट हों जिनके बीच वह गिरफ्तार या कैद रहा था तथा जिसमें प्रमाणित हो कि निरोध या गिरफ्तारी या फैद, जैसी भी स्थिति हो, उम्मीदवार के राजनीतिक सम्बन्धों या कार्यकलापों या तकालीन प्रतिबन्धित संगठनों से उसके सम्बन्ध रखने के अनुसरण में थी।

6. जो उम्मीदवार ऊरं पैरा 5(i), (ii) और (iii) में किसी भी वर्ष के मोटिस के अन्तर्गत मोटिस के पैरा 6 के अनुसार शुल्क में छूट का दावा करता है, उसको किसी जिला अधिकारी या सरकार के राजपत्रित अधिकारी या संसद सबस्य या राज्य विधान मंडल के सबस्य से, यह विद्वाने के लिये कि वह निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है, इस आशय का एक प्रमाणित पत्र लेकर उसकी अभिप्राणाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी प्रस्तुत करनी होती।

7. यदि किसी व्यक्ति के लिये पात्रता-प्रमाण पत्र (एलिजिविलिटी सर्टिफिकेट) आवश्यक हो तो उसे अधिकारी या सरकार के लिये भारत सरकार के रेल मंत्रालय (रेल बोर्ड) को आवेदन करना चाहिये।

8. उम्मीदवारों को नेताबनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई सूचा व्यौरा न दें अथवा किसी सही सूचना को न छिपायें।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे प्रमाणपत्र अधिकार द्वारा प्रस्तुत की गई प्रति की किसी प्रतिविट को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उसमें परिवर्तन करें और न उसमें कोई फेरबदल करें और न ही फेरबदल किये गये मृठे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या अधिक प्रमाण-पत्रों या उनकी प्रतियों में कोई अपूर्ण अधिकार विसंगति हो तो विसंगति के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाये।

9. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किये जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जायेगा कि आवेदन-प्रपत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-प्रपत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

10. यदि परीक्षा से सम्बद्ध आवेदन-पत्रों के पहुंच जाने की आविष्कारी तारीख से एक मास के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पावसी (एन्नालिजमेंट) न मिले तो उसे पावसी प्राप्त करने के लिये आयोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिये।

11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथासीम दे दी जायेगी। किस्तु यह नहीं कहा जा सकता है परिणाम का सूचित किया जायेगा। परन्तु यदि परीक्षा के

पुरु होने की तारीख से एक महीने के पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम की जानकारी के लिये उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिये। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मालिन में विचार किये जाने के बावें से बंचित हो जायेगा।

12. नियमों और प्रश्न-पत्रों से सम्बद्ध पुस्तिकार्यों—स्टेशन फ्लास रेलवे अपेंटिसेज परीक्षा, 1978 से इस परीक्षा की योजना में सम्मिलित सभी प्रश्न-पत्रों के लिये वस्तुपरक प्रश्नों के होने से इस परीक्षा के लिये नियमों और प्रश्न-पत्रों से सम्बद्ध पुस्तिकार्यों का आपना बद्ध कर दिया है। किन्तु 1978 में ही परीक्षा तक की पिछली परीक्षाओं के नियमों और प्रश्न-पत्रों से सम्बद्ध पुस्तिकार्यों की विकी प्रकाशन नियन्त्रक, सिविल लाइसेंस, दिल्ली (110054) के द्वारा की जाती है और उन्हें वहाँ से मेल आंडर अधिका नकद भुगतान द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल रिपोर्ली सिनेमा के सामने एम्पोरिया बिल्डिंग सी ब्लाक, बाबा खाली सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001, (ii) प्रकाशन शाखा का बिक्री काउन्टर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 तथा (iii) गवर्नरमेंट आफ इंडिया बुक लिपो, 8 के० एस० राय रोड, कलकत्ता-1 से भी केवल नकद पैसा बेकर खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकार्य विभिन्न मुक्तिसम नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

13. आवेदन-पत्र से सम्बद्ध पत्र व्यवहार:—आवेदन पत्र से सम्बद्ध सभी पत्र आविष्कार, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजे जायें तथा उनमें नीचे लिखा व्यौरा अनिवार्य रूप से विद्या जाये।

1. परीक्षा का नाम

2. परीक्षा का महीना और वर्ष

3. रोल नम्बर अधिका उम्मीदवार की जन्म-तिथि यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया हो।

4. उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े प्रभारों में)

5. आवेदन पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता

ध्यान दें:—जिन पत्रों में यह व्यौरा नहीं होगा संम्बतः उन पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।

14. पते में परिवर्तन:—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर देनी चाहिये कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गये पत्र आदि आवश्यक होने पर, उसको बचने हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 12 में उल्लिखित व्यौरे के साथ यथा शीघ्र दी जानी चाहिए आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का प्रो-पूरा प्रयत्न करता है। किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 23th September 1978

No. A. 32016/2/78-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri Ram Singh, a permanent Research Assistant (R&S) and officiating as Research Investigator in the office of Union Public Service Commission, to officiate on an *ad hoc* basis as Junior Research Officer (R&S) in the Commission's office for the period from 27-9-1978 to 30-11-1978, or until further orders, whichever is earlier, *vise* Smt. Raj Kumari Anand, Junior Research Officer (R&S) granted leave.

P. C. MATHUR,
Under Secy.
for Secy.

New Delhi-110011, the 14th August 1978

No. P. 2188/Admn.III.—Consequent on his selection for Central Service, Class I/Indian Police Service on the results of the I.A.S. etc. Examination 1977, Shri K. K. Jha, a permanent Section Officer of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission, relinquished charge of the office of Section Officer in the office of Union Public Service Commission with effect from the afternoon of 11th July, 1978.

The 16th September 1978

No. A. 32013/1/77-Admn.I.—In continuation of Union Public Service Commission Notification of even No. dated 29-7-78, the President is pleased to appoint Shri L. B. Sinate, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the CSS cadre of the Union Public Service Commission, as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission, w.e.f. 17-9-78, until further orders.

No. A. 32013/1/77-Admn.I.—In continuation of Union Public Service Commission Notification of even No. dated 29-7-78, the President is pleased to appoint Shri Pritam Lal, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the CSS cadre of the Union Public Service Commission as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission, w.e.f. 1-9-78 until further orders.

The 21st September 1978

No. P/1864-Admn.I.—The services of Smt. Lakshmi Raja Ram Bhandari, an officer of the Indian Defence Accounts Service on deputation as Under Secretary, Union Public Service Commission, are replaced at the disposal of the Controller General of Defence Accounts, w.e.f. 21-9-1978 (AN).

No. A. 32014/1/78-Admn III (i).—The President is pleased to appoint the following permanent Assistants of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission to officiate as Section officer on *ad hoc* basis for the periods indicated against each or until further orders, whichever is earlier :—

| S. No. | Name | Period for which promoted as Section Officer. |
|--------|-----------------------|---|
| 1 | 2 | 3 |
| 1. | Shri N.K. Dhingra | for a further period from 17-8-78 to 31-8-78. |
| 2. | Shri Kailash Chander | for a period from 1-8-78 to 16-9-78. |
| 3. | Shri N.M.L. Bhatnagar | for a period from 1-8-78 to 15-9-78. |
| 4. | Shri K.P. Iyer | for a period from 2-8-78 to 16-9-78. |
| 5. | Shri M.N. Arora | for a period from 7-8-78 to 22-9-78. |

No. A. 32014/1/78-Admn.III(ii).—The President is pleased to appoint Shri R. L. Jhingan, a permanent Section Officer of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officer, for the period from 7-8-78 to 22-9-78 or until further orders, whichever is earlier in the office of Union Public Service Commission.

2. Shri Jhingan will draw Special Pay @ Rs. 75/- per month in addition to his pay as Section Officer in terms of D.O.P. & A.R. O.M. No. 12/1/74-CS(I), dated 11-12-75.

No. A. 32014/1/78-Admn. III (iii).—The President is please to appoint the following permanent Assistants of the C.S.S care of Union Public Service Commission to officiate as Section Officer on ad-hoc basis for the periods indicated against each or until further orders, whichever is earlier :—

| S. No. | Name | Period for which promoted as Section Officer. |
|--------|------------------|--|
| 1 | 2 | 3 |
| 1. | Shri R.K. Jasuja | for a further period from 29-8-78 to 31-10-78 vice Shri M.S. Chhabra promoted as Senior Analyst. |
| 2. | Shri S.K. Arora | for a further period from 2-9-78 to 31-10-78 vice Shri K.K. Jha relieved. |
| 3. | Shri S.N. Sharma | for a further period from 29-8-78 to 31-10-78 vice Shri L.B. Sinate promoted as Under Secretary. |
| 4. | Shri Jai Narain | for a further period from 2-9-78 to 31-10-78 vice Shri D.P. Roy appointed as Desk Officer. |
| 5. | Shri R.K. Goyal | From 4-9-78 (A.N.) to 21-10-78 vice Shri R.N. Sharma on leave. |

P.N. MUKHERJEE, Under Secy.
Incharge of Administration.

ENFORCEMENT DIRECTORATE
(FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT)

New Delhi the 6th October 1978

No. A-11/48/73.—Shri M. L. Wadhwa Enforcement Officer Hqrs. office is appointed to officiate as Chief Enforcement Officer in Hqrs. office of this Directorate w.e.f. 30-9-77 (FN) and until further orders.

S. B. JAIN,
Director.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION
DEPARTMENT OF PERSONNEL AND A.P.

New Delhi, the 27th September 1978

No. PF/S-201/70-AD.I.—Consequent on his attaining the age of superannuation Shri Sachin Bhushan Chakraborty, Inspector of Police, an Officer of West Bengal Police, on deputation to C.B.I./EOW Calcutta Branch relinquished charge of his duties in the Office of the Supdt. of Police CBI, EOW, Calcutta with effect from 31-7-1978 (AN).

No. A-20014/64/76-AD.I.—Dy. Inspector General of Police/Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment hereby accepts the resignation tendered by Shri K. N. Jha, Inspector of Police/CBI/GOW Bombay Branch with effect from 25-8-1978 (A.N.).

JARNAJ SINGH,
Administrative Officer (E).

CENTRAL FORENSIC SCIENCE LABORATORY

New Delhi-110001, the 23rd September 1978

No. 1-10/78-CFSI/7287.—The President is pleased to appoint Shri P. S. Nayar, Senior Scientific Officer (Fingerprints), Central Forensic Science Laboratory, C.B.I., New Delhi as Assistant Director (Fingerprints) in the Central Forensic Science Laboratory, C.B.I., New Delhi w.e.f. 26th August, 1978 (Forenoon) on *ad hoc* basis for a period of

The 3rd October 1978

No. P. VII-2/78-Estt.—The following Section Officer/Office Superintendent of the C.R.P. Force are promoted to the grade as mentioned against each on purely ad-hoc basis in the Directorate General, CRPF, New Delhi w.e.f. 15-9-78 (FN):—

| Sl. No. | Name of the officer | Present grade held. | Grade to which Promoted. |
|------------|--------------------------|---------------------|--------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. | Shri Genda Lal Sharma | Section Officer | J.A.D. (Accounts) |
| 2. | Shri Roop Narain Agarwal | Office Supdt. | Section Officer |

A.K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Admn.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110019, the 27th September 1978

No. E-38013(1)/1/78-Pers.—On transfer from Calcutta, Shri Markandey Singh IPS(UT-1956), assumed the charge of the post of Deputy Inspector-General (Rectt. & Training), CISF HQrs, New Delhi with effect from the forenoon of 22nd September 1978.

The 28th September 1978

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from Ranchi Shri John Chauhan assumed the charge of the post of Asstt. Commandant (Personnel) CISF HQrs New Delhi with effect from the afternoon of 26th September 1978 *vice* Shri A. S. Khaturia Asstt. Commandant, who on transfer to Pimpri, relinquished the charge of the said post with effect from the same date.

Inspector-General/CISF
NARENDRA PRASAD,
Asstt. Inspector-General (Pers) CISF HQRS.

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 3rd October 1978

No. 10/17/78-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Sinha, a Grade IV officer of the Indian Statistical Service, and formerly working as Senior Evaluation Officer (Minor Irrigation) in the Department of Agriculture, as Senior Research Officer in the office of the Registrar General, India, with his headquarters at New Delhi, with effect from the forenoon of 1st September, 1978, until further orders.

P. PADMANABHA,
Registrar General.

MINISTRY OF FINANCE DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad, the 29th September 1978

P. F. No. PD/3/-/5692.—Shri S. K. Anand, Foreman (Production) is promoted on an *ad hoc* basis to officiate as Assistant Works Manager in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 28-9-1978 against the post of Asstt. Works Manager fallen vacant due to the *ad hoc* appointment of Shri A. K. Ghosh as Chief Chemist.

S. R. PATHAK,
General Manager.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi, the 29th September 1978

No. 133-CA-1 126-78—Ad il. Deputy Comptroller & Auditor General (Commercial) has been pleased to promote the following Section Officer (Commr.) and appoint them to officiate as Audit Officers (Commercial) and post them as such in the offices noted against each name in Column 3 with effect from the dates mentioned in Column 4 below, until further orders:—

| Sl. No. | Name of A.O.(C) | Office where working before promotion | Offices where posted after promotion as A.O.(C) | Date of posting as offg. A.O.(C) |
|---------|-----------------------|---------------------------------------|---|----------------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| S/Shri | | | | |
| 1. | Satish Chandra Khanna | MAB & Ex-officio DCA, New Delhi. | A.G. Himachal Pradesh & Chandigarh, Shimla. | 31-8-78 FN |
| 2. | Harcharan Singh | C.A.G's office | Do. | 31-8-78 FN |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|--------------------------------|-------------------------------------|--|------------|
| 3. S. Nagarajan | AG-II, Tamil Nadu, Madras. | A.G., Orissa. | 28-8-78 FN |
| 4. S. Sivarama Krishnan | MAB & Ex-Officio DCA, Madras. | MAB & Ex-Officio DCA, Ranchi. | 29-8-78 FN |
| 5. Dilip Kumar Mukhopadhyay | A.G. West Bengal, Calcutta. | MAB & Ex-officio DCA(Coal), Calcutta. | 14-8-78 FN |
| 6. Saradindu Narayan Chaudhury | Do. | MAB & Ex-officio DCA. Calcutta. | 11-8-78 FN |
| 7. H. G. Sindhwani | C.A.G's office | MAB & Ex-Officio DCA, Dehradun. | 31-8-78 FN |
| 8. Vinod Kumar Chawla | AG. II, Madhya Pradesh, Gwalior. | MAB & Ex-Officio DCA, Bombay. | 29-8-78 FN |
| 9. R. N. Mangal Vedkar | AG-II, Tamil Nadu, Madras. | AG-II, Bihar, Patna. | 31-8-78 FN |
| 10. Suraj Ch. Chakrabarty | MAB & Ex-officio DCA, Calcutta. | MAB & Ex-officio DCA, Calcutta. | 9-8-78 FN |
| 11. K. Ramakrishnan -II | AG-II, Tamil Nadu, Madras. | A.G., Orissa. | 31-8-78 FN |

S. D. BATTACHARYA
Joint Director(Commercial)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, UTTAR PRADESH I,

Allahabad, the 20th July 1978

No. Admn.I/11-144(XIV)/94.—The Accountant General, U.P.I. Allahabad has appointed the following Section Officers to officiate as Accounts Officer in this office until further orders with effect from the dates noted against each.

1. Ram Sewak Srivastava, 4-7-1978 (FN).
2. Om Prakash Srivastava, 3-7-1978 (AN).
3. Rameshwar Dayal Srivastava, 5-7-1978 (FN).

U. RAMCHANDRA RAO,
Sr. Dy. Accountant General (Admn.).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
MAHARASHTRA-I,

Bombay-400020, the 26th August 1978

No. Admn.I/Genl/IAD/31-Vol.III/C1(i)/7.—The Accountant General, Maharashtra-I, Bombay is pleased to appoint the following members of the S.A.S. to officiate as Accounts Officers in this office with effect from the dates mentioned against each until further orders.

1. Shri P. K. Kshirsagar, 24-8-78 (FN).
2. Shri M. R. Zillpelwar, 24-8-78 (FN).

SMT. R. KRISHNAN KUTTY,
Sr. Dy. Accountant General/Admn.

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR POSTS & TELGRAPHS

Delhi the 26th September, 1978

No. Admn V-239/23(A)(2)Notifications.—The Chief Auditor Posts & Telegraphs has been pleased to promote and appoint the following Section Officers as officiating Audit Officers and to post them in the P&T Branch Audit Offices indicated against each until further orders. Their promotions are on adhoc basis and are subject to revision.

| Sr. No. | Name | P & T Br. Audit Office to which belongs as S.O. | P&T Audit Office to which posted | Date of promotion A.O. |
|---------------------|------|---|----------------------------------|------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| S/Shri | | | | |
| 1. V.S. Subramanian | . | Hyderabad | Nagpur | 2-6-1978(F.N.) |
| 2. Charan Das Kalia | . | Kapurthala | Lucknow | 23-6-1978 (F.N.) |
| 3. M.K. Chopra | . | Do. | Patna | 7-7-1978 (F.N.) |

S. KRISHNAN
Sr. Dy. Chief Auditor (H. Qr)

**DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE C.O.D.A.**

New Delhi-110022, the 29th September 1978

No. 86016(15)/77/AN-II.—The President is pleased to appoint Shri R. Venkataratnam, an officer of the Indian Defence Accounts Service, to officiate in Level-II of the Senior Administrative Grade (Rs. 2250-125/2-2500) of that Service with effect from the forenoon of the 15th September, 1978, until further orders.

R. L. BAKHSHI,
Addl. Controller-General of Defence Accounts (AN).

MINISTRY OF INDUSTRY

**(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)**

New Delhi, the 25th September 1978

No. A-19018(360)/78-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri N. S. Verma, Hindi Translator to officiate as Hindi Officer on *ad hoc* basis, in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi with effect from 22nd August, 1978 (F.N.), until further orders.

M. P. GUPTA,
Dy. Director (Admn.).

**DTE. GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS
(Admn. SECTION A-6)**

New Delhi, the 18th September 1978

No. C. 18011/1/78-A6.—The President is pleased to appoint Shri S. C. Anand, Deputy Director of Inspection (Grade II of Indian Inspection Service, Group 'A') substantively in the permanent post of Assistant Director of Inspection/Inspecting Officer in the Engineering Branch of Grade III of Indian Inspection Service Group 'A' with effect from 1st May, 1969, *without prejudice to the disciplinary proceedings pending against him*.

The 19th September 1978

No. A-17011(139)/78-A6.—On the recommendations of UPSC, the President has been pleased to appoint Shri P. Jayakumaran Nair to officiate in the Engg. Branch of Grade III of Indian Inspection Service (Group A) w.e.f. 31-8-78 (FN), and until further orders.

Shri Nair assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) in the office of Director of Inspection, Bombay on the Forenoon of 31-8-78.

SURYA PRAKASH,
Dy. Director (Admn.).

New Delhi, the 30th September 1978

No. A-1/1(69).—Shri S. C. Agarwal, permanent Deputy Director General and officiating as Additional Director General in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 30th September, 1978 on attaining the age of superannuation (58 years).

SURYA PRAKASH,
Dy. Director (Administration),
for Director General of Supplies & Disposals.

DIRECTORATE GENERAL ALL IDNIA RADIO

New Delhi, the 25th September 1978

No. 4(15)/76-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri M. C. Mohanty, Assistant Station Director, All India Radio in a substantive capacity in the cadre of Programme Executive, All India Radio with effect from the 1st April, 1960. Shri Mohanty has been confirmed as a Programme Executive against a permanent post of Programme Executive at All India Radio, Dharwad.

2. The confirmation of Shri Mohanty is subject to the condition that he will be liable to transfer at any time to serve under a public corporation and that on such transfer, he will be liable to the conditions of service to be laid down for the employees of that corporation.

The 28th September 1978

No. 6(7)/62-SI-Vol.II.—On attaining the age of superannuation Shri H. C. Dutta Chowdhury, Programme Executive, Commercial Broadcasting Service, All India Radio, Calcutta is retired from Government Service w.e.f. the afternoon of 31st August, 1978.

A. K. BOSE,
Dy. Director of Administration,
for Director General.

**MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
FILM DIVISION**

Bombay-26, the 27th September 1978

No. A-24013/39/78-Est.I.—The Chief Producer, Films Division, has appointed Shri S. A. Naik, Officiating Salesman, Films Division, Hyderabad to officiate as Branch Manager in the same office with effect from the afternoon of 16-9-1978 vice Shri P. V. Rao, officiating Branch Manager granted leave.

M. K. JAIN,
Assistant Administrative Officer,
for Chief Producer.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 25th September 1978

No. A. 32014/2/77-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint S/Shri M. Ramchandrudu and A. Kanniah Raju, Store Superintendents, Government Medical Stores Depot, Madras to the post of Assistant Depot Manager (Group B) Gazetted) in the same Depot with effect from the forenoon of 23-6-78, and until further orders.

K. C. MISRA,
Dy. Director Administration (Stores).

**MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE)**

VISTAR NIDESHALAYA

New Delhi, the 27th September 1978

No. F. 2-11/77-Estt(I).—The ad hoc appointment of Shri K. B. Nayar in the post of Assistant Exhibition Officer (Gr. I), is further extended beyond 31st August, 1978 and upto 28th February 1978.

The 28th September 1978

No. F. 2-11/77-Estt.(I).—The appointment of Shri K. K. Sharma in the post of Assistant Administrative Officer has been further continued beyond 31-8-1978 and upto 28-2-1979.

No. F. 2-11/77-Estt.(1).—The ad hoc appointment of Shri P. B. Dutta in the post of Assistant Exhibition Officer (visuals) is further continued beyond 31st August, 1978 and upto 28th February 1979.

DARSHAN SINGH,
Director of Administration.

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)
DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION,

Faridabad, the 29th September 1978

No. A. 19023/65/78-A.III.—Shri R. V. Kurup, Assistant Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) at Faridabad with effect from 11-8-78 (F.N.) on purely short-term basis for a period of 3 months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

2. On his promotion as Marketing Officer, Shri Kurup relinquished charge of the post of Assistant Marketing Officer at Alleppy in the afternoon of 11-7-78.

No. A. 19023/70/78-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri D. N. Tiwari, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Faridabad with effect from 21-9-78 (forenoon), until further orders.

No. A. 19023/73/78-A.III.—On the recommendations of the U.P.S.C., Shri G. H. Dhankar, Assistant Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Nagpur with effect from 8-9-78 (F.N.), until further orders.

2. On his appointment as Marketing Officer, Shri Dhankar relinquished charge of the post of Assistant Marketing Officer at Ongole in the afternoon of 4-9-78.

No. A. 19025/95/78-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Santi Kumar Roy has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group III) in this Directorate at Nagpur with effect from 11-9-78 (F.N.), until further orders.

B. L. MANIWAR,
Director of Administration,
for Agricultural Marketing Adviser.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 26th September 1978

No. DPS/2/1(19)/77-Adm.24570.—Director, Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri B. S. Sharma, a temporary Storekeeper to officiate as Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 12-6-78 to 30-8-78.

B. G. KULKARNI,
Assistant Personnel Officer.

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 12th September 1978

No. AMD-1/24/76-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri R. C. Sud, Permanent Assistant and Officiating Accountant of the Atomic Minerals Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 19-8-1978 until further orders.

The 28th September 1978

No. AMD/2/2797/78-Admn.—Shri R. R. Bandyopadhyay, a temporary Scientific Officer/SB in the Atomic Minerals Division, was relieved of his duties on the afternoon of 8th September, 1978 on repatriation to Central Ground Water Board.

S. RANGANATHAN,
Sr. Administrative & Accounts Officer.

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, 26th September 1978

No. HWPs/Estt./I/M-/4276.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Angarai Natesa Iyer Muthuswamy, a permanent Accountant in Rajasthan Atomic Power Project and officiating Assistant Accounts Officer in Heavy Water Project (Tuticorin), to officiate as Accounts Officer, in the same office, in a temporary capacity, on an ad hoc basis, from April 15, 1978 (F.N.) to May 20, 1978 (AN) vice Shri K. K. Gopalkrishnan, Accounts Officer, Heavy Water Project (Tuticorin), granted leave.

No. 050000/P-164/4277.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Gopalakrishna Rao Padmanabhan, a permanent Selection Grade Clerk and officiating Assistant Personnel Officer of Heavy Water Project (Tuticorin), to officiate as Administrative Officer, in the same office, in a temporary capacity, on an ad hoc basis, from April 10, 1978 (F.N.) to May 20, 1978 (AN) vice Shri S. Padmanabhan, Administrative Officer, HWP (Tuticorin), granted leave.

The 30th September 1978

O R D E R

Ref. HWPs/Estt/5(70)/78/4376.—Whereas it was alleged that

Shri Harjit Singh while employed as Driver (Grade II) in Heavy Water Project (Kota) has taken up employment with M/s. Engineering Projects (India) Ltd., at Misa (Assam) w.e.f., January 12, 1977 and he has thus acted in contravention of Rule 3(1)(i) & (iii) and Rule 15 of the Central Civil Services (Conduct) Rules, 1964;

And whereas the said Shri Harjit Singh was informed of the charge vide Memorandum No. HWPs/Estt/5(70)/76/2977 dated 2-6-1977 proposing action against him under Rule 14 of the Central Civil Services (Classification, Control & Appeal) Rules, 1965;

And whereas at the *ex parte* enquiry held at Kota on 25th April, 1978, 20th May, 1978 and 27th May, 1978 against the said Shri Harjit Singh in accordance with the provisions of Rule 14 of the Central Civil Service (Classification, Control & Appeal) Rules, 1965, the Inquiry Officer has held that the charge against the said Shri Harjit Singh is proved;

And whereas the undersigned after careful consideration of the enquiry report aforesaid had agreed with the findings of the Inquiry Officer and held that the charge against Shri Harjit Singh has been proved;

And whereas the undersigned had come to the provisional conclusion that Shri Harjit Singh is not a fit person to be retained in service and proposed to impose on him the penalty of removal from service;

And whereas the second-show cause notice sent to the said Shri Harjit Singh at his permanent address has been received back undelivered;

And whereas in view of the circumstances as aforesaid, it has been observed that postal service of communication is not possible in the case of the said Shri Harjit Singh;

And whereas the undersigned has come to the final conclusion that the said Shri Harjit Singh has to be removed from service;

NOW, therefore, the undersigned in exercise of the powers conferred under SB-Rule 2(b) of Rule 12 of the Central Civil Services (Classification Control & Appeal) Rules, 1965 read with DAE's order No. 22(1)/68-Adm. dated November 20, 1974 hereby impose on the said Shri Harjit Singh the penalty of removal from service.

No. HWPs/Estdt/1/R-/4381.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Cadamattu Panchupillai Radhakrishnan an officiating Assistant Accountant in Heavy Water Project (Talcher) to officiate as Assistant Accounts Officer, in the same project, in a temporary capacity, on ad hoc basis, from May 29, 1978 (FN) to July 1, 1978 (AN) vice Shri D. Chottopadhyay, Assistant Accounts Officer, appointed to officiate as Accounts Officer in the same project.

K. SANKARANARAYANAN,
Senior Administrative Officer.

DEPARTMENT OF SPACE

INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380053, the 19th September 1978

No. SAC/EST/TESC/47/78.—The Director is pleased to appoint Shri Himanshu Jayantilal Zala as Engineer SB in a temporary capacity in the Space Applications Centre of Indian Space Research Organisation/Department of Space with effect from the forenoon of 10th April, 1978 for a period upto 31st August, 1979.

The 29th September 1978

No. SAC/EST/3.19/78.—The Director is pleased to appoint Shri V. K. Goel as Scientist/Engineer SB in an officiating capacity in the Space Applications Centre of Indian Space Research Organisation, Department of Space with effect from September 8, 1978 until further orders.

S. G. NAIR
Head, Personnel & Gen. Admn.

Bangalore the 16th September, 1978

No. 020/3(061)/78—Director, ISRO Satellite centre is pleased to accept the resignation from service of the undermentioned Officers from the posts mentioned against their names into Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space w.e.f. from the dates indicated against each :

| Sl. No. | Name | Designation | Date |
|---------|----------------------|-------------|--------------|
| 1. | Shri Mohammad Ghous | Engineer SB | 12-4-1978 AN |
| 2. | Shri H. Srinivasaiah | Engineer SB | 4-8-1978 AN |

S.K. BASHU
Administrative Officer

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE CENTRAL EXCISE DEPARTMENT

Guntur-4, the 20th July 1978

No. 1/78—The following permanent Senior Grade Inspectors of Central Excise have been appointed to officiate until further order as Supdt. of Central Excise, Group-B (Gazetted) in the Central Excise, Collectorate, Guntur. They have assumed charge as Superintendents of Central Excise Group-B (Gazetted) on the dates noted against each :

| Sl. No. | Name of the Officer | Station | Date of assumption of charge as Supdt of C.E., Class-II |
|---------------------|---------------------|------------------------------|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| S/Shri | | | |
| 1. K. Suryanarayana | · · · · · | IDO-I Visakhapatnam | 20-10-77 |
| 2. D. Lakshmanrao | · · · · · | A.P.P. Mills, Rajahmundry | 14-10-77A.N. |

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 28th September 1978

No. A. 32013/16/76-EC.—The President is pleased to appoint Shri R. K. Mukherjee, Assistant Communication Officer at present working as Communication Officer on ad-hoc basis at ACS Calcutta, as Communication Officer on regular basis with effect from the 22-6-1978 (FN) and to post him at the same station and unit further orders.

S. D. SHARMA
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 22nd September 1978

No. A. 32013/7/78-E.I.—The President has been pleased to appoint Shri S. C. Majumdar, Deputy Director to the post of Director, Radio Construction & Development Units on ad hoc basis with effect from the 31st August, 1978 (Forenoon) to 25-10-1978, vice Shri K. R. K. S. R. Anjaneyulu.

P. C. JAIN
Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 26th September 1978

No. 16/306/68-Ests-I.—The President, Forest Research Communications Service, hereby appoints Shri A. S. Paes, Supervisor, Bombay Branch as Dy. Traffic Manager, in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 20th July, 1978 to 31st August, 1978 (both days inclusive) against a short-term-vacancy, purely on ad hoc basis.

P. K. G. NAIR
Director (Admn.),
for Director General

VANA ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHAVIDYALA

Dehra Dun, the 27th September 1978

No. 16/306/68-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri Manas Ray as Assistant Publicity and Liaison Officer at the Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun with effect from the forenoon of 22nd September, 1978 until further orders.

GURDIAL MOHAN
Kul Sachiv

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|-----|---------------------------|--|--------------|
| 3. | V. Janardanarao | M.O.R.-IV Visakhapatnam | 2-12-77 |
| 4. | T. Subba Rao | Nuzvid M.O.R. | 2-12-77 A.N. |
| 5. | N. Tulasiram | Arakapalli M.O.R. | 19-1-78 |
| 6. | P. Ramamohanarao | M.O.R.- III Rajahmundry. | 16-1-78 |
| 7. | Bh. Sraramamurthy | Internal Audit Party, Hqrs. Office, Guntur. | 16-1-78 |
| 8. | M. Madhavarao | RBC M.O.R.-IV Visakhapatnam | 16-1-78 |
| 9. | G. Ramaiah Gupta | R.B.C. MOR Mangalagiri. | 16-1-78 |
| 10. | Mohammed Movazaff Hussain | RBC. MOR-II Visakhapatnam. | 16-1-78 |
| 11. | K. Gopalakrishnamurthy | M.O.R.- III Eluru | 16-1-78 |
| 12. | S. Satyanarayana Pantulu | SRP. Prev. IDO- Vijayawada. | 16-1-78 |
| 13. | D. Vijayagopal | MOR- II Vijayanagaram | 16-1-78 |
| 14. | Md. Ali | M.O.R.- II Srikakulam | 19-1-78 |
| 15. | R. Krishnamurthy | S.R.P. Prev. Hqrs. Office, Guntur. | 16-1-78 |
| 16. | P. Bhiksheswararao | SRP. Prev. IDO-I Guntur. | 16-1-78 |
| 17. | D. Krishnaraao | S.R.P. Prev Hqrs. Office, Guntur. | 16-1-78 |
| 18. | S. Koteswararao | Internal Audit Party, IDO- Rajahmundry. | 19-1-78 |
| 19. | V. Subbareddy | S.R.P. Prev, IDO-I Visakhapatnam. | 16-1-78 |
| 20. | W. Guruprasadarao | R.B.C. MOR Machrla | 16-1-78 |
| 21. | M. Lakshmanmurthy | SRP, Prev, IDO-II Visakhapatnam. | 16-1-78 |
| 22. | M. Sitaramrao | RBC, MOR, Kovvur | 16-1-78 |
| 23. | A.E. Narasimharao | Vuyyur M.O.R. | 16-1-78 |
| 24. | P. Satyanarayananamurthy | L.R. IDO-Rajahmundry | 31-1-78 A.N. |
| 25. | V.A. Suryanarayana | S.R.P. Prev, IDO- Rajahmundry | 8-2-78 |
| 26. | N. Sriramamurthy | MOR-II Vijayanagaram | 3-4-78 |
| 27. | P. Lakhmanrao | S.G.C.P. Party, Kaklnada | 1-5-78 |
| 28. | P. Chidambararao | Audit Party, IDO-I Guntur | 16-6-78 |
| 29. | T. John Wesly | M.O.R. Prathipadu | 4-5-78 |
| 30. | G. Jayachandra Jacob | S.G.C.P. Party Masulipatnam | 23-5-78 |
| 31. | P. Hanumantha Rao | MOR-Inkollu | 25-6-78 |

No. 2/78—The following Superintendents of Central Excise, Group-B (Gazetted) expired on the dates noted against each while working at the stations indicated.

| Sl. No. | Name of the Officer | Station | Date of expiry |
|---------|--------------------------|-------------------|----------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. | Ch. Subbarayudu | Prathipadu M.O.R. | 29-7-76 |
| 2. | P. Satyanarayananamurthy | IDO-Rajahmundry | 4-4-78 |

No. 3/78—The following Superintendents of Central Excise, Group-B (Gazetted) retired from service on attaining the age of superannuation with effect from the dates noted against each :

| Sl. No. | Name of the Officer | Station | Date of retirement from service |
|---------|----------------------|--------------------------------------|---------------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. | A. Hanumantha Rao | IDO-Vijayawada | 31-11-77 A.N. |
| 2. | S.C. Nageswara Swamy | IDO-II Visakhapatnam | 30-11-77 A.N. |
| 3. | S.A.K. Jeelani | IDO-I Visakhapatnam | 31-12-77 A.N. |
| 4. | M. Ramakrishna | IDO-Rajahmundry | 31-1-78 A.N. |
| 5. | Y. Krishna Reddy | Prathipadu M.O.R. | 31-1-78 A.N. |
| 6. | S.S.V. Prasadarao | Kothapeta M.O.R. Proceeded on L.R.R. | 14-10-77 A.N. |

| | | | | |
|--------------------------|---|---|-------------------------------|--------------|
| 7. K.A. Hameed Khan | . | . | Kothapeta P & I | 31-3-78 A.N. |
| 8. K. Anjaneyulu | . | . | Hqrs. Office, Guntur | 31-3-78 A.N. |
| 9. B. Audinarayana Reddy | . | . | Tangutur M.O.R. | 30-4-78 A.N. |
| 10. Bh. Prakasrao | . | . | MOR-II Eluru | 31-5-78 A.N. |
| 11. P. Kameswararao | . | . | Kothapeta M.O.R. | 31-5-78 A.N. |
| 12. A. Azcem Baig | . | . | Nandigama M.O.R. | 30-6-78 A.N. |
| 13. P. Brahmanandam | . | . | Hqrs. Office, Guntur | 30-6-78 A.N. |
| 14. P. S. Charles | . | . | MOR-II Chikkaluripet | 30-6-78 A.N. |
| 15. B. Sambasadasivarao | . | . | Tadikonda MOR | 30-6-78 A.N. |
| 16. Shali Khan | . | . | IDO-I Visakhapatnam | 30-6-78 A.N. |
| 17. K. Narayananmurthy | . | . | R.B.C. MOR- III Visakhapatnam | 30-6-78 A.N. |

No. 4/78.—Shri Syed Mahaboob, Permanent Superintendent of Central Excise, Group-B (Gazetted) Inkollu M.S.R. was retired from service with effect from 5-6-1978 under the provisions of F.R. 56-J.

C. BHUJANGASWAMY
Collector

CENTRAL REVENUES CONTROL LABORATORY

New Delhi-110012, the 19th September 1978

CHEMICAL ESTABLISHMENT

No. 28/1978.—On transfer Shri B. R. Verma, Assistant Chemical Examiner, Govt. Opium & Alkaloid Works, Undertaking, Ghazipur has assumed charge in the same capacity in the Custom House Laboratory, Bombay with effect from 19-8-1978 (F.N.) and until further orders.

No. 29/1978.—On transfer Shri A. K. Shukla, Assistant Chemical Examiner, Custom House Laboratory, Calcutta has assumed charge in the same capacity in the Central Revenues Control Laboratory, New Delhi with effect from 28-8-1978 (F.N.) and until further orders.

D. R. GUPTA
Chief Chemist, Central Revenues

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the September 1978

No. A-19012/729/78-Adm. V.—The Chairman, Central Water Commission, hereby appoints on promotion Shri Ashok Ahluwalia to the grade of Extra Assistant Director in the Central Water Commission in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- on a purely temporary and *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 15th July, 1978 upto the 14th January, 1979 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

The 26th September 1978

No. A-19012/740/78-Adm. V.—The Chairman, Central Water Commission, hereby appoints on promotion Shri B. K. Saha, Research Assistant, to the grade of Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water and Power Research Station, Pune in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- on a purely temporary and *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 4th September, 1978 upto the end of February 1979 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

No. A-32012/2/70-Adm.V.—In continuation of No. A-19012/731/78-Adm. V dated the 4th August, 1978, Chairman, Central Water Commission, hereby extends the *ad hoc* appointment of Shri N. M. Mahajan to the grade of Assistant Research Officer (Physics) in the Central Water and Power Research Station, Pune, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- on a purely temporary basis for a further period from 1-10-1978 to 31-12-1978 or till a regular officer in the grade becomes available, whichever, is earlier.

No. A-32012/2/70-Adm. V.—In continuation of Notification No. A-19012/732/78-Adm. V dated the 4th August, 1978, Chairman, Central Water Commission, hereby extends the *ad hoc* appointment of Shri M. D. Kamble to the grade of Assistant Research Officer (Physics) in the Central Water and Power Research Station, Pune, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- on a purely temporary basis for a further period from 1-10-1978 to 31-12-1978 or till a regular officer in the grade becomes available, whichever, is earlier.

No. A-32012/2/70-Adm. V.—In continuation of Notification No. A-19012/736/78-Adm. V dated the 14th September, 1978, Chairman, Central Water Commission, hereby extends the *ad hoc* appointment of Shri H. S. N. Swamy to the grade of Assistant Research Officer (Physics) in the Central Water and Power Research Station, Pune, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- on a purely temporary basis for a further period from 1-10-1978 to 31-12-1978 or till a regular officer in the grade becomes available, whichever, is earlier.

The 27th September 1978

No. A-19012/743/78-Adm. V.—The Chairman, Central Water Commission hereby appoints on promotion Shri M. R. Malviya Supervisor to the grade of Assistant Engineer in the Central Water Commission in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—35—1200/- on a purely temporary and *ad hoc* basis with effect from the afternoon of 9th June, 1978 upto the 9th December, 1978 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

The 28th September 1978

No. A-19012/733/78-Adm. V.—The Chairman, Central Water Commission, hereby appoints on promotion Shri V. P. S. Tomar, to the grade of Extra Assistant Director in the Central Water Commission in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- on a purely temporary and *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 17th July 1978 upto the 16th January, 1979 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

J. K. SAHA
Under Secy.

CENTRAL GROUND WATER BOARD

N.H. IV, Faridabad, the 26th September 1978

No. 3-309/73-Estt.(E).—Shri P. R. Sinha, Stores Officer is promoted to the post of Assistant Engineer, GCS, Group 'B' (Gazetted) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- on temporary basis in Central Ground Water Board w.e.f. 16-9-1978 (AN) till further orders. His Headquarters will be at Faridabad.

The 29th September 1978

No. 3-552/78-Estt.(E).—Shri B. R. Sachdeva, Jr. Engineer is promoted to the post of Stores Officer, GCS Group 'B' (Gazetted) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- on temporary basis in the Central Ground Water Board, Faridabad w.e.f. 19-9-1978 (FN) till further orders.

AJIT SINGH
Chief Engineer & Member

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT
OFFICE OF THE DIRECTOR-GENERAL (WORKS)

New Delhi The September 1978

No. 23/2/77-ECII.—The following Officers of Central Public Works Department have retired from the Government service on attaining the age of superannuation/voluntarily from the dates noted against each :—

| Name | | Date of retirement | Present designation |
|-----------------------|---|--|--|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. Sri R.L. Hingorani | . | 31-8-1978 A.N. (On superannuation). | Executive Engineer (Valuation), Valuation Unit No. VI, I.T. Department, Bombay. |
| 2. Shri E.J. Roberts | . | 31-8-1978 A.N. (On Superannuation). | Superintending Engineer (Electrical), Calcutta Central Electrical Circle No. 1, C.P.W.D., Calcutta-700020. |
| 3. Shri M.V. Sarma | . | 31-8-1978 A.N. (On superannuation). | Executive Engineer (Electrical), Central Electrical Division, C.P.W.D., Hyderabad-500001. |
| 4. Shri B.D. Goyal | . | 17-8-1978 A.N. (Voluntary retirement). | Surveyor of Works, Office of the Superintending Survey of Works (N.Z.) C.P.W.D., New Delhi. |

S. S. P. RAU
Deputy Director of Administration
for Director General (Works)

New Delhi, the 26th September 1978

No. 33/12/73-ECIX(Part. VI).—The President is pleased to appoint Shri Raman Manik Pathare, a nominee of the UPSC against the temporary post of Architect (G.C.S. Group 'A') in the CPWD, on a pay of Rs. 1,350/- p.m. in the scale of Rs. 1100—50—1600/- plus usual allowances with effect from 1-9-1978 (FN) on the usual terms and conditions.

2. Shri Pathare is placed on probation for a period of two years with effect from 1-9-1978.

No. 12/2/76-ECIX.—The President is pleased to confirm Shri M. T. Meshram who was recruited through the U.P.S.C. as Deputy Architect in the General Central Service Group 'A' in the Central P.W.D. in his appointment in the grade of Deputy Architect with effect from 1-4-1976.

No. 33/1/78-ECIX.—The President is pleased to appoint the undermentioned nominees of the U.P.S.C. against the temporary posts of Dy. Architect (G.C.S. Group A) in the CPWD, on the pay of Rs. 700/- P.M. in the scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 (plus usual allowances) except Shri I.K. Popli whose pay has been fixed at Rs. 810/- P.M. with effect from the dates indicated against each on the usual terms and conditions.

| Name and Designation | Date of joining |
|-----------------------------------|-----------------|
| 1 | 2 |
| 1. N.M. Chipalkutti, | 1-9-78 (FN) |
| 2. M.N. Khante, | 1-9-78 (AN) |
| 3. I. K. Popli, | 2-9-78 (FN) |
| 4. D.K. Kamble, Dy. Architect. | 13-9-78 (FN) |

2. They are placed on probation for a period of two years with effect from the dates of their joining in this Department.

KRISHNA KANT
Dy. Director of Administration

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)LAW BOARD
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Indian Companies Act, 1913 and of
M/s. Arrow Publicity Limited (in Members Vol. Liq)

Ahmedabad, the 26th September 1978

No. 1015/Liq.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 247 of the Indian Companies Act.

1913 that the name of M/s. Arrow Publicity Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

J. G. GATHA
Registrar of Companies,
Ahmedabad, Gujarat

*Notice under Section 445(2) of the Companies Act, 1956
In the matter of M/s. Auto Steering India Pvt. Ltd.*

New Delhi, the 25th September 1978

No. Co. Lign/3934/17225.—By an order dated the 26-5-1976 of the Hon'ble High Court of Delhi M/s Auto Steering India Private Limited has been ordered to be wound up.

P. S. MATHUR
Asstt. Registrar of Companies,
Delhi & Haryana

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Jullundur Auto Spares Private Limited*

Jullundur, the 27th September 1978

No. G/Stat/560/6506.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Personnel Administration Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. P. TAYAL,
Registrar of Companies,
Punjab, H.P. & Chandigarh

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Personnel Administration Private Limited*
Calcutta, the 3rd October 1978

No. 2/5/8/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Personnel Administration Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
S. K. Investors Private Limited*

Calcutta, the 3rd October 1978

No. 29606/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the S. K. Investors Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. C. NATH,
Asst. Registrar of Companies,
West Bengal

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Kotpad Pragana Trading Co. Private Limited*

Cuttak, the 27th September 1978

No. S.O/159/2426(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Kotpad Pragana Trading Co. Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

D. K. PAUL
Registrar of Companies, Orissa

FORM ITNS—

(1) Shri Fakruddin Kamruddin Bharmal, No. 18, Diwan Para, Gujri Bazaar, Rajkot, Sourashtra, Gujarat.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 7th August 1978

Ref. No. 13/Jan./78.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

15 situated at Kandappan Chetty Street, George Town, Madras-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Joint Sub Registrar-I, Madras North (Doc. No. 3285/77) on January 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Shri T. Jagdish;
2. Smt. Chandrabhai Narandas;
3. Shri N. Rajkumar; &
4. Smt. Damayanthi N. Katri, 69 (Old No. 28), Nyniappan St., Mannadi, Madras-1.

(Transferee)

(3) 1. Shri Kirorimal Keshiram,
4, Anderson Street, Madras-1.
2. Shri Viswanathan, Viswam & Co., 29, Kandappa Chetty St., Madras-1.
3. Shri Om Prakash Govardhanadas, 90 Acharappan St., Madras-1.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

House, ground & premises at No. 15, Kandappa Chetty Street, George Town, Madras-1.

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

0-296GI/78

2

Date : 7.8.1978.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6

Madras-6, the 19th September 1978

Ref. No. 4590.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 32/2, Rajapuram, situated at Rajammal Lay out, Coimbatore (Doc. No. 124/78/CBE) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore Document No. 124/78 CBE on 24-1-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Mrs. B. Thayammal,
 W/o, Sri R. Ramai Gowder,
 116/1A, Ponnirajapuram,
 Coimbatore.

(Transferor)

(2) Shri G. Krishnamurthy, 28, Chellapillai Lane, Telugu Brahmin Street, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building at D. No. 32/2, Rajapuram, Rajammal Lay out, Coimbatore (New T.S.No. 7/116/1A) Document No. 124/78.

K. PONNAN,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 19-9-1978.
 Seal :

FORM ITNS

- (1) (1) S/Shri A.M.A. Mr. SP. Malaiyanidi Chettiar,
 (2) A.M.A. MR. SP. Manickam Chettiar.
 (3) A.M.A. MR. PL. Kulandaivelu Chettiar
 (4) M. Shanmugham Kallai,

- (2) Rev. Father R. Savarimuthu, Pookkara Street,
 Thanjavour.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6

Madras-6, the 19th September 1978

Ref. No. 8099.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T.S.No. 922/3A (New), situated at Uuthupattinam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tanjore Document No. 16/78 on January 1978. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land admeasuring 22,000 Sq. ft. in T.S.No. 922/3 (Old) and New T.S.No. 922/3A at Varadaraja Perumal Koil Street Puthupattinam.

Doc No. 16/78

K. PONNAN,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 19.9.1978.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6**

Madras-6, the 19th September 1978

Ref. No. 8098.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. 16, situated at Ste Therese Street, Pondicherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at PSR Pondicherry (Doc. No. 15/78) on 5-1-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) (1) Smt. Marie Philomena Rose Therese
- (2) Sri A. Amarnath
- (3) Minor A. Premnath
- (4) Smt. J. V. Jamna Baskar Row
- (5) Smt. J. Pauline No. 3, Andiappa Gramani Street, Royapuram, Madras-13.

- (2) Sri Dessaints Alber Emmanuel Yves, 25, Laporte Street, Pondicherry-01.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land & Building at Door No. 16, Ste Therese Street, Pondicherry to an extent of 3535 Sq. ft. Doc. No. 15/78 Dt. 5-1-1978.

K. PONNAN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-9-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

Madras-6, the 19th September 1978

Ref. No. 8102.—Whereas, I, K. PONNAN, I.R.S.
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
65, situated at Karikalambakkam Revenue Village, Nettapakkam
Commune Panchayat Pondicherry
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
JSR, Pondicherry (Doc. No. 91/78) on January 1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reasons to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) (1) Sri I. Madhusudan Rao
(2) Narayanasamy alias V. Narayan
(3) Sri V. Chinnikrishnan 23, Romain Rolland
Street, Pondicherry.

(Transferor)

(2) (1) Shri Deva Virappane
(2) Shri Deva Perianayaguy, 171, Thiagumudalai
Street, Pondicherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45
days from the date of publication of this notice in
the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, whichever
period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Dry Lands located at No. 65, Karikalambakkam Revenue
Village, Nettapakkam Commune Panchayat, Pondicherry State,
Document No. 91/78.

K. PONNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 19-9-1978.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Smt. Sundari Subramaniam, W/o. Subramaniam,
51, 7th Street, Tatabad, Coimbatore.
(Transferor)
- (2) Sri N. Balasubramanian Iyer, C/o. A.R. Natesa Iyer,
247, Raja Street, Coimbatore.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,**

Madras-6, the 19th September 1978

Ref. No. 4595.—Whereas, I, K. PONNAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11/134-8, situated at Ponnai Gounder Street, Cross-cut Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at C.R.E. Doc. No. 173/78 on 30-1-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building situated at 11/134-8, Ponnai Gounder Street, Cross-cut Road, Coimbatore-12.
Document No. 173/78.

K. PONNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 19-9-1978.

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Smt. V. S. Parvathi, 4, Judge Jambulingam Mudaly Road, Madras-5.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri P. A. Jayabalasingh, 53, Edward Elliots Road, Madras-4.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6

Madras-6, the 19th September 1978

Ref. No. 6023.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

4, situated at Judge Jambulingam Mudaly Street, Madras-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Mylapore (Doc. No. 108/78 on 28-1-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land & Building at No. 4, Judge Jambulingam Mudaly Street, Madras.
Doc. No. 108/78.

K. PONNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-9-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri P. V. Daniel, Bharathi Road, Puthupalayam, Cuddalore.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. R. Palaniswamy, Vinayakar Koil Street, Cuddalore.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6

Madras-6, the 19th September 1978

Ref. No. 8094.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Cuddalur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Cuddalur (Doc. No. 7/78) on January 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land and building at Cuddalore.
Document No. 7/78. (SRO Cuddalore)

K. PONNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-9-1978.
Seal :

FORM ITNS

(1) (1) Smt. R. Sakunthala Devi
 (2) Sri. P. R. Balakrishnan, No. 58, Venkatawasa-
 wamy Road West, R. S. Puram, Coimbatore.
 (Transferor)

(2) Sri A. Selvaraj, 31/202, Sukrawarpet, Coimbatore.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

Madras-6, the 19th September 1978

Ref. No. 4592.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T.S. No. 7/112, 116, situated at Ponnaiya Rajapuram, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore Doc. No. 174/78 on January, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property : Land and Building at Ponnaiya Rajapuram, Coimbatore.

T.S. No. 7/112, 116, (Doc. No. 174/78)

K. PONNAN,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 19-9-1978.
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

Madras-6, the 19th September 1978

Ref. No. 4592.—Whereas, I, K. PONNAN,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.S. No. 7/112/1, 118, 119 at Ponnai Rajapuram Colmbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO/Coimbatore, Document No. 107/78 on 21-1-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Smt. R. Sakunthala Devi,
(2) Sri P. R. Balakrishnan, 58, West Venkatasamy
Road, R. S. Puram, Coimbatore.
(Transferor)
- (2) Shri A. Shanmugham, 32/202, Sukravarpet, Coimbatore-1.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building at Ponnai Rajapuram, Colmbatore. New
T.S. No. 7/112/1, 118, 119
Doc. No. 107/78.

K. PONNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 19-9-1978,
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,**

Madras-6, the 19th September 1978

Ref. No. 4581/78-79.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 17/270, Oppanakara Street, (Part) at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore Doc. No. 16/78 on 4-1-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Sri. K. R. Ramaswamy and R. Vasudevan (Minor) Represented by Sri K. R. Ramaswamy, Appuswamy Naidu Lay-out, Puliakulam, Coimbatore-18. (Transferors)
- (1) (i) Bohara, 137, Nallamara-ju Lane, Nawab Hakim Road, Coimbatore.
- (ii) Smt. Rasheeda Banu, 36, V.C.V. Lay-out, R. S. Puram, Coimbatore. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Land and Building (Part) 17/270, Oppanakara Street, Coimbatore .Document No. 16/1978.

K. PONNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-9-1978.
Seal :

FORM ITNS

- (1) (1) Sri C. Natarajan
 (2) Smt. S. Lingarajam
 (3) Sri N. Thiagarajan
 (4) Smt. N. Jayalakshmi 65, Venkataswamy Road,
 R. S. Puram, Coimbatore.

(Transferor)

- (2) (1) Sri V. P. Veerasingh
 (2) Sri V. P. Selvaraj
 (3) Sri V. P. Durairaj 16/1A. Teppakulam Street
 No. 3, Coimbatore.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6

Madras-6, the 19th September 1978

Ref. No. 4594.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 65, situated at Venkatasamy Road, R. S. Puram, Coimbatore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Coimbatore (Doc. No. 142) on 25-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 66, Venkatasamy Road, R. S. Puram, Coimbatore. Doc. No. 142.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. PONNAN.
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 19-9-1978.
 Seal :

FORM ITNS

(1) Sri C. N. Venkataswami, 9, First Cross Street, Srirangnagar, Madras-18.

(Transferor)

(2) Sri S. Md. Ismail and for others, 18-C, Joshi Street, Nungambakkam, Madras-34.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6**

Madras-6, the 19th September 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. 6025.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

62/2, situated at Nowbrays Road, Alwarpet, Madras (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Mylapore Document No. 112/78 on 30-1-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land & Building at No. 62/2 (New No. 120) Mowbrays Road, Alwarpet, Madras-18.
Doc. No. 112/78

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. PONNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-9-1978.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II**

Madras-6, the 19th September 1978

Ref. No. 4589.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing D. No. 28/30, situated at West Periaswamy Road, R. S. Puram, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSR-I Coimbatore (Doc. No. 117/78) on 23-1-1978 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Deivanaiammal, W/o. Sri T. Kandasamy Pillai, 15-A, Randi Street, R. S. Puram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri S. K. Palanisamy Chettiar, S/o. Sri S. Kuppusamy Chettair, 780, Rangai Gowder Street, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building at Door No. 28/30, West Perlaswamy Road, R. S. Puram, Coimbatore (Doc. No. 117/78).

K. PONNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 19-9-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri R. Thirugnanasambandam, Thiruthuraipoondi Road, Vijayapuram, Thiruvarur Taluk.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,**

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6

Madras-6, the 19th September 1978

Ref. No. 8096.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 131, situated at Thiruthuraipoondi Road, Thiruvarur Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Thiruvarur (Doc. No. 14/78) on January, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) 1. Shri A. Govindaraju, 2. Shri A. Jayabalan
3. Shri A. Jayaraman, Elliyamman Koil Street,
Vijayapuram, Thiruvarur Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building at 131, Thiruthuraipoondi Road, Vijayapuram, Thruvarur Taluk.
Doc. No. 14/78

K. PONNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 19-9-1978.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS —————**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-III, 54 RAFI AHMED KIDWAI
ROAD, CALCUTTA-16**

Calcutta-16, the 3rd August 1978

Ref. No. 412/Acq.R-III/78-79/Cal.—Whereas, I,
KISHORE SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. B on 6th floor situated at 2, Mandeville Gardens, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25.1.1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Saloni Ownership Flats Schemes (P) Ltd., Office at 6, Harrington Street, Calcutta-16.
(Transferor)(2) M/s. Dalia Investment (P) Ltd., 73/38, Golf Club Road, Calcutta-33.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire flat No. B on 6th floor together with the car parking space in the basement of the building "Jay Jayanti" situated at 2, Mandeville Gardens, Calcutta.

KISHORE SEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

Dated : 3.8.1978.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sm. Narvadi Devi 3/B Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-13.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Brij Steel Industries (P) Ltd., 3/B Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-13.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I.

Calcutta, the 9th August 1978

Ref. No. Sl.456/TR-249/C-234/Cal-1/77-78.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

8, situated at Mott Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at 5, Govt. Place North, Calcutta on 25-1-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Premises No. 8, Mott Lane measuring 4 Cottah 14 Chittack 8 Sq. ft. land with structures at transferred under Deed No. I-367 for 1978 and registered with the Registrar of Assurances, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

22—296GT/78

Date : 9-8-78.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Saloni Ownership Flats Scheme (P) Ltd.,
Office at 6, Harrington Street, Calcutta-16.
(Transferor)

(2) M/s. Dalia Investment (P) Limited, 73/38, Golf
Club Road, Calcutta-33.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 8th September 1978

Ref. No. 413/Acq.R-III/78-79/Cal.—Whereas, I, R. V. LALMAWIA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 'A' on 6th floor situated at 2, Mandeville Garden, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 25-1-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

All that entire flat No. 'A' on the 6th floor together with car parking space on ground floor of the building known as 'Jay Jayanti' situated at 2, Mandeville Garden, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. V. LALMAWIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-9-1978,

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jagadish Prasad Agarwala Proprietor, M/S
Mamchand Loknath.
(Transferor)

(2) Shri Omprakash Kandoi
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA**

Calcutta, the 11th September 1978

Ref. No. AC-29/Acq.R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I,
S. K. DASGUPTA,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Dag No. 2946 situated at P. S. & Mouza Siliguri
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
at Calcutta on 4.2.1978
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property, and I have
reasons to believe that the fair market of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 15 cottahs 11
chittaks being dag no. 2946, Khatian no. 1427/1 situated at
Pargana Baikunthapur, Mouza & P. S. Siliguri, District
Darjeeling more particularly as per deed no. 563 dated
4.2.1978.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta-16.

Date : 11.9.1978.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

FORM ITNS

(1) Ashoka Marketing Ltd., P.N.B. House, 5, Parliament Street, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Sita World Travel (India) Ltd., F-12, Cannaught Place, New Delhi-110001.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Vendee
(Person in occupation of the property)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

(4) Vendee
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Objections, if any, of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Calcutta the 12th September 1978

Ref. No. AC-13/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6, situated at Hastings Park Board, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 2-1-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that entire flat No. 78 of 7th floor permanently named as "Rajshree" situate and lying at and comprised in and being portion of premises No. 6, Hastings Park Road, Calcutta, along with one car parking space being No. 6. Plinth area about 2000-sq. ft.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, 54 Rafi Ahmed Kidwai Rd. (2nd floor),
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-9-1978.
Seal :

FORM ITNS —————

- (1) Sh. Ravinder Singh s/o Sh. Joginder Singh s/o Sh. Tek Singh employee T.B.R.O. Sector 30, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) Smt. Urmilla Rani w/o Sh. Kamaljit Singh s/o Sh. Tek Singh Smt. Meena Rani w/o Sh. Vimaljit Singh s/o Sh. Tek Singh & Smt. Parveen Rani w/o Sh. Pardeep Kumar s/o Sh. Tek Singh R/o 19-Patel Chowk, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S. K. GOYAL, IRS,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 15-6-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 20th July 1978

Ref. No. GSP/27/1978-79.—Whereas, I, S. K. GOYAL, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land situated at Village Gajju Gaji, Teh. & Distt. Gurdaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurdaspur in Jan '78

for an apparent Consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Chanan Singh s/o Shri Jawand Singh, Vill. Gajju Gaji Teh. & Distt. Gurdaspur.
(Transferee)
- (2) S/Sh. Satnam Singh Parwan Singh, Pargat Singh & Charanjit Singh, ss/o Shri Dalip Singh Vill., Gajji Gazi, Distt. & Teh. Gurdaspur.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 32 kanals 11 marlas as mentioned in the registered deed No. 5766 of January'78 of Registering authority Gurdaspur.

S. K. GOYAL, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 20-7-1978
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE- AMRITSAR

Amritsar, the 20th July 1978

Ref. No. GSP/28/78-79.—Whereas, I, S. K. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land, situated at Vill. Mandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurdaspur in Jan. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smti. Jasbir D/O Shri Bal Singh, R/O Vill. Mandhar, Teh. & Distt. Gurdaspur. (Transferor)
- (2) S/Shri Kulwant Singh, Jaswant Singh, Sukhdev Singh and Ragbir Singh ss/o Shri Buta Singh R/O Vill. Bhiknowali Teh. & Distt. Gurdaspur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 22-K 11 M as mentioned in the regd deed No. 5955 of January, 1978 of Registering Authority, Gurdaspur.

S. K. GOYAL, IRS
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, AMRITSAR.

Date : 20-7-1978.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Jasbir d/o Shri Bal Singh,
R/o Village Mandhar, Teh. & Distt.
Gurdaspur.

(Transferor)

(2) S/Shri Bawa Singh, Jarnail Singh and Tarlok Singh
R/o Village Bhikowali, Teh. & Distt.
Gurdaspur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR**

Amritsar, the 20th July 1978

Ref. No. GSP/29/1978-79.—Whereas, I, S. K. GOYAL, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Village Mandhar, Teh. and Distt. Gurdaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurdaspur in January, 1978

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land measuring 24-K, 9-M, as mentioned in the registered deed No. 5925 of January, 1978 of Registering Authority, Gurdaspur.

S. K. GOYAL, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-7-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Joginder Singh s/o Shri Sohan Singh
R/o Ward No. 9, Patti, Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Dalip Singh s/o Shri Kishan Singh,
R/o Ward No. 10 Patti Distt. Amritsar

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR**

Amritsar, the 27th July 1978

Ref. No. Patti/31/78-79.—Whereas, I, S. K. GOYAL, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

land situated at Patti

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patti in January 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 21K 11M as mentioned in the regd. deed No. 833/2643 of January 1978 of Registering Authority, Patti Distt. Amritsar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. GOYAL, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—296GI/78

Date : 27-7-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 27th July 1978

Ref. No. KKN/32/78-79.—Whereas, I, S. K. GOYAL, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land situated at KhemKaran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khem Karan in January 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Subhash Chand
Adopted son of Shri Gurdas,
R/o Khem Karan, Distt. Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Hans Raj s/o Shri Nihal Chand,
Shri Surat Pal s/o Shri Jagdish Pal,
Smt. Pritam Kaur w/o Shri Jang Singh,
Khem Karan.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 50K 3M as mentioned in the registered deed No. 705 of January 1978 of Registering Authority Khem Karan Distt. Amritsar.

S. K. GOYAL, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 27-7-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR**

Amritsar, the 2nd September 1978

Ref. No. PTK/78-79/50.—Whereas, I, M. P. SAHNI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Village Muradpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pathankot on February 1978

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Chuni Lal s/o Shri Nathu Ram of Muradpur Teh. Pathankot, Distt. Gurdaspur.

(Transferor)

(2) Smt. Satya Devi w/o Shri Ram Saran, Village Muradpur, Teh. Pathankot, Distt. Gurdaspur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 103K-17M situated in the Malikpur Sunder Check Road via. Malik Pur, Pathankot as mentioned in the Registered Deed No. 5268 of February, 1978 of Registering Authority Pathankot, District Gurdaspur.

N. P. SAHNI, IRS.
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-9-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Capt. Surjit Singh s/o ajor Thakur Singh
R/o Kothi No. 7, Court Road,
Amritsar.

(Transferor)

(2) S/Shri Kuldip Kumar, Surinder Kumar, Rakesh
Kumar, Ashok Kumar sons of Shri Punnu Ram &
Shri Punnu Ram s/o Shri Wadhawa Mai,
R/o Katra Bhagian, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 4th September 1978

Ref. No. ASR/78-79/51.—Whereas, I, N. P. SAHNI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Half portion of Kothi No. 7 situated at Court Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City on March, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of Kothi No. 7, Court Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 4542 of March, 1978 of Registering Authority Amritsar City.

N. P. SAHNI, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 4-9-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Ramesh Dravid s/o Shri Vishwanath Dravid,
R/o Anoop Nagar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—ACQUISITION RANGE,
BHOPAL. M.P.

Bhopal, the 28th August 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1097/78-79.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on 18-1-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

H. No. 44, Bima Nagar, Old Palasia, Indore.

D. C. GOEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-8-1978
Seal :

FORM ITNS —

(1) Shri Sujanmal s/o Shri Sagarmalji,
R/o 13/4, Rajmohalla North,
Indore.

(Transferor)

(2) Shri Shantilal s/o hri Gendalalji,
R/o 1/19, Mahesh Nagar, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
Bhopal, M.P.

Bhopal, the 28th August 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1098/78-79.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 19-1-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Southern front portio nof H. No. 1/19, Mahesh Nagar, Indore.

D. C. GOEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-8-1978
Seal :

FORM ITNS—

(1) Master Murtazaali alias Chitchay,
Through natural guardian father
Abdulhussain and mother Smt. Mehfuzabal,
R/o Manak Chowk, Ratlam.

(Transferor)

(2) Shri Namuddin s/o Shri Barkat Ali Badnawarwala,
R/o H. No. 24(92), Tripoliya Gate Road,
Tayabpura, Ratlam.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,
Bhopal, M.P.

Bhopal, the 28th August 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1099/78-79.—Whereas, I,
D. C. GOEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 13-1-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of H. No. 24(92) known as 'Bangkok-wala building' at Tripolliyagate Road, Tayabpura, Ratlam.

D. C. GOEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 28-8-1978
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.**

Bhopal, M.P., 28th August 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1100/78-79.—Whereas, I,
D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing No.

House situated at Ratlam
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Ratlam on 13-1-1978

for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act',
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the follow-
ing persons namely :—

(1) Master Murtazaali alias Chitchay,
Through natural guardian father Shri Abdulhussain
and mother Smt. Mehfuzabai,
R/o Manak Chowk, Ratlam.

(Transferor)

(2) Shri Abdeali Burketalji,
Bandnawarwalla, Tayabpura, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of H. No. 24(92) known as 'BENGKOK-WALA
BUILDING' at Tripoliya-gate Road, Tayabpura, Ratlam.

D. C. GOEL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 28-8-1978
Seal :

FORM ITNS—

(1) Master Murtazali alias Chitchay,
through natural guardian father
Shri Abdulhussain & mother Smt. Mehfuzabai,
r/o Manak Chowk, Ratlam

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Saifuddin s/o Shri Burkettall
Badnawarwala, Tayabpura, Ratlam.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 28th August 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1101/78-79.—Whereas, I,
D. C. GOEL,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'Said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Ratlam
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Ratlam on 13-1-1978, for an apparent
consideration which is less than the fair market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the appa-
rent consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Part of H. No. 24 (92) known as Bengkok1wala Building'
at Tripoliya-gate Road, Tayabpura, Ratlam.

D. C. GOEL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—
24—296GI/78

Date : 28-8-1978
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 28th August 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1102/78-79.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 16-1-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (1) Shri Kartarsingh Arjunsingh,
r/o Mohalla Mitra Niwas Road, Veer Sawerkar
Street, Station Road, Ratlam.
(Transferor)
- (2) Shri Mansoor Ali s/o Haji Kamruddin Bohra,
Ghaswala,
r/o Mohalla Tahilpura-Chandni Chowk, Ratlam.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House building at Mohalla Mitra Niwas Road, Sawarker Street, Station Road, Ratlam.

D. C. GOEL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-8-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Shiv Shakti Grah Nirman
Sahakari Samiti Ltd.
75, Khajuri Bazar, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Kanchankumari
w/o Shri Sampatsingh Sacheti,
13, Sitabagh Colony, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 8th August 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1103/78-79.—Whereas, I,
D. C. GOEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Indore on 1-2-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

H. No. 25/2 Yeshwant Niwas Road, Indore.
(Plot)

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. C. GOEL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 28-8-1978
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
Bhopal**

Bhopal, the 8th August 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1104/78-79.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Gehalgaoon, Teh. Kukshi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kukshi on 30-1-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Smt. Gulabai wd/o Shri Poonamchand Ahir;
 2. Shri Omprakash s/o Shri Poonamchand Ahir;
 3. Shri Parsram s/o Shri Poonamchand Ahir;
 r/o Chikhalda, Tehsil Kikshiki, Dist. Dhar.
 (Transferor)

- (2) Shri Ambaram
 s/o Shri Ramaji Kulmi,
 r/o Post Susari,
 Teh. Kukshi, Dist. Dhar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agricultural land in village Gehalgaoon, Tehsil Kukshi, Khasra No. 79/1, Area 5-932.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

D. C. GOEL,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-8-1978
 Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Vedkumari
w/o Shri Ramal,
r/o Ratan Colony,
Narbada Road, Jabalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
BHOPAL**

Bhopal, the 8th August 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1105/78-79.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Jabalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 17-2-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

(2) Smt. Saroja Devi
w/o Shri Rajan,
r/o Modi Bada Cantt.
residing at present Ratan Colony,
Narbada Road, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Municipal H. No. 109/10 I, 109/19 J, Ward Gorakhpur, Jabalpur.

D. C. GOEL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-8-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sridhar Prasad
s/o Shri Bhanupratap Tiwari,
r/o Rajao, Teh. Sagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Virendrakumar
s/o Shri Tarachand Jain,
r/o Gandhi Chowk Ward, Sagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 8th August 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1106/78-79.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Sagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sagar on 30-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Three storeyed house situated at Gandhi Chowk Ward, Sagar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. C. GOEL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 28-8-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. S. K. Sengupta
s/o Shri Sanadkumar Sengupta,
r/o Bombay Bazar, Khandwa.

(Transferor)

(2) Smt. Sugrabai
w/o Shri Akbarali Daodji Bhora Rassiwala,
r/o 130, Bombay Bazar, Khandwa.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 8th August 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1107/78-79.—Whereas, I,
D. C. GOEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Khandwa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of Registering Officer at
Khandwa on 13-1-1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reasons to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/
or

THE SCHEDULE.

Nazul Block No. 45, Plot No. 77, Mohalla Brahamanpuri,
Mali Kuwa, Ranjit Ward, Khandwa.

D. C. GOEL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

Date : 28-8-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Ramnarain Dubey
s/o Shri Radhelalji Dube,
r/o 1-A, Prem Nagar Colony,
Indore.

(Transferor)

(2) Kumari Sunita
d/o Shri Ratanlal Balwani,
r/o 35-A, Prem Nagar Colony,
Indore.

(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 8th August 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1108/78-79.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 30-1-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House on block No. 1/B, Prem Nagar Colony, Part-A, Indore.

D. C. GOEL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 28-8-1978
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Noshadali
s/o Shri Asgarali,
r/o 13, Gafoorkhan-ki-Bajaria,
Indore.

(Transferor)

(2) Shri Govindram
s/o Shri Hazarilal,
r/o 106, Jairampur Colony,
Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 8th August 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1109/78-79.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 7-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open Plot No. 67, Palsikar Colony, Indore.

D. C. GOEL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

25—296GI/78

Date : 28-8-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

(1) Shri Darshansingh
s/o Shri Indersingh;
r/o Village Kanipura,
Teh. Gohad, Dist. Bhind.

(Transferor)

(2) S/Shri
1. Suchhasingh;
2. Nindersingh;
3. Jugendersingh.
all S/o Shri Karnalsingh;
4. Shri Bhajansingh &
Shri Satnamasingh,
S/o Shri Ajitsingh, Sikh,
r/o Village Kanipura,
Teh. Gohad, Dist. Bhind.

(Transferee)

Bhopal, the 4th September 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1112/78-79.—Whereas, I,
D. C. GOEL,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
 and bearing No.

Agri. land situated at Kanipura, Teh. Gohad
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
 Gohad on 29-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property, and I have reasons to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not truly stated in the said instrument
 of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-
 movable property, within 45 days from the date
 of the publication of this notice in the Official
 Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
 any moneys or other assets which have not
 been or which ought to be disclosed by the
 transferee for the purposes of the Indian Income-tax
 Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the
 Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
 tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Agricultural land at Kanipura, Khata No. 121, Rakba
 83-313 Hectares, Rent Rs. 768.76 out of which the agricultural
 land sold 1/9th share of the land mentioned above i.e. 9-257
 hectares about 23-00 acres and the rent Rs. 85.40.

D. C. GOEL,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range,, Bhopal.

Date : 4-9-1978
 Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Noshadali
s/o Shri Asgarali,
r/o 13, Gafoorkhan-ki-Bajaria,
Indore.

(Transferor)

(2) Shri Govindram
s/o Shri Hazarilal,
r/o 106, Jairampur Colony,
Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 8th August 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1109/78-79.—Whereas, I,

D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 7-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open Plot No. 67, Palsikar Colony, Indore.

D. C. GOEL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

25—296GL/78

Date : 28-8-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,****BHOPAL**

Bhopal, the 29th August 1978

- (1) 1. Smt. Sampatti Bai,
wd/o Shri Tejmal;
2. Smt. Kusumbai
3. Smt. Sarojbai
w/o Shri Ultamchand;
4. Shri Rajendrasingh;
5. Shri Vimalchand;
6. Shri Prassanchand;
7. Shri Padamchand;
8. Shri Virendrasingh;
9. Shri Dhanyakumar;
10. Shri Surendrakumar;
11. Shri Narendrakumar;
12. Shri Mahendrakumar;
all Ss/o Shri Tejmal,
r/o 134, Ada Bazar,
Indore.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Ashokkumar;
2. Shri Lalitkumar;
both Ss/o Shri Phoolchand Jain; and
3. Shri Phoolchand
s/o Shri Harakchand,
r/o 186, Jawahar Marg,
Indore.

(Transferee)

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1110/78-79.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Indore

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on 27-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2, situated at Gulab Park Colony, Indore.

D. C. GOEL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,, Bhopal.

Date : 29-8-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kailash
s/o Shri Campalal Patidar,
r/o post Pipalgone,
Teh. Kasrawad, Dist. W. Nimar.

(Transferor)

(2) Shri Govindkumar Gulabchand Paliwal,
r/o post Pipalgone,
Teh. Kasrawad, Dist. W. Nimar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 29th August 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1111/78-79.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Bhayapur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kasrawad on 19-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land 8-53 acres (3.451) Hectares at Village Bhayapur, Halka No. 35, Khata No. 131/3, Teh. Kasrawad, District West Nimar, Khargone.

D. C. GOEL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,, Bhopal.

Date . 29-8-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

(1) Shri Darshansingh
s/o Shri Indersingh;
r/o Village Kanipura,
Teh. Gohad, Dist. Bhind.

(Transferor)

(2) S/Shri
1. Suchhasingh;
2. Nindersingh;
3. Jugendersingh.
all Ss/o Shri Karpalsingh;
4. Shri Bhajansingh &
Shri Satnamasingh,
Ss/o Shri Ajitsingh, Sikh,
r/o Village Kanipura,
Teh. Gohad, Dist. Bhind.

(Transferee)

Bhopal, the 4th September 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1112/78-79.—Whereas, I,
D. C. GOEL,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
 and bearing No.

Agri. land situated at Kanipura, Teh. Gohad
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
 Gohad on 29-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property, and I have reasons to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not truly stated in the said instrument
 of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-
 movable property, within 45 days from the date
 of the publication of this notice in the Official
 Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

THE SCHEDULE

Agricultural land at Kanipura, Khata No. 121, Rakba
 83.313 Hectares, Rent Rs. 768.76 out of which the agricultural
 land sold 1/9th share of the land mentioned above i.e. 9.257
 hectares about 23.00 acres and the rent Rs. 85.40.

(b) facilitating the concealment of any income or
 any moneys or other assets which have not
 been or which ought to be disclosed by the
 transferee for the purposes of the Indian Income-tax
 Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the
 Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. C. GOEL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
 (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Date : 4-9-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sampatikumar
s/o Shri Sampatrao
(minor) guardian mother Smt. Shashibai
w/o Shri Sampatrao Mahajan,
r/o Maheshwar, Teh. Maheshwar,
Dist. W. Nimar.

(Transferor)

(2) Shri Shantilal
s/o Shri Govindji, Patidar,
r/o Kundiya, Teh. Maheshwar,
Dist. W. Nimar, Khargone.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 4th September 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1113/78-79.—Whereas, I, D. C. GOEL,
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Agrl. land situated at Vill. Kundiya,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Maheshwar on 31-1-18
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agrl. land at village Kundiya, Teh. Maheshwar, Dist. W. Nimar Kh. No. 28, Rakba 6-80 acres (2-752 Hectares).

D. C. GOEL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-9-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th September 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1114/78-79.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open land & Shed situated at Golegaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Narsinghpur on 4-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Sadanand Jain alias Ramlal Jain
2. Smt. Sadhnadevi,
3. Shri Nirajkumar;
4. Ku. Neeta;
5. Kumari Nidhi,
6. Shri Nileshkumar
7. Smt. Poonabai wd/o Shri Ramlal,
all r/o Gotegaon,
Teh. & Distt. Narsinghpur.

(Transferor)

- (2) M/s. Ratilal Ramlal, Gotegaon,
through : partner Chhikodilal
s/o Shri Ratilal Jain,
r/o Gotegaon, Narsinghpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land and shed at Rudra Ward, Gotegaon, Distt. Narsinghpur.

D. C. GOEL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 4-9-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Raisjahan Begum D/o Late Shri Abdul Ahad,
R/o Ibrahimpura, Bhopal.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Premlata Agrawal
w/o Shri Lala Balkishan Agrawal,
r/o Chowk, Bhopal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th September 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1115.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (part) situated at Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 24-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Part of house No. 188, Ward No. 6 situated at Sheikh Batti-gali, Ibrahimpura, Bhopal.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. C. GOEL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-9-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Anis Jahan Begum D/o Late Shri Abdul Atad
R/o Ibrahimpura, Bhopal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th September 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1116.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House (part) situated at Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 24-1-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Part of house No. 188, Ward No. 6 situated at Sheikh-Batti-gali Ibrahimpura, Bhopal.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. C. GOEL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-9-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Abdul Wahid S/o Late Shri Abdul Atad, R/o Ibrahimpura, Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. Premlata Agrawal
w/o Shri Lala Balkishan Agrawal,
r/o Chowk, Bhopal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th September 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1117.—Whereas, I, D. C. GOEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House (part) situated at Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhopal on 24-1-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Part of house No. 188, Ward No. 6 situated at Sheikh Batti-gali Ibrahimpura, Bhopal.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. C. GOEL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range., Bhopal.

Date : 7-9-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

26—296GI/78

FORM ITNS

(1) Shri Abdul Hai
S/o Late Shri Abdul Atad,
r/o Ibrahimpura, Bhopal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Premlata Agrawal
w/o Shri Lala Balkishan Agrawal,
r/o Chowk, Bhopal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BHOPAL,**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 7th September 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1118.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House (part) situated at Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 24-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Part of house No. 188, Ward No. 6 situated at Sheikh Batti-gali, Ibrahimpura, Bhopal.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

D. C. GOEL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 7-9-1978

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Shri Laxmilalji
s/o Shri Budhmal Jukkad,
r/o Jagdalpur.

(Transferor)

(2) Shri Motilal
s/o Shri Budhmal Jukkad,
r/o Jagdalpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th September 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1120/78-79.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Gram Kumhari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

Jagdalpur on 3-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Double storied house situated at Cloth Market, Gram Kumhari, District Jagdalpur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. C. GOEL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-9-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ihdandas
s/o Shri Nemandasji Sindhi;
r/o Shitoley Saheb ka Bada,
Pichadi Dyodhi, Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

(2) 1. Shri Hariram; 2. Shri Dilaram; &
3. Shri Omprakash,
all S/o Shri Budhamalji Sindhi,
r/o Dhorpade Saheb ka Bada,
Daulatganj, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Bhopal, the 9th September 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1121/78-79.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gwalior on 31-1-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House M. No. A 3/680, situated at Shitoley Saheb ka Bada, Pichadi Dyodhi, Lashkar, Gwalior.

D. C. GOEL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-9-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Arunkumar Agarwal
s/o Shri Shankar Prasad Agarwal,
r/o Juni Line, Bilaspur.

(Transferor)

(2) Shri Devidin
s/o Shri Bhawanidin
r/o Gondpara, Bilaspur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th September 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1122.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Bilaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Bilaspur on 25-1-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Two storied house Area 2600 Sq. ft. approx. situated at Juna Bilaspur [Khasra No. 672/P, (672/50)].

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. C. GOEL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-9-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th September 1978

- (1) 1. Shri Iqbal Mohd. Tahsin;
2. Mohd. Shamim Babar;
3. Mohd. Said Jaffar;
4. Mohd. Atik Tahar;
5. Mohd. Rafiq;
6. Sajida Begum;
7. Rajia Begum Pisran Sheikh Mohd. Umar;
8. Mus. Kanji Fatma Begum
wd/o Sheikh Mohd. Umar,
all r/o Gondpara, Bilaspur.
(Transferors)

- (2) Shri Bashir Ahmad
s/o Mohd. Yakub
r/o Link Road, Bilaspur.

(Transferee)

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1123.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Bilaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 19-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 30 & 31, Block No. 5, H. No. 110A, Area 10320 Sq. ft. situated at Juna Bilaspur.

D. C. GOEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-9-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bherulal
s/o Shri Nanalalji Kothari,
r/o Neemuch Cantt.

(Transferor)

(2) Shri Surajmal
s/o Shri Kajodimalji Mahajan,
r/o Mandi Bhagana, Neemuch.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 16th September 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1124.—Whereas, I,

D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Neemuch

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Neemuch on 3-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Double storied building H. No. 64, Shop No. 36, Jawahar Marg, Station Road, Bhagana, Neemuch.

D. C. GOEL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, In pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-9-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jagdish Sahai Hitkari,
7/156-B, Swaroop Nagar,
Kanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Veena Pandey,
24/24, Karachi Khana,
Kanpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th April 1978

Ref. No. Acq/890/Kanpur/77-78/63.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 9-1-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot of 393 sq. yds. with some old construction comprised in property No. 7/156-B. Swaroop Nagar, Kanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 74,670/-.

R. P. BHARGAVA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 6-4-78
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Harish Chand S/o Shri Bramha Sen and Mukhtaraam of Smt. Monga Devi and Mukhtaraam of Smt. Raj Kumari, R/o Khanpur Gantoo, Farrukhabad.

(Transferor)

(2) Shri Nathi Singh and Chandra Sen S/o Shri Chidha Singh, R/o Khanpur Gantoo, Farrukhabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th April 1978

Ref. No. Acq/1693-A/B. Shahar/77-78/374.—
Whereas, I, R. P. BHARGAVA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anoop Shahar on 27-1-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Agricultural Land measuring 3 bigha and 17 biswa situated at Vill. Khanpur Gantoo, Distt. Bulandshahar, transferred for an apparent consideration of Rs. 48,000/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. BHARGAVA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—
27—296GI/78

Date : 17-4-78
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Naresh Kumar and Mahendra Kumar
S/o Shri Mohan Lal,
Railway Road,
Farrukhabad.

(Transferor)

(2) Smt. Ram Kaur W/o Shri Ram Lal, and
Shri Amrik Singh S/o Shri Ram Lal
Garhi Kohna,
Farrukhabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th April 1978

Ref. No. Acq/940/F.Bad/77-78/375.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Farrukhabad on 30-1-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land & building known as St. Anthony Convent School, Gali Garhi Nawab, Farrukhabad transferred for an apparent consideration of Rs. 50,000/-

R. P. BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 17-4-78

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ramji Lal and Hiral Lal
S/o Shri Kishori Lal
Vrindavan, Mathura.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Brijendra Kumar
S/o Shri Panna Lal,
Vrindavan, Mathura.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th April 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

Ref. No. Acq/894/Mathura/77-78/376.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura on 6-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land & building bearing No. 517-528 and 519, old Bajaji, Vrindavan, Distt. Mathura transferred for an apparent consideration of Rs. 40,000/-.

R. P. BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 17-4-78
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th April 1978

Ref. No. Asq/947/Agra/77-78/551.—Whereas, I,
R. P. BHARGAVA,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
as per Schedule situated at as per Schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Agra on January, 1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition
of the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

(1) Shri Raghunath Prasad S/o Shri Radhey Lal,
R/o Seth Gali, Agra,
Present Address : 108-A, Bhuleshwar Road,
Bombay-6.

(Transferor)

(2) Shri Krishan Kumar S/o Shri Jhabbo Lal
Smt. Sharda Agarwal W/o Shri Brahm Kumar
Partners M/s Jamna Prasad Girraj Kumar
R/o Putaria Mahal, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons whichever
period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land & building bearing
No. 6/22, Barah Bhai Gali, Belanganj, Agra, Transferred for
an Apparent consideration of Rs. 65,000/-.

R. P. BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 27-4-78.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 31st May 1978

Ref. No. Acq/983/Firozabad/77-78/1081.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Firozabad on 13-1-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ali Hussain Alias Babu Khan
S/o Haji Kallu Ustad and
Smt. Akbari Begum Alias Safeda
D/o Gulsherr Khan
W/o Ali Hussain Alias Babu Khan
R/o Islamganj,
Firozabad (Agra)

(Transferor)

(2) Shri Krishna Murari Gupta
S/o Shri Sriram
R/o Moh. Chau,
Firozabad (Agra)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immoveable Property consisting of land and boundary wall measuring 24558 sq. ft. situated at Moh. Islamganj, Firozabad (Agra) transferred for an apparent consideration of Rs. 64,000/-.

R. P. BHARGAVA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 31-5-78

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Peetam Singh S/o Shri Mukhtyara
R/o Vill. Kukda
Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, KANPUR

(2) S/Shri Mool Chand, Mahipal Singh, Mahavir Singh, Tejpal Singh and Kalyan Singh
Ss/o Baru Singh and Smt. Vidyawati
W/o Peetam Singh
R/o Vill. Kukda
Distt. Muzaffarnagar.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kanpur, the 13th June 1978

Ref. No. Acq/1724-A/M. Nagar/77-78.—Whereas, J. R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 25-1-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land measuring 6 bigha and 7 biswas situated at vill. Kukda, Distt. Muzaffarnagar, transferred for an apparent consideration of Rs. 55,000/-.

R. P. BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-6-78

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th June 1978

Ref. No. Acq/1729-A/MRT/77-78/1629.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Meerut on 3-1-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Narendra Kumar
S/o Late Shri Jai Narain,
R/o Vill. Khawajampur Majra,
P.O. Rasulpur Rohta, Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Charan Singh
S/o Shri Khazan Singh,
R/o Vill. Rasulpur Rohta,
P.O. Khas, Distt. Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Agricultural land measuring 6 bigha 4 biswa comprised in Khasra No. 484, situated at Vill. Khamjampur, Majra, Distt. Meerut, transferred for an apparent consideration of Rs. 53,000/-.

R. P. BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 15-6-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) S/Shri Rakesh Kumar Gupta s/o Niranjan Prakash Gupta and Smt. Kaushalya Devi w/o Late Niranjan Prakash Gupta R/o 18, Baba Khaki, Meerut.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 25th July 1978

No. ACQ/1699-A/MRT/77-78/2141.—Whereas I, L. N. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 28-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Anil Kumar Jain S/o Late Shri Kailash Chand R/o Baba Khaki, Meerut City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 9 Biswas 12 Biswansi and 16 Kachwansi comprised in Khasra No. 2018, Meerut Delhi Road, Meerut, transferred for an apparent consideration of Rs. 51,032/-.

L. N. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 25-7-78

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

KANPUR

Kanpur, the 28th July 1978

Ref. No. Acq/1726-A/D. Dun/77-78.—Whereas I, L. N. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dehradun on 25-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

28—296GI/78

(1) S/Shri Indra Mohan Goyal S/o Late Sri Bakhtawar Singh, Self and as Mukhtaraam of his mother Smt. Bhagwati Devi, widow late Sri Bakhtawar Singh, R/o Mawana Kalan, Mdh. Hipalal Distt. Meerut; Anand Prakash Goyal S/o Late Bakhtawar Singh, P/o 25, Civil Lines, Roorkee Distt. Saharanpur, Smt. Sheela Gupta w/o Shyam Bihari Lal Gupta, Works Manager, Govt. Workshop, Roorkee, Distt. Saharanpur and Smt. Vimla Goyal w/o Purshotam Das, R/o Udaipur, Rajasthan (Sellers at Sl. No. 3, 4 & 5 through Indra Mohan Goyal).

(Transferee)

(2) S/Shri Lal Chand S/o Pirthi Singh, Rajendra Kumar Agrawal and Vinai Kumar sons of Lal Chand, R/o 34-K, Khurbura, Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of house property bearing No. 26/2, situated at Tilak Road, Dehradun, transferred for an apparent consideration of Rs. 1,00,000/-.

L. N. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-7-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ikram Son of Buddh Singh,
Resident of Vill. Medhakheri
Parg. & Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 10th August 1978

Ref. No. Acq/1723-A/M. Nagar/77-78.—Whereas, I, L. N. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act').

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEUDLE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 20-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) S/Shri Rampal Singh, Harpal Singh & Omveer Singh Sons of Assaram,
R/o Vill. Medhakheri,
Parg. & Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land measuring 4 Bigha 12 Biswa and 7 Biswansi situated in Village Bachaida Khurd, Distt. Muzaffarnagar, transferred for an apparent consideration of Rs. 40,000/-.

L. N. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-8-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kishan Chand S/o Ramesh Chand
R/o Civil Lines,
Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) S/Shri Ranveer Singh, Jagveer Singh, Sons of
Basant Singh, Bhopal Singh, Satpal Singh, Mahipal
Singh, Rajpal Singh and Brijpal Singh Sons of
Preetam Singh, R/o Village Sabojani, Parg. Baghra,
Teh. & Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
KANPUR**

Kanpur, the 12th September 1978

Ref. No. Acq/1722-A/M. Nagar/77-78.—Whereas, I, L. N. GUPTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 18-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land measuring 8 Bigha and 7 Biswas situated at Village Sabojani, Parg. Baghra, Teh. & District Muzaffarnagar, transferred for an apparent consideration of Rs. 25,000/-.

L. N. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 12-9-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) S/Shri Gyana S/o Balla Self & Guardian of
Shri Vijaipal Singh,
R/o Vill. Sisauli, Parg. Shikarpur,
Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) S/Shri Sukhveer Singh S/o Parampat,
Jagdish, Tilakram & Ilamchand Sons of Jhandu,
R/o Vill. Sisauli, Parg. Shikarpur,
Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 12th September 1978

Ref. No. Acq/33-A/M. Nagar/77-78.—Whereas I, L. N. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Budhana on 23-2-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land measuring 6 Bighas 1 Biswa and 10 Biswansi situated at Village Sisauli, Parg. Shikarpur, Distt. Muzaffarnagar transferred for an apparent consideration of Rs. 45,570/-.

L. N. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 12-9-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Deoki Nandan S/o Sri Dwarika Prasad,
R/o Vill. Chandpur,
Parg. & Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 12th September 1978

Ref. No. Acq/1677-A/M. Nagar/77-78.—Whereas I, L. N. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDELE, situated at AS PER SCHEDELE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 12-1-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) S/Shri Saktoo S/o Ram Kishan, Ranveer Singh & Mahendra Singh Sons of Risal Singh and Jagat Singh S/o Gulzara, R/o Vill. Chandpur, Parg. & Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land measuring 7 Bighas 1 Biswa and 12½ Biswansi situated at Vill. Chandpur, Parg. & Distt. Muzaffarnagar, transferred for an apparent consideration of Rs. 55,000/-.

L. N. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 12-9-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ram Swaroop S/o Hari Prasad
Vill. & P.O. Muraiya Bujurg,
Teh. Kannauj
Distt. Farrukhabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
KANPUR

Kanpur, the 13th September 1978

Ref. No. Acq/896/Kannauj/77-78.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEQUE, situated at AS PER SCHEQUE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kannauj on January 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property so aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) S/Shri Sohan Singh and Sukhdev Singh,
Sons of Laccha Singh,
Teh. Kannauj
Distt. Farrukhabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land measuring 4.65 Acres situated at Vill. Muraiya Bujurg, Teh. Kannauj, Distt. Farrukhabad transferred for an apparent consideration of Rs. 25,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 13-9-1978

Seal :

FORM IIINS —————

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING

**ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
KANPUR**

Kanpur. the 13th September 1978

Ref. No. Acq/967/Bodha/77-78.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Modaha on January 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Ganesh S/o Chunka
R/o Karahiya, Teh. Modaha,
Distt. Hamirpur.

(Transferor)

(2) Shri Babu S/o Khalmal
R/o Karahiya, Teh. Modaha,
Distt. Hamirpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land measuring 14.20 Acre situated at Vill. Karahiya, Teh. Modaha, Distt. Hamirpur transferred for an apparent consideration of Rs. 20,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 13-9-1978

Seal

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 13th September 1978

Ref. No. Acq/Firozabad/984/77-78.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Firozabad on January 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bhup Singh s/o Maujiram,
R/o Nagla Ghani Majra, Mauja Nepai,
Teh. Firozabad, Distt. Agra.
(Transferor)

(2) S/Shri Radhey Shyam, Rameshpal Singh and
Krishan Murari sons of Mahtab Singh and
Shyam Singh S/o Chattar Singh
R/o Village Eatura,
Teh. Firozabad, Distt. Agra.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land measuring 12 Bighas 8 Biswas and 10 Biswansi situated at Vill. Nepai, Teh. Firozabad, Distt. Agra, transferred for an apparent consideration of Rs. 87,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 13-9-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Vishnu Narain S/o Rameshwar Dayal Shukla
R/o Moh. Bapu Saheb,
Parg. and Distt. Jalaun.
(Transferor)

(2) Smt. Saraswati Devi W/o Sudhakar
R/o Majeth, P.O. Majeth,
Distt. Jalaun, and
Sri Kedar Nath Shukla
S/o Dayaram,
Smt. Janak Sundari W/o Kedar Nath
R/o New Ram Nagar, Urai,
Distt. Jalaun.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 13th September 1978

Ref. No. Acq/936/Jalaun/77-78.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalaun on January 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property; within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Agricultural land measuring 8.99 Acre situated at village Majeth, Distt. Jalaun, transferred for an apparent consideration of Rs. 27,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 13-9-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
29—296GI/78

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-****TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 13th September 1978

Ref. No. Acq/922/Kanpur/77-78.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on January 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Bhagwant Lal Khanna
S/o Shri Ganpat Rai Khanna,
120/194, Lajpat Nagar,
Kanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Chandramani Mishra
W/o Chandranath Misra and
Smt. Veena Misra W/o Mohan Lal
R/o 321/2, Juhi Labour Colony,
Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot of land measuring 500 Sq. yds. bearing plot No. 4, Block-S, Scheme-I, Govind Nagar, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 33,438/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 13-9-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
**ACQUISITION RANGE,
 KANPUR**

Kanpur, the 13th September 1978

Ref. No. Acq/1661-A/D. DUN/77-78.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on January 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S/Shri Manjit Singh S/o Daleep Singh, Sushil Kumar S/o Budh Singh, Sudhir Kumar S/o Budh Singh R/o Vill. Dhakowali (Kandauli) Parg. Pachwa, P.O. Jhajhra, Dehradun and Devi Singh and Sukhpal Singh, Sons of Nagchand, Ram Krishan S/o Chattar Singh, R/o Village Nakronda, Parg. Parwa, Teh. Ldahra, Distt. Dehradun.

(Transferor)

(2) S/Shri Radha Balabh Joshi S/o Devi Dutt and Charan Datt Joshi S/o Devi Dutt, R/o Village Bagjwala, Patimali Malimatad, Distt. Pithaura, Garhwal, Present : Nakronda, Parwadun Distt. Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land measuring 2.85 acres situated at Village Nakronda, Parg., Parwadun, Distt. Dehradun transferred for an apparent consideration of Rs. 32,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kanpur.

Date : 13-9-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 13th September 1978

Ref. No. Acq/1716-A/MRT/77-78.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Sunder Das Varma
S/o Hemraj Varma and
Subash Chandra S/o Sunder Das Varma,
R/o 10/2-C, Patel Nagar,
Meerut.
(Transferor)

(2) Smt. Nirmal Gupta W/o Ram Kishore Gupta
S/Shri Brahm Swaroop, Desh Raj and
Rajendra Kumar sons of Late Durga Prasad
R/o 171, Abu Lance, Sadar,
Meerut Cantt.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land and buildings bearing No. 171, Abu Lance, Meerut Cantt., transferred for an apparent consideration of Rs. 50,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 13-9-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri Rajaram and Atar Singh
Sons of Mula
R/o Village Kainduki P.O. Khas, Parg. Deoband,
Distt. Saharanpur.

(Transferor)

(2) S/Shri Mahendra Singh, Sopal Singh
Sons of Chandra Kisan,
Rajbal and Rajpal and Harpal sons of Kaliram
R/o Khadda, P.O. Khas, Parg. Purachpar,
Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
KANPUR**

Kanpur, the 13th September 1978

Ref. No. Acq/1688-A/M.Nagar/77-78.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEQUE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Deoband on January, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land measuring 11 Bighas situated at Village Kainduki Parg. Deoband, Distt. Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 42,900/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 13-9-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 15th September 1978

Ref. No. Acq/1668-A/G.Bad/77-78.—Whereas I,
B. C. CHATURVEDI
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 17-1-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Tejinder Singh Sawhney, Charanjeet Singh Sawhney sons of Ajit Singh Sawhney, Smt. Jaswant Kaur W/o Ajit Singh Sawhney R/o 2939, Haimilton Road, Delhi-6.

(Transferor)

(2) Shri Sunder Lal son of Pooran Chand and Smt. Chandra Kanta W/o Sunder Lal, R/o KF-27, Kavi Nagar Colony, Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of house property bearing No. KF-27, measuring 867-55 Sq. yds. situated at Kavi Nagar Colony, Ghaziabad, transferred for an apparent consideration of Rs. 2,52,000/-.

B. C. CHATURVEDI
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kanpur.

Date : 15-9-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
KANPUR

Kanpur, the 20th September 1978

Ref. No. Acq/959/Mainpuri/77-78.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
 movable property, having a fair market value exceeding
 Rs. 25,000/- and bearing No.
 AS PER SCHEDEULE situated at AS PER SCHEDEULE
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908), in the office of the Registering Officer at
 Mainpuri on January 1978
 for an apparent consideration which is less than the
 fair market value of the aforesaid property and I
 have reason to believe that the fair market value of
 the property as aforesaid exceeds the apparent con-
 sideration therefor by more than fifteen per cent of
 such apparent consideration and that the consideration
 for such transfer as agreed to between the parties has not
 been truly stated in the said instrument of transfer with the
 object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Sharad Chand Chaturvedi
 S/o Satish Chand Chaturvedi
 R/o 131, Mishrana, Mainpuri,
 Shri Mukhtyarkhas Rajaram S/o Ayodhya,
 Shri Budhi Sagar Shukla S/o Vishwa Nath Shukla,
 R/o Dikshayaar, and
 Shri Ram Deo S/o Subaran, and
 Shri Bashishtha S/o Jag Mohan,
 R/o Apri Ahad Tatyakoram, Parg. Bhanjani,
 P.O. Ahra, Distt. Basti,

(Transferor)

(2) Smt. Sumirni W/o Krishan Chand Mishra,
 Smt. Mahadevi W/o Kali Charan and
 Smt. Malti Devi W/o Suresh Chand,
 R/o Kuchela, P.O. Khas,
 Distt. Manipuri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the publi-
 cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
 defined in Chapter XXA of the said Act
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

THE SCHEDEULE

Immovable property consisting of agricultural land situated
 at Village Kuchela, Parg. Firor, Distt. Mainpuri, transferred
 for an apparent consideration of Rs. 30,000/-.

B. C. CHATURVEDI
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely:—

Date : 20-9-1978

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 20th September 1978

Ref. No. Acq/1841-A/G.Bad/77-78.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at **AS PER SCHEDULE** (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Hapur on January 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Tikaram S/o Ram Swaroop,
R/o Hapur.
(As the Secretary of the Trust Shri Kanhaiya Lal
Aurvedic Dharmarth Aushdhalaya, Hapur,
Distt. Ghaziabad.)

(Transferee)

(2) Smt. Sushila Devi Widow Balkishan Das,
R/o Jagganath Puri, Teh. Khas, Hapur,
Distt. Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Shop No. 34, measuring 110 sq. yds. situated at Barti Mandi, Hapur, transferred for an apparent consideration of Rs. 39,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 20-9-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Pt. Surendra Prakash Vasudev
S/o Late Mahant Onkar Prasad,
R/o Onkar Villa, 1, Chakrata Road,
Dehradun.

(Transferor)

(2) Mitralok Sehkari Grah Nirman Samiti Limited,
62, Sayed Mohalla, Mauja Chukhuwala,
Dehradun through its President
Iyoti Bahuguna S/o Maheshchand Bahuguna and
Secretary Prem Chand Verma S/o Sitaram.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 28th September 1978

Ref. No. Acq/1663?A/DDN/77-78.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Dehradun on January, 1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the purposes
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot Nos. 19, 19-M,
20-M and 21-M, measuring 54 Bighas, situated in Chukhuwala,
Distt. Dehradun, transferred for an apparent consideration
of Rs. 1,08,000/-.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
30—296GI/78

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 20-9-1978
Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Radha Govind Charitable Trust,
Jaisinghpura, Distt. Mathura,
Through Collector, Mathura.

(Transferor)

(2) Shri Bankey Bihar S/o Ramji Das,
Hanuman Tila, Distt. Mathura.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 28th September 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. Acq/916/Mathura/77-78.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura on 23-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land measuring 6.20 Acre, situated at Jaisinghpura, Bagaur, Distt. Mathura, transferred for an apparent consideration of Rs. 22,000/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely :—

Date : 28-9-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Life Insurance Corporation of India,
Divisional Office,
21/273, Jeoni Mandi,
Laxmi Mills Building,
Agra.

(Transferor)

(2) Shri M. C. Mehris S/o Brijgopal Sharma,
R/o Agra Gate, Firozabad,
Distt. Agra.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kanpur, the 28th September 1978

Ref. No. 95/Acq/Firozabad/78-79.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Firozabad on 30-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 38047 sq. ft. situated at Sukhmalpur Nizamabad, Muhal Badri Nath, Gopal Nagar, Firozabad, transferred for an apparent consideration of Rs. 28,533/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 28-9-1978
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR,
NAGPUR

Nagpur, the 20th June 1978

No. IAC/ACQ/73(1)/78-79.—Whereas, I, H. C. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop Nos. 2 and 3, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur, situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 27th January, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market-cum-Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Janglyaji s/o Dhondbaji Nachankar, Pachpaoli, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop Nos. 2 and 3, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

H. C. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date : 20th June 1978.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR,
NAGPUR.

Nagpur, the 20th June 1978

No. IAC/ACQ/73(2)/78-79.—Whereas, I, H. C. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 4, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 27th January, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market-cum-Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Abdul Karim s/o Sh. Roashan, Bhalarpura, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 4, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

H. C. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 20th June 1978,
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**
ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHAMBER, SADAR,
NAGPUR

Nagpur, the 20th June 1978

No. IAC/ACQ/73(3)/78-79.—Whereas, I, H. C. SHRIVASTAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 5, constructed on Plot No. 58, in Ward, No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nagpur on 31st January 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market-cum-Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Yogeshwar Dullaji Timki Road, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

Shop No. 5, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

H. C. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date : 20th June 1978.
Seal :

FORM ITNS—

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market-cum-Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR,
NAGPUR

(2) Shri Puranik Mahadeo Bode,
Ramnagar, Lalganj, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Nagpur, the 20th June 1978

No. IAC/ACQ/73(5)/78-79.—Whereas, I, H. C. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 7 and Godown No. 26, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 30th January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 7 and Godown No. 26, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

H. C. SHRIVASTAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20th June 1978.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR,
NAGPUR**

Nagpur, the 20th June 1978

No. IAC/ACQ/73(4)/78-79.—Whereas, I, H. C. SHRIVASTAVA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 6, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 27th January, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market-cum-Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Smt. Amtullabai w/o Sk. Mohamadbhai, Itwari, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

H. C. SHRIVASTAVA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20th June 1978.

Seal :

FORM ITNS —————

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market-cum-Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR,
NAGPUR

Nagpur, the 20th June 1978

No. IAC/ACQ/73(6)/78-79.—Whereas, I, H. C. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 9, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nagpur on 31st January 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Dr. Ramkrishna s/o Narayandas Gupta, Gandhinagar, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 9, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
31—296GI/78

H. C. SHRIVASTAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date : 20th June 1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market-cum-Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHAMBER, SADAR
NAGPUR

(2) Shri Assudhani Alias Asuddaram
S/o Tillumal Khubchandani,
Jariptka, Nagpur.

(Transferee)

Nagpur, the 20th June 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. IAC/ACQ/73(7)/78-79.—Whereas, I, H. C. SHRIVASTAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 11, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 25th January 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 11, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

H. C. SHRIVASTAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 20th June 1978,
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR
NAGPUR

Nagpur, the 20th June 1978

No. IAC/ACQ/73(8)/78-79.—Whereas, I,
H. C. SHRIVASTAVA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Shop No. 14, constructed on Plot No. 58,
in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur
situated at Nagpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Nagpur on 27th January, 1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reasons to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative
Market-cum-Housing Society, Ltd., Gandhibagh,
Nagpur, through its Secretary Shri D. L. Multani,
Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Mazarali s/o Sk. Mohashanali,
Itwari, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 14, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30,
Gandhibagh, Nagpur.

H. C. SHRIVASTAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

Date : 20th June 1978.

Seal :

FORM ITNS
NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market-cum-Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR
NAGPUR

Nagpur, the 20th June 1978

No. IAC/ACQ/73(9)/78-79.—Whereas, I,
H. C. SHRIVASTAVA
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Shop No. 16 and Godown No. 35, constructed on Plot No. 58
in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur
situated at Nagpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Nagpur on 31st January 1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(2) Smt. Ramaben w/o Madhusudan Desai,
Itwari, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 16, and Godown No. 35, constructed on Plot
No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

H. C. SHRIVASTAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons namely :—

Date : 20th June 1978.

Seal :

FORM ITNS—

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market-cum-Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Chandanlal s/o Nathuram, Sudam Road, Itwari, Nagpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR
NAGPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Nagpur, the 20th June 1978

No. IAC/ACQ/73(10)/78-79.—Whereas, I, H. C. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 17, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 27th January, 1978 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 17, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

H. C. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20th June 1978.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR
NAGPUR**

Nagpur, the 20th June 1978

No. IAC/ACQ/73(11)/78-79.—Whereas, I, H. C. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 18, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 27th January, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market-cum-Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Nomanbhai s/o Mulla Baddruddin, Itwari, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 18, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

H. C. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date : 20th June 1978,

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR
NAGPUR

(2) Shri Mulla Nazummuddinbhhai
S/o Mohamadbhai,
Resham Oli, Itwari, Nagpur.

(Transferee)

Nagpur, the 20th June 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 21 and Godown No. 1, constructed on Plot No. 58, in Circle No. 30, Ganghubagh, Nagpur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

H. C. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur.

Date : 20th June, 1978

Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR
NAGPUR

Nagpur, the 20th June 1978

No. IAC/ACQ/73(13)/78-79.—Whereas, I,
H. C. SHRIVASTAVA,
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Shop No. 21, and Godown No. 1, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Nagpur on 27th January, 1978
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Smt. Parobai w/o Ganpatrao Gowindwar, Balabhai Peth, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Shop No. 21, and Godown No. 1, constructed on Plot 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

H. C. SHRIVASTAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 20th June, 1978
Seal :

FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR
NAGPUR

Nagpur, the 20th June 1978

No. IAC/ACQ/73(14)/78-79—Whereas, I,
H. C. SHRIVASTAVA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing No.

Shop No. 22 and Godown No. 2, constructed on Plot No. 58,
in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Nagpur on 31st January, 1978

for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reasons to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative
Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh,
Nagpur, through its Secretary Shri D. L. Multani,
Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Ganpatilal Mohanlal Agarwal,
Bhandara Road, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and /
or

THE SCHEDULE

Shop No. 22 and Godown No. 2, constructed on Plot No.
58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

H. C. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR
NAGPUR**

Nagpur, the 20th June 1978

No. IAC/ACQ/73(15)/78-79.—Whereas, I,
H. C. SHRIVASTAVA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 24, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 31st January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Maniram Anant Zade,
Shantinagar, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 24, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

H. C. SHRIVASTAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date : 20th June, 1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR
NAGPUR

Nagpur, the 20th June 1978

No. IAC/ACQ/73(16)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop. No. 27 and Godown No. 7, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 27th January 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Iftikabegum w/o Mulla Alisahab Mirza Galli, Gandhibagh, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 27 and Godown No. 7, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30 Gandhibagh, Nagpur.

K. M. CHAVDA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date : 20th June, 1978
Seal :

FORM ITNS

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHAMBER, SADAR,
NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(17)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 28, & Godown No. 25, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 27th January, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Smt. Kaushlya w/o Amardas Chhabriya, 124, Raja Gopichand Bhawan, Gandhibagh, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 28, and Godown No. 25, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

K. M. CHAVDA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date : 20th July, 1978

Seal :

FORM ITNS

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Suleman Ebrahim Anis,
Sitabuldi, Nagpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT****COMMISSIONER OF INCOME TAX**

ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHAMBER, SADAR,
NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(18)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 29, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 30th January, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 29, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

K. M. CHAVDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20th July, 1978
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.**

**ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHAMBER, SADAR,
NAGPUR**

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(19)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 31, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 30th January, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh Nagpur, through its Secretary Shri D. L. Multani Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Smt. Vijaybhai w/o Shobraj Narang, Central Avenue, Chandralok Building, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 31, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

K. M. CHAVDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date : 20th July, 1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hasmukh s/o Maganlal Sanghvi, at Multai, Tah. & Dist. Belul.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHAMBER, SADAR,
NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(20)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 34, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer of Nagpur on 30th January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 34, constructed on Plot No. 58 in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. M. CHAVDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20th July, 1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHAMBER, SADAR,
NAGPUR**

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(21)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 39, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nagpur on 27th January, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Fakruddin s/o Hussainali, Loha Oli, Itwari, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

THE SCHEDULE

Shop No. 39, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

K. M. CHAVDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date : 20th July, 1978

Seal :

FORM ITNS

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Mohamad Basir s/o Abdul Gaffoor, Gandhibagh, Nagpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHAMBER, SADAR,
NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No.IAC/ACQ/73(22)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 40, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 27th January, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 40, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

K. M. CHAVDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

33-296GI/78

Date : 20th July 1978

Seal :

FORM ITNB

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHAMBER, SADAR,
NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(23)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 44, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 25th January, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Arjundas s/o Hashanand Kukereja, Jaripatka, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

Shop No. 44, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

K. M. CHAVDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date : 20th July 1978

Seal :

FORM ITNS

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary, Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Madhao Pundalik Chandpurkar, Gandhibagh, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR,
NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(24)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 45, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 30th January, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, which 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 45, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

K. M. CHAVDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date : 20th July 1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 29C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHAMBER, SADAR,
NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(25)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 46, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, Nagpur on 27th January, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhinagar, Nagpur, through its Secretary, Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Hussainbhai s/o Sk. Abdul Karim Nadir, 28-A, Chitnavisnagar, Chawani, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 46, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

K. M. CAVDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date : 20th July 1978

Seal :

FORM ITNS —————

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary, Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Asgarali s/o Akberali,
Akola Tah. & Dist. Akola.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR,
NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(26)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 48, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 30th January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 48, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

K. M. CHAVDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date : 20th July 1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CEMBER, SADAR,
NAGPUR**

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(27)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 27th January, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of—

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary, Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Ishwarlal Bhanabhai Patel, Bhandara Road, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 49, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

K. M. CHAVDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20th July 1978
Seal :

FORM ITNS —————

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary, Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Hazarilal Gondamal Garg,
Pachpaoli, Nagpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR,
NAGPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(27)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 50, & Godown No. 15, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nagpur on 30th January, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 50 and Godown No. 15, constructed on Plot No. 58 in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. M. CHAVDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 20th July 1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR,
NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(29)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 57, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 25th January, 1978

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to have been disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary, Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Pareshkumar Vithaldas Vithalani (Minor), through Guardian father, Shri Vithaldas Vallabhdas Vithalani, Sewa Sadan Building, Central Avenue, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 57, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

K. M. CHAVDA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date : 20th July 1978

Seal :

FORM ITNS

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary, Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHEMIST, SADAR,
NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(30)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 56 and Godown No. 16, constructed on plot No. 58 in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the schedule annexed hereto) (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nagpur on 25th January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair has been transferred under the Registration Act, 1908 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(2) Shri Vithaldas s/o Vallabhadas Vithalani, Sewa Sadan Building, Central Avenue, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 56, and Godown No. 16, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. M. CHAVDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

34—296GI/78

Date : 20th July 1978

Seal :

FORM ITNS —————

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary, Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Laxmichand Tikamdas Kandbari, Quetta Colony, Nagpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR,
NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Shop No. 63 and Godown No. 14, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. M. CHAVDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 20th July 1978

Seal :

FORM ITNS

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary, Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bhajanlal s/o Tikamdas Kandhari, Quetta Colony, Nagpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR,
NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(32)/78-79.—Whereas, I, K. M. CAVDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 64, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nagpur on 30th January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 64, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. M. CAVDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20th July 1978
Seal :

FORM ITNS —————

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary, Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(2) Shri Gulam Kebriya Ahamed s/o Abdul Mannan, Bhaldarpura, Nagpur.

(Transferee)

ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR,
NAGPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(33)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 69, and Godown No. 8, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at situated at Nagpur

Nagpur on 27th January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 69 and Godown No. 8, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

K. M. CHAVDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 20th July 1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary, Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Shyamdas Ishwardas Motwani, Bhagadganj, Nagpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR,
NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(34)/78-79.—Whereas, I,
K. M. CHAVDA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing; Shop No. 72, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), being the competent authority under section 269B of the of 1908) in the office of the Registering officer at Nagpur on 27th January, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 72, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. M. CHAVDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :

Date : 20th July 1978
Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR,
NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(35)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 73 and Godown No. 4, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nagpur on 31st January 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh Nagpur, through its Secretary, Shri D. L. Multani Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Chatandas Ishwardas, Bhagadganj, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 73 and Godown No. 4, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. M. CHAVDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 20th July 1978
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary, Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Mohanlal Premji Kothari, Bhagwagar, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR,
NAGPUR**

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(36)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. The property being a vacant site bearing No. 12/3A, of Shop No. 77, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 31st January 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 77, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, In pursuance of section 269C of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely :—

K. M. CHAVDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date : 20th July 1978
Seal :

FORM ITNS—

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market-cum-Housing Society, Ltd., Gandhigarh, through its Secretary Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Madangopal Deodhar,
Katal, Tah. Katal, Dist. Nagpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR
NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(37)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA, being the Competent Authority under Section 269-D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 81 and Godown No. 29, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur, situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Nagpur on 30th January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 81 and Godown No. 29, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

K. M. CHAVDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date : 20th July 1978
Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

SPECIAL CLASS RAILWAY APPRENTICES
EXAMINATION, 1979

New Delhi, the 21st October 1978

No. F.5/2/78-E1(B).—An examination for selection of candidates for appointment as Special Class Apprentices in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers will be held by the Union Public Service Commission at AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, JAIPUR, JAMMU, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATIALA, PATNA, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR AND TRIVANDRUM commencing on the 20th March, 1979 in accordance with the Rules published by the Ministry of Railways (Railway Board) in the Gazette of India dated the 21st October, 1978.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure para 11).

2. The approximate number of vacancies to be filled on the results of the examination is 12. This number is liable to alteration.

Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

3. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. *This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.*

NOTE :—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE SPECIAL CLASS RAILWAY APPRENTICES' EXAMINATION, 1979. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE SPECIAL CLASS RAILWAY APPRENTICES' EXAMINATION, 1979, WILL NOT BE ENTERTAINED.

4. The completed application form must reach the Secretary Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 on or before the 11th December, 1978, (25th December, 1978, in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 11th December, 1978) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 11th December, 1978.

5. Candidates seeking admission to the examination, must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 36.00 (Rs. 9.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes)

through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be for credit to the account head "051 Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PREScribed FEE UNDER PARAGRAPH 6 BELOW.

6. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon agreement of October, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.

7. A refund of Rs. 21.00 (Rs. 5.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note II below rule 6 is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note, he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

8. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

R. S. AHLUWALIA, Dy. Secy.
Union Public Service Commission

ANNEXURE

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATES MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERAINED.

2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled in is liable to be rejected.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisation or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application,

even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service, whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees other than casual or daily rated employees are, however, required to obtain the permission of Head of their Office/Department before they are finally admitted to the examination. They should send their applications direct to the Commission after detaching the 2 copies of the form of certificate attached at the end of the application form and submit the said forms of certificate immediately to their Head of Office/Department with the request that one copy of the form of certificate duly completed may be forwarded to the Secretary, Union Public Service Commission, New Delhi as early as possible and in any case not later than the date specified in the form of certificate.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee. (See para 5 of Notice).
- (ii) Attested/certified copy of certificate of Age.
- (iii) Attested/certified copy of certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size 5 cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (v) Statement in the candidate's own handwriting and duly signed giving a short narrative of his career at school and college and mentioning both his educational and sports success.
- (vi) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable. (See paras 4 below).
- (vii) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession fee remission where applicable. (See paras 5 and 6 below).

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED AT ITEMS (ii), (iii), (vi) and (vii) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION IS LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF MAY, 1979. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF THE PERSONALITY TEST. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES, WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THE TIME, WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (vi) and (vii) are given in paras 4, 5 and 6 :—

- (i) (a) **CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee**—

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows :—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee—

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated, Bank Drarts will also not be accepted.

(ii) **Certificate of Age.**—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University.

A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) **Certificate of Educational qualification.**—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 6. The certificate submitted must be one issued by the authority (*i.e.* University or other examining body) awarding the particular qualifications. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the attested/certified copy of the University Certificate of passing the intermediate or any other qualifying examination submitted by a candidate in support of his educational qualification does not indicate all the subjects passed, an attested/certified copy of a certificate from the Principal showing that he has passed the qualifying examination with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry must be submitted.

A candidate whose case is covered by Rule 6(b) or Rule 6(c) must submit an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Registrar of the University/Principal of the College/Head of the Institution concerned, as proof of the educational qualification possessed by him.

The form of certificate to be produced by the candidate.—

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari* son/daughter* of Shri is/was* a bona-fide student of this University/College/Institution*.

2. He/she* has passed the first year examination under the three year degree course/first year examination of the five year Engineering Degree Course/first Examination of the three year diploma course in Rural Services of the National Council for Rural Higher Education* and is not required to reappear in any of the subjects prescribed for the first year.

Or

He/she* has passed in division the first/second* year examination of the three year degree course/first year examination under the five year Engineering Degree Course* conducted by the University of

3. @ He/she* was examined in the following subjects :

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.

@Not applicable to those studying for the five year degree course in Engineering.

(Signature of the Registrar/Principal)

(Name of the University/College/Institution*)

Date

Place.....

*Strike out whichever is not applicable.

A candidate covered by Note 1 below Rule 6 must submit an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Headmaster of the institution from where he passed the examination showing that his aggregate of marks falls within the range of marks for first or second division as prescribed by the University/Board.

NOTE.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to this examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates must, however, submit an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Principal of the College/Institution concerned. They will be admitted to this examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible, and in any case not later than 26th April, 1979.

A candidate thus admitted is required to submit the proof of passing the qualifying examination by the above time limit, whether he qualifies or not at the written part of this examination. If he fails to comply with this instruction his candidature will be cancelled and he will not be entitled to the result.

The form of certificate to be produced by the candidate.

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari* son/daughter* of is expected to appear/has appeared* at Examination conducted by

..... in the month of 19 with the following subjects—

- (i)
- (ii)
- (iii)
- (iv)
- (v)

(Signature of Principal)

(Name of the College/Institution*)

Date

Place.....

*Strike out whichever is not applicable.

(iv) *Two copies of photographs.*—A candidate must submit two identical copies of recent passport size (5 cm. X 7 cm. approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraphs 3(ii), 3(iii), 3(iv) and 3(v) above without a reasonable explanation for its absence having been given the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office (except as provided for in Note under paragraph 3(iii) above) within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise the application is liable to be rejected.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer as indicated below, of the district in which his parents' (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari*

..... son/daughter* of of village/town* in District/Division* of the State/Union Territory* belongs to the Caste/Tribe* which is recognised as Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under :—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Castes), (Union Territories) Order, 1951*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*

[As amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Re-organisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled

Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*

the Constitution (Jammu and Kashmir)
Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands)
Scheduled Tribes Order, 1959* as amended by the Scheduled
Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act,
1976*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli)
Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli)
Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled
Castes Order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) Uttar
Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu)
Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu)
Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes
Order, 1970*

2. Shri/Shrimati/Kumari* _____ and/or* his/her*
family ordinarily reside(s) in village/town* of
..... District/Division* of the State/Union
Territory* of

Signature

**Designation

(with seal of office)

Place

Date

State*

Union Territory

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will
have the same meaning as in Section 20 of the Representa-
tion of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/
Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Com-
missioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/
City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magis-
trate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presi-
dency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate
and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Develop-
ment Officer, Lakshadweep.

5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan
(now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 5
(b)(ii) or 5(b)(iii) and/or remission of fee under paragraph
6 of the Notice should produce an attested/certified copy of
a certificate from one of the following authorities to show

that he is a bona fide displaced person from erstwhile East
Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India
during the period between 1st January, 1964, and 25th
March, 1971:—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the
Dandakaranya Project or of Relief Camps in
various States;
- (2) District Magistrate of the Area in which he may,
for the time being be resident;
- (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee
Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his
charge;
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West
Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

(ii) A repatriate or prospective repatriate of Indian origin
from Sri Lanka claiming age concession under Rule 5(b)(iv)
or 5(b)(v) and/or remission of fee under paragraph 6 of
the Notice should produce an attested/certified copy of a
certificate from the High Commission for India in Sri Lanka
to show that he is an Indian citizen who has migrated to
India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to
India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma claiming
age concession under Rule 5(b)(vi) or 5(b)(vii) and/or re-
mission of fee under paragraph 6 of the Notice should pro-
duce an attested/certified copy of the identity certificate issued
to him by the Embassy of India Rangoon to show that he
is an Indian citizen who has migrated to India on or after
1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate
from the District Magistrate of the area in which he may
be resident to show that he is a bona fide repatriate from
Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(iv) A candidate disabled while in the Defence Services,
claiming age concession under Rule 5(b)(viii) or 5(b)(ix)
should produce an attested/certified copy of a certificate in
the form prescribed below, from the Director General Re-
settlement, Ministry of Defence to show that he was disabled
while in the Defence Services in operations during hostilities
with any foreign country or in disturbed area, and released
as a consequence thereof.

The form of the certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. _____ Shri _____ of
Unit _____ was disabled while in the Defence
Services in operations during hostilities with a foreign coun-
try/in a disturbed area* and was released as a result of
such disability.

Signature

Designation

Date

*Strike out whichever is not applicable.

(v) A candidate disabled while in the Border Security
Force, claiming age concession under Rule 5(b)(x) or 5(b)
(xi) should produce an attested/certified copy of a certifi-
cate in the form prescribed below from the Director General
Border Security Forces, Ministry of Home Affairs to show
that he was disabled while in the Border Security Force in
operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was
released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. _____ Shri _____
of Unit _____ was disabled while in the Border
Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of
1971 and was released as a result of such disability.

Signature

Designation

Date

(vi) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 5(b)(xii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.

(vii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia claiming age concession under Rule 5(b)(xiii) should produce an attested/Certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(viii) A candidate claiming age concession under rule 5(c) should submit (i) an attested/certified copy of a certificate from the detaining authority under his seal stating that the candidate had been detained under the Maintenance of Internal Security Act or (ii) an attested/certified copy of a certificate from the Sub-Divisional Magistrate having jurisdiction in the area stating that the candidate had been arrested or imprisoned under the Defence and Internal Security of India Act, 1971 or Rules thereunder specifying the dates between which he was arrested or imprisoned and certifying that the **detention** or arrest or imprisonment, as the case may be, was in pursuance of the candidate's political affiliations or activities or his association with the erstwhile banned organisations.

6. A candidate belonging to any of the categories referred to in para 5(i), (ii) and (iii) above and seeking remission of the fee under paragraph 6 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

7. A person in whose case a certificate of eligibility is required, should apply to the Government of India, Ministry of Railways (Railway Board), for issue of the required certificate of eligibility in his favour.

8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

9. The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

10. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with the provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. PAMPHLETS CONTAINING RULES AND QUESTION PAPERS.—With the introduction of objective type questions for all the papers included in the scheme of this examination with effect from the Special Class Railway Apprentices' Examination, 1978, the printing of pamphlets containing rules and question papers of this examination has been discontinued. However, copies of pamphlets containing rules and question papers of preceding examinations up to the examination held in 1977 are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi (110054), and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi (110001), (ii) Sale Counter of the Publication Branch, Udyog Bhawan, New Delhi (110001) and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India publications at various mofussil towns.

13. Communications Regarding Applications.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI (110011) AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :—

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

14. Change in address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY, CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

